Sample

लाल–किताब कुण्डली

Abhimanue Singh

Mindsutra Software Technologies

www.mindsutra.com

www.saarcastro.org

mindsutra@gmail.com

Contact - 09818193410, 09350247058

श्रीगणेशाय नमः

गणानां त्वां गणपतिं हवामहे कविं कवीनामुपमश्रवस्तमम् ।
ज्येष्ठराजं ब्रह्मणां ब्रह्मणस्पत आ नः शृण्वन्नूतिभिः सीद सादनम् ।।

नवग्रहस्तोत्र

जपाकुसुमसंकाशं काश्यपेयं महद्द्युतिम ।
तमोऽरिं सर्वपापघ्नं प्रणतोऽस्मिदिवाकरम्।। १ ।।
दधिशङ्खतुषाराभं क्षीरोदार्णवसंभवम ।
नमामि शशिनं सोमं शंभोर्मुकुटभूषणम।। 2 ।।
धरणीगर्भसंभूतं विधुत्कान्तिसमप्रभम् ।
कुमारंशक्तिहस्तंचमगंलंण्णमाम्यहम्।। ३ ।।
प्रियंगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम् ।
सौम्यंसौम्यगुणोपेतंतंवुधंप्रणमाम्यहम् ।। ४ ।।
देवानां च ऋषीणां च गुरूं काड़वनसंनिभम्।
बुद्धिभूतंत्रिलोकेशंतंनमामिबृहस्पतिम् ।। ५ ।।
हिमकुन्दमृणालाभं दैत्यानां परमं गुरूम्
सर्वशास्त्रप्रवक्तारंभार्गवंप्रणमाम्यहम् ।। ६ ।।
नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम् ।
छायामार्तण्डसुभूतंतंनमामिशनैश्वरम् ।। ७ ।।
अर्धकायं महावीर्य चन्द्रादित्यविमदनम्।
सिंहिकागर्भसंभूतंतंराहुंप्रणमाम्यहम्।। ८ ।।
पलाशपुष्पसंकाशं तारकाग्रहमस्तकम्।
रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम् ।। ९ ।।

फलश्रुति

इति व्यासमुखोद्गीतं यः पठेत्सुसमाहितः।
दिवा वा यदि वा रात्रौ विघ्नशान्तिर्भयविष्यति ।। १ ।।
नरनारीनृपाणां च भवेहुः स्वप्रनाशनम
ऐश्वर्यमतुलंतेषामारोग्यंपुष्टिवर्धनम् ।। 2 ।।
ग्रहनक्षत्रजाः पीडस्तस्कराग्निसमुद्रवाः ।
ताः सर्वाः प्रशमं यान्ति व्यासो व्रूते न संशयः ।। ३ ।।

इति श्री व्यासविरचितं आदित्यादिनवग्रहस्तोत्रं संपूर्णम् ।।

Sample DOB: 18:10:1978 ; TOB: 11:00:00 ; POB: New Delhi (INDIA)

ज़्योतिष सारिणी

जन्म दिन-	18 October 1978 (Wednesday)	**जन्म-दिन का ग्रह-**	**बुध**
जन्म समय-	11:00:00	**जन्म-समय का ग्रह-**	**चन्द्रमा**
जन्म स्थान-	New Delhi , INDIA		
रेखांश-	077:13:00E	**सांपातिक काल-**	12:24:17 hrs
अक्षांश-	028:39:00N	**सूर्योदय-**	06:26:40AM
समयक्षेत्र-	-05:30:00 hrs	**सूर्यास्त-**	05:46:25PM
समय संशोधन-	00:00:00 hrs	**अयनांश-**	N.C.Lahiri (023:33:39)
जीएमटी. समय-	05:30:00 hrs	**विक्रम संवत्-**	**2035**
स्थानीय समय संस्कार-	-00:21:08 hrs	**शक संवत्-**	**1900**
स्थानीय समय-	10:38:52 hrs	**संवत्सर-**	**कालयुक्त**
		संवत्सर अधिपति-	**अश्विनी**

अवकहड़ा चक्र

लग्न :	वृश्चिक
लग्नाधिपति :	मंगल
राशि (चन्द्रमा) :	मेष
राशिपति :	मंगल
नक्षत्र :	भरणी
नक्षत्रपति :	शुक्र
नक्षत्र चरण :	4
पाया :	स्वर्ण
ॠतु :	शरद
मास :	कार्तिक
पक्ष :	कृष्ण
तिथि :	तृतीया
तिथि श्रेणी :	जया
तिथि पति :	मंगल
करण :	वनिज
करण श्रेणी :	चर
करणपति :	मनिभद्र
गण :	मनुष्य
वर्ण :	क्षत्रिय
योनि :	हस्त (पु0)
सूर्य सिद्धान्त योग :	सिद्धि
रज्जु :	कटि
वश्य :	चतुश्पद
तत्व :	पृथ्वी
तत्वाधिपति :	बुध
विहग :	भारधंक
नाड़ी :	मध्य
नाड़ी पद :	मध्य
वेध :	अनुराधा
आद्याक्षर :	ला

घात चक्र

राशि (सूर्य) :	मेष
मास :	कार्तिक
तिथि :	1,6,11
वार :	रविवार
नक्षत्र :	माघ
प्रहर :	1
लग्न :	मेष
सूर्य सिद्धान्त योग :	विषकुम्भ
करण :	बावा

शासक ग्रह (कृ0 मू0 पद्धति के अनुसार)

वारेश :	बुध
लग्नेश :	मंगल
लग्न नक्षत्र स्वामी-	बुध
लग्न उप स्वामी :	शुक्र
चन्द्र राशि स्वामी :	मंगल
चन्द्र नक्षत्र स्वामी त	शुक्र
चन्द्र उप स्वामी :	शुक्र
फॉरच्युना(कृ0 प0)	083:54:52
अयनाशं (कृ0 प0) :	023:27:52

पाश्चात्य ज्योतिषीय सारिणी

सूर्य राशि-	तुला
देकानेट-	3
फेस :	V
चन्द्र राशि (पाश्चात्य) :	वृष
लग्न (पाश्चात्य) :	धनु
सूर्य का अवधिपति :	मंगल
चन्द्रमा का अवधिपति :	गुरू
अवधि बदलाव :	(बुध, गुरू), (गुरू, बुध)

Sample DOB-18:10:1978 TOB-11:00:00 POB-New Delhi

लाल किताब लग्न कुण्डली

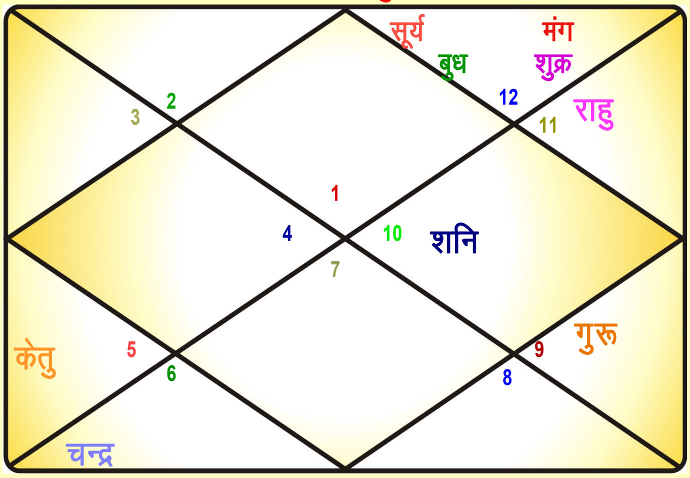

चन्द्र कुण्डली (लाल किताब)

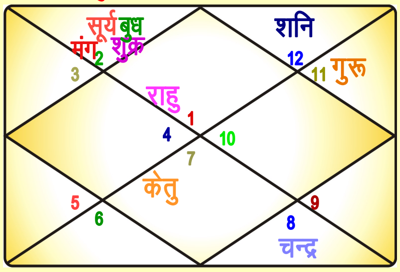

भाव चलित कुण्डली

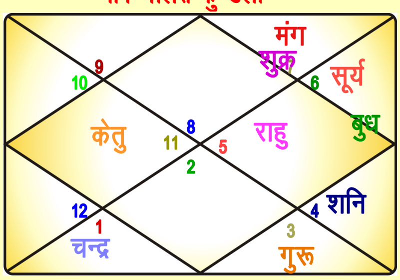

लाल किताब कुण्डली में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भावस्थ	भावेश	प्रभाव	पक्का घर	भा0 का ग्रह	साथी ग्रह	कायम	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	द्वादश	5	राशि						हाँ	शुभ भाव में
चन्द्रमा	षष्टम्	4	राशि							अशुभ भाव में
मंगल (बद)	द्वादश	1, 8	राशि						हाँ	शुभ भाव में
बुध (बद)	द्वादश	3, 6	ग्रह							अशुभ भाव में
गुरू	नवम्	9, 12	ग्रह	हाँ	हाँ		हाँ			शुभ भाव में
शुक्र	द्वादश	2, 7	ग्रह						हाँ	शुभ भाव में
शनि	दशम्	10, 11	ग्रह	हाँ	हाँ		हाँ			शुभ भाव में
राहु	एकादश		राशि						हाँ	अशुभ भाव में
केतु	पंचम्		राशि				हाँ			शुभ भाव में

लाल किताब कुण्डली में भावों (खानों) की स्थिति

खाना न०	खाना न०	मालिक	पक्का घर	सोया	उच्च	नीच	किस्मत को जगाने
१		मंगल	सूर्य	हाँ	सूर्य	शनि	मंगल
२		शुक्र	गुरू	हाँ	चन्द्रमा		चन्द्रमा
३		बुध	मंगल	हाँ	राहु	केतु	बुध
४		चन्द्रमा	चन्द्रमा	हाँ	गुरू	मंगल	चन्द्रमा
५	केतु	सूर्य	गुरू				सूर्य
६	चन्द्रमा	बुध	बुध केतु		बुध राहु	शुक्र केतु	केतु
७		शुक्र	शुक्र बुध	हाँ	शनि		शुक्र
८		मंगल	मंगल शनि	हाँ		चन्द्रमा	चन्द्रमा
९	गुरू	गुरू	गुरू		केतु	राहु	शनि
१०	शनि	शनि	शनि		मंगल	गुरू	शनि
११	राहु	शनि	शनि				गुरू
१२	सूर्य, मंगल, बुध, शुक्र	गुरू	गुरू		शुक्र केतु	बुध राहु	राहु

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

Sample DOB-18:10:1978 TOB-11:00:00 POB-New Delhi

लाल किताब चन्द्र कुण्डली

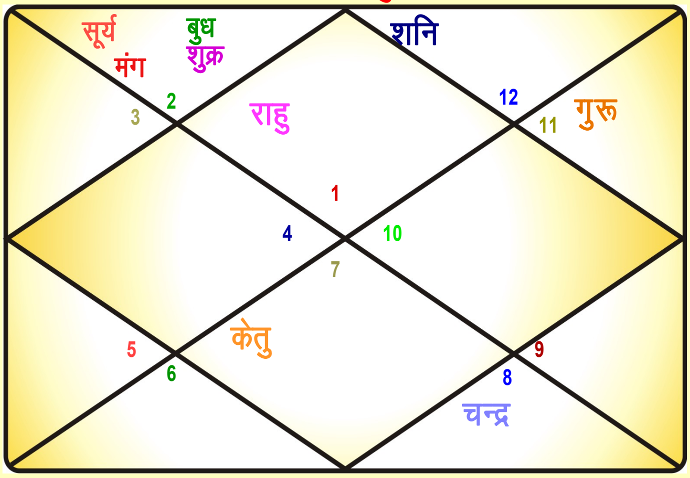

लग्न कुण्डली

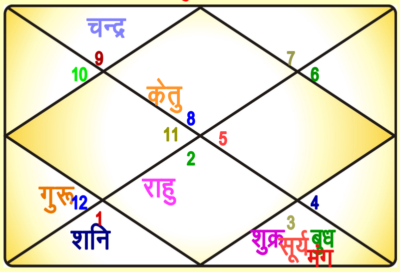

चन्द्र कुण्डली

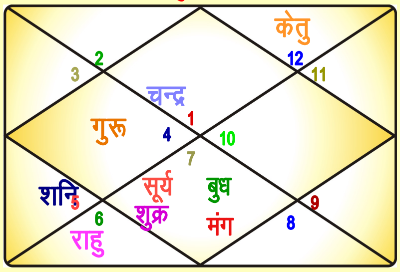

लाल किताब चन्द्र कुण्डली में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भावस्थ	प्रभाव	पक्का घर	भा0 का ग्रह	साथी ग्रह	कायम	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	द्वितीय	राशि						हाँ	शुभ भाव में
चन्द्रमा	अष्टम्	ग्रह		हाँ					अशुभ भाव में
मंगल (बद)	द्वितीय	राशि						हाँ	शुभ भाव में
बुध (बद)	द्वितीय	राशि						हाँ	शुभ भाव में
गुरू	एकादश	ग्रह	हाँ	हाँ		हाँ			
शुक्र	द्वितीय	ग्रह						हाँ	शुभ भाव में
शनि	द्वादश	राशि						हाँ	शुभ भाव में
राहु	लग्न	राशि							अशुभ भाव में
केतु	सप्तम्	राशि						हाँ	अशुभ भाव में

लाल किताब चन्द्र कुण्डली में भावों (खानों) की स्थिति

खाना न•	खाना न•	मालिक	पक्का घर	सोया	उच्च	नीच	किस्मत को जगाने
१	राहु	मंगल	सूर्य		सूर्य	शनि	मंगल
२	सूर्य, मंगल, बुध, शुक्र	शुक्र	गुरू		चन्द्रमा		चन्द्रमा
३		बुध	मंगल	हाँ	राहु	केतु	बुध
४		चन्द्रमा	चन्द्रमा	हाँ	गुरू	मंगल	चन्द्रमा
५		सूर्य	गुरू	हाँ			सूर्य
६		बुध	बुध केतु		बुध राहु	शुक्र केतु	केतु
७	केतु	शुक्र	शुक्र बुध		शनि		शुक्र
८	चन्द्रमा	मंगल	मंगल शनि			चन्द्रमा	चन्द्रमा
९		गुरू	गुरू	हाँ	केतु	राहु	शनि
१०		शनि	शनि	हाँ	मंगल	गुरू	शनि
११	गुरू	शनि	शनि				गुरू
१२	शनि	गुरू	गुरू		शुक्र केतु	बुध राहु	राहु

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

Sample DOB-18:10:1978 TOB-11:00:00 POB-New Delhi

लाल किताब शत्रु-मित्र सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	बृह	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य		मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
चन्द्रमा	मित्र		सम	मित्र	सम	सम	सम	सम	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र		शत्रु	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु
बुध	मित्र	शत्रु	सम		सम	मित्र	सम	मित्र	सम
गुरू	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु		शत्रु	सम	सम	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम		मित्र	शत्रु	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र		मित्र	सम
राहु	शत्रु	सम	शत्रु	मित्र	सम	शत्रु	मित्र		मित्र
केतु	सम	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र	सम	मित्र	

मसनुई ग्रह	पक्का ग्रह	जातक के जीवन पर प्रभाव
सूर्य + बुध	मंगल शुभ	संतान का जीवन और आयु
सूर्य + शुक्र	बृहस्पति	संतान
मंगल + बुध	शनि (राहु जैसा)	गंभीर बिमारी
बुध + शुक्र	सूर्य	स्वास्थ्य

ग्रह	भाव न.	परिभाषा
सूर्य	१२	घर में सुख की नींद सोने वाला, मगर पराई आग में जलकर मरने वाला
चन्द्रमा	६	धोखेकी माता कड़वा पानी
मंगल	१२	मंगल शुभ
बुध	१२	स्वभाव का अच्छा, किन्तु रात को दुखिया
गुरू	६	सुनहरी खानदान, खुद माया का त्यागी,योगी
शुक्र	१२	मजस्सम देवी यानी पूर्ण रूप से देवी, भवसागर से पार करने वाली गाय
शनि	१०	लेख का खाली कोरा कागज
राहु	११	पिता को गोली मारे, मुंह न देखें
केतु	५	अपने मालिक की रक्षा करने वाला

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

Sample DOB-18:10:1978 TOB-11:00:00 POB-New Delhi

लाल किताब 35 वर्षीय चक्र

दशारम्भ ग्रह (नैसर्गिक) : शनि

दशारम्भ दिनांक : 18/10/1978

प्रथम चक्र

शनि दशा 6 वर्ष	
राहु	18/10/1978--17/10/1980
मंगल	18/10/1980--17/10/1982
शनि	18/10/1982--17/10/1984

राहु दशा 6 वर्ष	
मंगल	18/10/1984--17/10/1986
केतु	18/10/1986--17/10/1988
राहु	18/10/1988--17/10/1990

केतु दशा 3 वर्ष	
शनि	18/10/1990--17/10/1991
राहु	18/10/1991--17/10/1992
केतु	18/10/1992--17/10/1993

गुरू दशा 6 वर्ष	
केतु	18/10/1993--17/10/1995
गुरू	18/10/1995--17/10/1997
सूर्य	18/10/1997--17/10/1999

सूर्य दशा 2 वर्ष	
सूर्य	18/10/1999--17/06/2000
चन्द्रमा	18/06/2000--15/02/2001
मंगल	16/02/2001--17/10/2001

चन्द्रमा दशा 1 वर्ष	
गुरू	18/10/2001--15/02/2002
सूर्य	16/02/2002--17/06/2002
चन्द्रमा	18/06/2002--17/10/2002

शुक्र दशा 3 वर्ष	
मंगल	18/10/2002--17/10/2003
शुक्र	18/10/2003--17/10/2004
बुध	18/10/2004--17/10/2005

मंगल दशा 6 वर्ष	
मंगल	18/10/2005--17/10/2007
शनि	18/10/2007--17/10/2009
शुक्र	18/10/2009--17/10/2011

बुध दशा 2 वर्ष	
चन्द्रमा	18/10/2011--17/06/2012
मंगल	18/06/2012--15/02/2013
गुरू	16/02/2013--17/10/2013

द्वितिय चक्र

शनि दशा 6 वर्ष	
राहु	18/10/2013--17/10/2015
मंगल	18/10/2015--17/10/2017
शनि	18/10/2017--17/10/2019

राहु दशा 6 वर्ष	
मंगल	18/10/2019--17/10/2021
केतु	18/10/2021--17/10/2023
राहु	18/10/2023--17/10/2025

केतु दशा 3 वर्ष	
शनि	18/10/2025--17/10/2026
राहु	18/10/2026--17/10/2027
केतु	18/10/2027--17/10/2028

गुरू दशा 6 वर्ष	
केतु	18/10/2028--17/10/2030
गुरू	18/10/2030--17/10/2032
सूर्य	18/10/2032--17/10/2034

सूर्य दशा 2 वर्ष	
सूर्य	18/10/2034--17/06/2035
चन्द्रमा	18/06/2035--16/02/2036
मंगल	17/02/2036--17/10/2036

चन्द्रमा दशा 1 वर्ष	
गुरू	18/10/2036--15/02/2037
सूर्य	16/02/2037--17/06/2037
चन्द्रमा	18/06/2037--17/10/2037

शुक्र दशा 3 वर्ष	
मंगल	18/10/2037--17/10/2038
शुक्र	18/10/2038--17/10/2039
बुध	18/10/2039--17/10/2040

मंगल दशा 6 वर्ष	
मंगल	18/10/2040--17/10/2042
शनि	18/10/2042--17/10/2044
शुक्र	18/10/2044--17/10/2046

बुध दशा 2 वर्ष	
चन्द्रमा	18/10/2046--17/06/2047
मंगल	18/06/2047--16/02/2048
गुरू	17/02/2048--17/10/2048

तृतिय चक्र

शनि दशा 6 वर्ष	
राहु	18/10/2048--17/10/2050
मंगल	18/10/2050--17/10/2052
शनि	18/10/2052--17/10/2054

राहु दशा 6 वर्ष	
मंगल	18/10/2054--17/10/2056
केतु	18/10/2056--17/10/2058
राहु	18/10/2058--17/10/2060

केतु दशा 3 वर्ष	
शनि	18/10/2060--17/10/2061
राहु	18/10/2061--17/10/2062
केतु	18/10/2062--17/10/2063

गुरू दशा 6 वर्ष	
केतु	18/10/2063--17/10/2065
गुरू	18/10/2065--17/10/2067
सूर्य	18/10/2067--17/10/2069

सूर्य दशा 2 वर्ष	
सूर्य	18/10/2069--17/06/2070
चन्द्रमा	18/06/2070--15/02/2071
मंगल	16/02/2071--17/10/2071

चन्द्रमा दशा 1 वर्ष	
गुरू	18/10/2071--16/02/2072
सूर्य	17/02/2072--17/06/2072
चन्द्रमा	18/06/2072--17/10/2072

शुक्र दशा 3 वर्ष	
मंगल	18/10/2072--17/10/2073
शुक्र	18/10/2073--17/10/2074
बुध	18/10/2074--17/10/2075

मंगल दशा 6 वर्ष	
मंगल	18/10/2075--17/10/2077
शनि	18/10/2077--17/10/2079
शुक्र	18/10/2079--17/10/2081

बुध दशा 2 वर्ष	
चन्द्रमा	18/10/2081--17/06/2082
मंगल	18/06/2082--15/02/2083
गुरू	16/02/2083--17/10/2083

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

Sample DOB-18:10:1978 TOB-11:00:00 POB-New Delhi

लाल किताब 35 वर्षीय चक्र

दशारम्भ–जन्म समय का ग्रह : चन्द्रमा

दशारम्भ दिनांक : 18/10/1978

प्रथम चक्र

चन्द्रमा दशा 1 वर्ष	
गुरू	18/10/1978--15/02/1979
सूर्य	16/02/1979--17/06/1979
चन्द्रमा	18/06/1979--17/10/1979

शुक्र दशा 3 वर्ष	
मंगल	18/10/1979--17/10/1980
शुक्र	18/10/1980--17/10/1981
बुध	18/10/1981--17/10/1982

मंगल दशा 6 वर्ष	
मंगल	18/10/1982--17/10/1984
शनि	18/10/1984--17/10/1986
शुक्र	18/10/1986--17/10/1988

बुध दशा 2 वर्ष	
चन्द्रमा	18/10/1988--17/06/1989
मंगल	18/06/1989--15/02/1990
गुरू	16/02/1990--17/10/1990

शनि दशा 6 वर्ष	
राहु	18/10/1990--17/10/1992
मंगल	18/10/1992--17/10/1994
शनि	18/10/1994--17/10/1996

राहु दशा 6 वर्ष	
मंगल	18/10/1996--17/10/1998
केतु	18/10/1998--17/10/2000
राहु	18/10/2000--17/10/2002

केतु दशा 3 वर्ष	
शनि	18/10/2002--17/10/2003
राहु	18/10/2003--17/10/2004
केतु	18/10/2004--17/10/2005

गुरू दशा 6 वर्ष	
केतु	18/10/2005--17/10/2007
गुरू	18/10/2007--17/10/2009
सूर्य	18/10/2009--17/10/2011

सूर्य दशा 2 वर्ष	
सूर्य	18/10/2011--17/06/2012
चन्द्रमा	18/06/2012--15/02/2013
मंगल	16/02/2013--17/10/2013

द्वितिय चक्र

चन्द्रमा दशा 1 वर्ष	
गुरू	18/10/2013--15/02/2014
सूर्य	16/02/2014--17/06/2014
चन्द्रमा	18/06/2014--17/10/2014

शुक्र दशा 3 वर्ष	
मंगल	18/10/2014--17/10/2015
शुक्र	18/10/2015--17/10/2016
बुध	18/10/2016--17/10/2017

मंगल दशा 6 वर्ष	
मंगल	18/10/2017--17/10/2019
शनि	18/10/2019--17/10/2021
शुक्र	18/10/2021--17/10/2023

बुध दशा 2 वर्ष	
चन्द्रमा	18/10/2023--17/06/2024
मंगल	18/06/2024--15/02/2025
गुरू	16/02/2025--17/10/2025

शनि दशा 6 वर्ष	
राहु	18/10/2025--17/10/2027
मंगल	18/10/2027--17/10/2029
शनि	18/10/2029--17/10/2031

राहु दशा 6 वर्ष	
मंगल	18/10/2031--17/10/2033
केतु	18/10/2033--17/10/2035
राहु	18/10/2035--17/10/2037

केतु दशा 3 वर्ष	
शनि	18/10/2037--17/10/2038
राहु	18/10/2038--17/10/2039
केतु	18/10/2039--17/10/2040

गुरू दशा 6 वर्ष	
केतु	18/10/2040--17/10/2042
गुरू	18/10/2042--17/10/2044
सूर्य	18/10/2044--17/10/2046

सूर्य दशा 2 वर्ष	
सूर्य	18/10/2046--17/06/2047
चन्द्रमा	18/06/2047--16/02/2048
मंगल	17/02/2048--17/10/2048

तृतिय चक्र

चन्द्रमा दशा 1 वर्ष	
गुरू	18/10/2048--15/02/2049
सूर्य	16/02/2049--17/06/2049
चन्द्रमा	18/06/2049--17/10/2049

शुक्र दशा 3 वर्ष	
मंगल	18/10/2049--17/10/2050
शुक्र	18/10/2050--17/10/2051
बुध	18/10/2051--17/10/2052

मंगल दशा 6 वर्ष	
मंगल	18/10/2052--17/10/2054
शनि	18/10/2054--17/10/2056
शुक्र	18/10/2056--17/10/2058

बुध दशा 2 वर्ष	
चन्द्रमा	18/10/2058--17/06/2059
मंगल	18/06/2059--16/02/2060
गुरू	17/02/2060--17/10/2060

शनि दशा 6 वर्ष	
राहु	18/10/2060--17/10/2062
मंगल	18/10/2062--17/10/2064
शनि	18/10/2064--17/10/2066

राहु दशा 6 वर्ष	
मंगल	18/10/2066--17/10/2068
केतु	18/10/2068--17/10/2070
राहु	18/10/2070--17/10/2072

केतु दशा 3 वर्ष	
शनि	18/10/2072--17/10/2073
राहु	18/10/2073--17/10/2074
केतु	18/10/2074--17/10/2075

गुरू दशा 6 वर्ष	
केतु	18/10/2075--17/10/2077
गुरू	18/10/2077--17/10/2079
सूर्य	18/10/2079--17/10/2081

सूर्य दशा 2 वर्ष	
सूर्य	18/10/2081--17/06/2082
चन्द्रमा	18/06/2082--15/02/2083
मंगल	16/02/2083--17/10/2083

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

Sample DOB-18:10:1978 TOB-11:00:00 POB-New Delhi

लाल किताब लग्न कुण्डली में ग्रहों की दृष्टि

लाल किताब की सामान्य दृष्टि

	सू0	च0	मं0	बु0	गु0	शु0	श0	रा0	के0
सूर्य									
चन्द्रमा	चतुर्थ		चतुर्थ	चतुर्थ		चतुर्थ			
मंगल									
बुध		पूर्ण							
गुरू									
शुक्र									
शनि									
राहु									
केतु					अर्द्ध				

ग्रहों की दृष्टि

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	बृह	शुक	शनि	राहु	केतु
सूर्य		0							
चन्द्रमा	0		0	0		0			
मंगल									
बुध		0							
गुरू									0
शुक्र		0							
शनि	0		0	0		0			
राहु									0
केतु					0			0	

लाल किताब में टक्कर की दृष्टि

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	बृह	शुक	शनि	राहु	केतु
सूर्य									
चन्द्रमा									
मंगल									
बुध									
गुरू									
शुक्र									
शनि									0
राहु		0							
केतु	0		0	0		0			

लाल किताब में पाये की दृष्टि

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	बृह	शुक	शनि	राहु	केतु
सूर्य									
चन्द्रमा									
मंगल									
बुध									
गुरू									0
शुक्र									
शनि		0							
राहु									
केतु									

लाल किताब में विश्वासघात की दृष्टि

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	बृह	शुक	शनि	राहु	केतु
सूर्य					0				
चन्द्रमा									
मंगल					0				
बुध					0				
गुरू		0							
शुक्र					0				
शनि									
राहु									
केतु									

लाल किताब में सहचरी दिवार दृष्टि

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	बृह	शुक	शनि	राहु	केतु
सूर्य									
चन्द्रमा									
मंगल									
बुध									
गुरू									
शुक्र									
शनि					0			0	
राहु	0		0	0		0			
केतु		0							

लाल किताब में अचानक प्रहार दृष्टि

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	बृह	शुक	शनि	राहु	केतु
सूर्य							0		
चन्द्रमा									
मंगल							0		
बुध							0		
गुरू									
शुक्र							0		
शनि	0		0	0		0			
राहु									
केतु									

लाल किताब में परस्पर सहयोग दृष्टि

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	बृह	शुक	शनि	राहु	केतु
सूर्य									
चन्द्रमा							0		
मंगल									
बुध									
गुरू									
शुक्र									
शनि									
राहु									
केतु					0				

जातक के हाथ की रेखाओं का लाल किताब से एक अनुमान

सूर्य बारहवें भाव में

चन्द्रमा छठवें भाव में

मंगल बारहवें भाव में

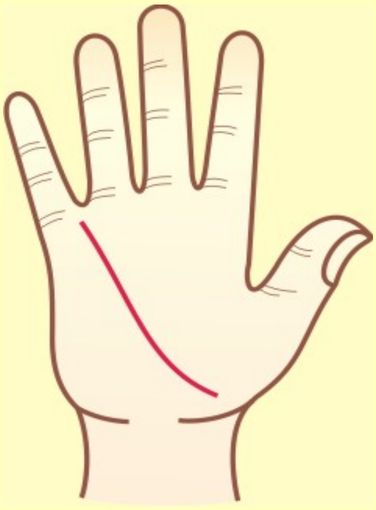

बुध बारहवें भाव में

गुरू नौवें भाव में

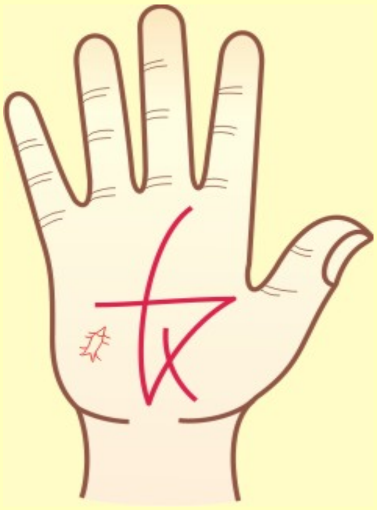

शुक्र बारहवें भाव में

शनि दसवें भाव में

राहु ग्यारहवें भाव में

केतु पांचवें भाव में

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

जातक के बारे में लाल किताब से सामान्य जानकारी

आप अपने जीवन में आध्यात्म के शिखर पर भी पहुंच सकते हैं और मदिरा पान से खुद अपना जीवन नष्ट भी कर सकते हैं। आपके मन में मौत एवं विनाश के बारें में किसी-न-किसी रूप में कोई जिज्ञासा उठती रह सकती हैं। आप आत्महत्या करने की कोशिश भी कर सकते हैं। और यदि नहीं करते हैं, तो आपके मन में आत्महत्या का विचार आ सकता है। यदि आत्महत्या का विचार नहीं भी करते हैं, तो आपके मन में मौत के बारे में किसी-न-किसी रूप में विचार आ सकता है। हालॉकि, यह प्रवृत्ति किसी को ऊपर से नजर नहीं आयेगी, लेकिन आपके अचेतन मन में यह विनाशकारी वृत्ति हो सकती है।

आप अपने जीवन में लक्ष्य को पाने के लिए पूरी मेहनत करेंगे और अपनी पूरी शक्ति लगा देंगे। आपकाविनाशकारी मन कई बार विपरीत परिस्थितियां पैदा कर सकता है और आप अपने लक्ष्य के बिल्कुल नजदीक आने के बाद अचानक पीछे हट सकते हैं। आपके पीछे हटने का कारण किसी भी रूप मेंउचित नहीं होगा। आप अपने आत्मबल और शक्ति का ठीक तरह से प्रयोग करने में सक्षम नहीं होंगे और जीवन में शीर्ष पर पहुंचना आपके लिए मुश्किल हो सकता है।

आपको अपनी योग्यता, शक्ति और विशेष प्रकार की बुद्धि का पूरा ज्ञान नहीं हो सकता है। पूरा जीवन बीत जाने के बाद भी आपको अपनी क्षमता का आभास नहीं हो सकता है। यदि आप अपनी क्षमता को जानने में सक्षम हो जाते हैं, तो आप अपने स्तर से काफी ऊंचा उठ सकते हैं। यदि आपके लग्न में बुध, शुक्र या केतु स्थित है, तो आपको अपने स्तर से ऊंचा उठने में सफलता प्राप्त नहीं हो सकती है और आपकी शक्ति केवल आपके स्वाभिमान तक ही सीमित रह सकती है।

आपकी शक्ति केवल योजनायें बनाने या अपने जीवन के बारे में विचार करने में ही नष्ट हो सकती है और सफलता का स्तर निम्न ही रहेगा। अपनी शक्ति का ठीक ढंग से प्रयोग न कर पाने के कारण आप शारीरिक रूप से भी ठीक नहीं हो सकते है। आपके अंदर दबी शक्ति आपके शरीर को नष्ट कर सकती है।आपको अपने जीवन में हर समय कोई कठिन लक्ष्य सामने रखकर उसकी प्राप्ति के लिए सख्त मेहनत करनी चाहिए। आपको लिखने के लिए धातु की कलम का प्रयोग करना चाहिए।

आप काफी भावुक व्यक्ति होंगे। आप किसी के लिए अपना जीवन समाप्त करने में भी नहीं हिचकिचा सकते हैं। लेकिन, यदि प्यार के बदले प्यार आपको नहीं मिल पाता है, तो अपने-आप को वश में रखना आपके लिए मुश्किल हो सकता है। दूसरे व्यक्ति द्वारा आपका अपमान या नुकसान किये जाने पर परिस्थितिवश आप उसे माफ कर सकते हैं, लेकिन अपने साथ हुए अन्याय को कभी नहीं भूलेंगे। आप मौके की तलाश में रहेंगे और मौका मिलते ही अपना बदला लेंगे।

आप कोई भी काम पूरी लगन से करेंगे और काम करते हुए सारी चीजों को भूलकर अपने लक्ष्य पर ध्यानरखेंगे। ऐसी हालत में आप अपनी छोटी-छोटी खुशियां भूल जायेंगे। परेशानियों के समय में आपके अन्दर की पूरी क्षमता देखने को मिलेगी। आप लोगों के आकर्षण का केन्द्र रहेंगे।

आपमें अहम की भावना दूसरे लोगों की तुलना में कुछ अधिक हो सकती है। यदि आप अपने अहम को नियंत्रित रखने में सफल हो सकते हैं, तो आप दूसरों के लिए आदर्श बन सकते हैं। लोग आपकी राय

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

से लाभ प्रात कर सकते हैं। आप अपने जीवन के बहुत से भेद छुपा कर रख सकते हैं।

आप अपनी दिनचर्या में कुछ समय अकेले रहना पसन्द कर सकते हैं। आपमें जन्म-जात आक्रोश की भावना होगी। इससे छुटकारा पाने के बाद आप जीवन में काफी सफलता प्राप्त कर सकते हैं तथा अपने आप से संतुष्ट भी रहेंगे। आप दूसरों के साथ प्रेम-संबंध बनाने में बहुत जल्द सफल हो सकते हैं। लेकिन, आपके कुछ छुपे हुए भेद उजागर होने पर संबंध खत्म भी हो सकते हैं।

आप काफी भावुक एवं मानसिक रूप से मजबूत व्यक्ति होंगे। आप किसी भी चीज की गहराई तक अध्ययन करेंगे। आपमें अर्न्तज्ञान की क्षमता काफी अधिक होगी। आप वैज्ञानिक, आध्यात्मिक या दूसरे गूढ़ विषयों में सफल हो सकते हैं। यदि आपकी कुण्डली में अशुभ ग्रह बुध, शुक्र, केतु की दृष्टि भी नहीं पड़ रही है, तो आप ज्योतिषी भी हो सकते हैं।

आप किसी भी बात को सीधे तौर पर स्पष्ट शब्दों में कहना पसन्द करेंगे। लेकिन, अपने प्रेम संबंधों में आपका स्वभाव विपरीत हो सकता है। आप अपने मित्रों या रिश्तेदारों के सामने अपनी भावना को खुलकर व्यक्त नहीं कर सकते हैं, जिसकी वजह से दूसरे लोग आपको ठीक तरह से नहीं समझ सकते हैं।आपको किसी भी प्रकार का भय या रोब दिखा कर कोई काम करवाना या किसी बात को मनवाना मुश्किल हो सकता है।

आपकी कुण्डली के बारहवें भाव में मंगल होने की वजह से आपके खर्चे अधिक होंगे। आपके खर्चे आमतौर पर घर की सजावट या उपरी शानों-शौकत के संबंध में ज़्यादा होंगे। ये खर्चे आपकी आमदनी से ज़्यादा हो सकते हैं।

आपकी कुण्डली के बारहवें भाव में मंगल होने की वजह से अपने भाई-बहनों के साथ आपके मधुर संबंध होंगे। आप साहसी एवं पराक्रमी होंगे तथा आप अपने पराक्रम से धनोपार्जन में सफल होंगे। आप थोड़े कामुक प्रवृत्ति के हो सकते हैं तथा दूसरी स्त्रियों के साथ आपके अनैतिक संबंध हो सकते हैं।

आपकी कुण्डली के बारहवें भाव में मंगल होने की वजह से आपको बदनामी या झूठा कलंक लगने की संभावना हो सकती है। यदि मंगल पर राहु-केतु की दृष्टि पड़ रही है, तो कलंक लगने की संभावना में वृद्धि हो सकती है। अपने इन व्यवहारों के कारण आपको अपमानित होना पड़ सकता है।

यदि आपकी कुण्डली में मंगल बहुत ही अशुभ हो रहा है तो आपको कारावास भी हो सकता है। लाल किताब के अनुसार, आप गर्म स्वभाव वाले होंगे तथा अपने हिसाब से चलने वाले होंगे। लाल किताब केअनुसार, यदि आपकी चौबीसवें या अठाईसवें साल की उम्र में पहला लड़का पैदा हो या उसका दूसरा भाई पैदा हो तो यह मंगल का शुभ फल आरंभ होने की निशानी है।

मंगल अशुभ होने की स्थिति में आपके बड़े भाई नहीं हो सकते हैं या होंगे तो बुरी हालत में होंगे और उनको लड़का पैदा होने की संभावना नहीं होगी।

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

आपकी कुण्डली के बारहवें भाव में मंगल होने की वजह से लाल किताब के अनुसार, आपके बड़े भाइयोंको चाहिए कि जब आप उनके घर जायें, तो वो आपको पानी की जगह दूध पिलायें। उन्हें अपने पास चांदी या चावल रखना चाहिए। इससे काफी शुभ फल प्राप्त हो सकता है।

आपकी कुण्डली के बारहवें भाव में मंगल होने की वजह से लाल किताब के अनुसार, अशुभ फल को दूर करने के लिए आपको धर्म-स्थल में बताशे देना चाहिए। इसके अलावा, दूध में शहद या चीनी डालकर दूसरे साथियों को देना चाहिए तथा मीठी रोटी का खुद प्रयोग करना और कुत्तों को भी मीठी रोटीडालना काफी लाभदायक हो सकता है।

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

ग्रहफल और उपाय–लाल किताब

(सभी भविष्यफल लाल किताब कुण्डली पर आधारित हैं)

नौवें भाव में स्थित गुरू का फल

लाल किताब में नौवां भाव बृहस्पति का पक्का भाव है। आप सम्मानित तथा बढ़िया आर्थिक हालात वाले खानदान में पैदा हुये होंगे। आप पैसे के पीछे कभी नहीं भागेंगे।

आपकी कुण्डली में पहला भाव खाली है। लाल किताब के अनुसार, आपके स्वास्थ्य पर इसका बुरा असरहोगा। आपको दिल की बीमारी हो सकती है।

आपकी कुण्डली में बुध आठवें या बारहवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, इससे बृहस्पति का फल कुछ हद तक अशुभ हो जाता है। आपको धार्मिक अनुष्ठानों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए।

आपको अपना विवाह २५ वर्ष के बाद करना चाहिए। तीर्थ यात्रायें आपकी संतान के लिए अशुभकर हो सकती हैं।

नौवें भाव में स्थित गुरू के उपाय और सावधानियाँ

१-गाय की सेवा करें।
२-मकान में फर्श के नीचे चांदी और शहद दबायें।
३-नीम के पेड़ में ४३ दिन तक लागातार चांदी के चौकोर पत्तर दबायें।
४-मंदिर रोजाना जायें।
५-शराब का सेवन न करें।
६-बहते हुए पानी में चावल बहायें।
७-गंगा स्नान करें, और गंगाजल पीयें।
८-धार्मिक स्थलों की यात्रा करें, और दूसरों को वहां जाने में सहायता करें।
९-सदा सत्य बोलें।
१0-जुठा भोजन न खायें।
११-पीपल की सेवा करें।
१२-केसर और हल्दी का तिलक लगायें।
१३-अपने घर के आंगन में गेन्दा और सूर्यमुखी का फुल लगायें।

बारहवें भाव में स्थित सूर्य का फल

बारहवें भाव में सूर्य स्थित होने के कारण आप बिना मतलब ही दूसरों की मुसीबत अपने सिर ले सकते हैं। आपके लिए व्यापार बहुत शुभ फलदायक हो सकता है, परन्तु यदि आप हाथ से कोई कार्य करते हैं (मेहनत-मजदूरी आदि), तो यह आपके लिए अशुभ हो सकता है।

आपको शीशा, बिजली और कोयले से संबंधित कोई कारोबार नहीं करना चाहिए। ससुराल के लोगों के साथ मिलकर किया हुआ कारोबार भी बहुत बुरा फल प्रदान करेगा।

आप अपनी मनमानी के लिए धन-सम्पत्ति नष्ट कर सकते हैं। आप परोपकारी हो सकते हैं। यदि आपके घर में आंगन न हो या मकान में सूर्य की रोशनी नहीं आ रही हो, तो आपको सूर्य का अशुभ फल प्राप्त हो सकता है। आपको अकारण ही अपयश मिल सकता है। आपको पुलिस या अस्पताल में नौकरी, बिजली, कोयला या हाथी दांत का कारोबार बिल्कुल नहीं करना चाहिए। यदि आप धर्म-कर्म का कार्य करते हैं, तो आपके धन में वृद्धि होगी। आपको भूलकर भी अपने ससुराल वालों के साथ कोई कारोबार नहीं करना चाहिए।

आपकी कुण्डली में चंद्रमा छठे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आप या आपके जीवनसाथी की आंखों की हालत ठीक नहीं हो सकती है।

आपकी कुण्डली में सूर्य और बुध एक साथ बारहवें भाव में स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, आपकोसोना पहनना चाहिए, जिससे दोनों ग्रहों का फल शुभ हो जायेगा।

बारहवें भाव में स्थित सूर्य के उपाय और सावधानियाँ

१-लाल मुंह वाले बन्दर को रविवार के दिन गुड़ और गेंहू खिलायें।
२-भूरी चींटियों को शतनाजा डालें।
३-झुठी गवाही न दें।
४-धर्म-कर्म में विश्वास रखें।
५-साला-चाचा या ताया के साथ मिलकर कोई कारोबार न करें।
६-मकान में आंगन जरूर रखें।
७-आटा पीसने वाली चक्की घर में रखना शुभ फलदायक है।
८-दुश्मनों को भी माफ करें।
९-मैकेनिक का काम न करें।
१0-बिजली का सामान मुफ्त में न लें।
११-रविवार का व्रत रखें।
१२-हरिवंश पुराण की कथा सुनें।

छठवें भाव में स्थित चन्द्रमा का फल

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

लाल किताब में छठे भाव में स्थित चंद्रमा का फल शुभ नहीं बताया गया है। छठे भाव में स्थित चंद्रमा को "धोखे की माता और खारा पानी" कहा गया है।

लाल किताब के अनुसार, आपके शत्रु साधारण किस्म के होंगे और आपको बहुत हानि नहीं पहुँचा पायेंगे।

यदि आप चिकित्सा संबंधी किसी व्यवसाय में लगे हुए हैं, तो आप सफल हो सकते हैं।

छठे भाव में चंद्रमा के रहते समय आपकी माता को प्राय: कष्ट लगा रह सकता है। यदि आप ट्रैवेल एजेन्टका काम करते हैं, तो भारी मात्रा में धन अर्जित कर सकते हैं।

आपको २४वें और २५वें वर्ष में विवाह नहीं करना चाहिए, अन्यथा आपकी माता पर इसका अशुभ असरहो सकता है।

आपकी कुण्डली का दूसरा भाव खाली है। लाल किताब के अनुसार, चंद्रमा का फल उतना शुभ नहीं रह पायेगा।

आपकी कुण्डली में सूर्य बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपके जीवनसाथी और आपकी आंखों में परेशानी हो सकती है।

छठवें भाव में स्थित चन्द्रमा के उपाय और सावधानियाँ

१-अपने हाथ से पिता को दूध पिलायें।
२-चने की दाल, गुड़, गेंहू इत्यादि किसी धार्मिक स्थल पर दान करें।
३-दूध का दान कभी न करें।
४-अस्पताल या श्मशान में प्याऊ लगवायें।
५-खरगोश पालें।
६-रात में दूध का सेवन कतई न करें।
७-अपना राज किसी दूसरे को न बतायें।
८-यदि आपके माता का स्वास्थ्य काफी दिनों से खराब चल रहा है, तो इस स्थिति में किसी धार्मिक स्थलपर दूध का दान करना चाहिए।
९-आपनी नानी से आशीर्वाद के रूप में चांदी लेकर अपने पास रखें।
१0-चांदी का दान न करें।
११-सोमवार का व्रत रखें।
१२-शिवजी की पूजा करें।
१३-घर की छत के नीचे कुआं या हैंडपम्प न लगायें।

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

बारहवें भाव में स्थित शुक्र का फल

लाल किताब में बारहवें भाव में स्थित शुक्र को 'कामधेनु गाय' और 'लक्ष्मी' कहा गया है। आपको जीवनसाथी का सुख ३७ वर्षों तक लगातार मिल सकता है। आप बुढ़ापे के समय दूसरों को नसीहत देते रह सकते हैं। आपकी जवानी ऐशो-आराम में गुजर सकती है। अपनी छोटी-मोटी बीमारियों को भी आपबहुत बढ़ा-चढ़ा कर बता सकते हैं।

यदि आप अपने जीवनसाथी की इज़्जत करें तो शुक्र का फल और भी शुभ हो जायेगा। शादी के दिन से ही आपको धन लाभ होना शुरू हो जायेगा।

यदि आप धार्मिक कार्यों में रूचि लेते हैं, तो शुक्र का प्रभाव शुभ हो जायेगा। प्राय: आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य ठीक नहीं रह सकता है। उपाय के तौर आपके जीवनसाथी को नीले रंग का फूल गोधुली बेला (शाम के वक्त) में बाहर किसी वीराने में दबाना चाहिए।

कई ग्रंथों के अनुसार, आपका संबंध कई स्त्रियों से हो सकता है। कई बार अवैध सबंध आपके जीवन मेंकठिनाइयां उत्पन्न कर सकते हैं। अपने से बड़ी उम्र की औरतों के साथ भी आपके संबंध हो सकते हैं।आप अपनी उम्र के २७ वर्ष के होने पर ही प्राय: मांस-मदिरा का सेवन कर चुके हो सकते हैं। आप दूसरों की सहायता के लिए हमेशा तत्पर रह सकते हैं।

आपकी कुण्डली में दूसरा और सातवां भाव खाली है। लाल किताब के अनुसार, इस स्थिति में शुक्र का फल पूरी तरह से बर्बाद हो जाता है।

आपकी कुण्डली में बुध अशुभ है। लाल किताब के अनुसार, आपके जीवनसाथी मधुर स्वभाव की नहीं हो सकती हैं और ज़ुबान भी ज़्याद चला सकती हैं।

आपकी कुण्डली में शुक्र और बुध एक साथ बारहवें भाव में स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, आपकी उम्र लंबी होगी। परन्तु कन्या संतान का जन्म आपके लिए अनेक परेशानियां खड़ी कर सकती है।

बारहवें भाव में स्थित शुक्र के उपाय और सावधानियाँ

१-यदि आपकी जीवनसाथी का स्वास्थ्य ठीक नहीं हो, तो उसके वजन के बराबर ज़्वार धर्म स्थान में दान करें।
२-नीला फूल ४३ दिन तक लगातर शाम के समय विराने में दबायें।
३-काली गाय दान करें।
४-सफेद गाय की सेवा करें।
५-औरत के हाथों दान-पुण्य कराते

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

रहें।
६-अपनी जीवनसाथी को मान-सम्मान दें।
७-शुद्ध देशी घी के दीपक जलायें।
८-अपना चाल-चलन ठीक रखें।
६-दही, कर्पूर का दान करें।
१0-अपने पहनावें पर ध्यान दें।

बारहवें भाव में स्थित मंगल का फल

लाल किताब के अनुसार बारहवें भाव में मंगल स्थित होने के कारण आप उग्र स्वभाव वाले हो सकते हैं।आप अपनी मर्जी के मालिक हो सकते हैं। परन्तु राहु का फल अशुभ नहीं होगा। यदि आप अपने गुरूओं और ब्राह्मणों की सेवा करें तो मंगल का फल और भी शुभ हो जायेगा।

यदि आपको २४ से २८ वर्ष के बीच संतान या भाई की प्राप्ति होती है, तो मंगल का फल शुभ होना आरंभ हो जायेगा।

आपको पीले या खाकी रंग की पगड़ी पहननी चाहिए, जिससे बड़े भाइयों पर होने वाले बुरे प्रभाव खत्म हो जायेंगे। आपके बड़े भाई को चाहिए कि आपको पानी की जगह दूध पिलायें। स्वयं मीठा खाना या दूसरे लोगों को खिलाना भी मंगल के अशुभ प्रभाव को दूर कर सकता है।

आप २८ वर्ष की उम्र तक अपने बड़े भाइयों पर भारी पड़ सकते हैं।

आपकी कुण्डली में बुध तीसरे, आठवें, नौवें अथवा बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस स्थिति में मंगल का फल ज़्यादा शुभ नहीं रहेगा।

आपकी कुण्डली में मंगल और शुक्र एक साथ बारहवें भाव में स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, आपको अपने जीवनसाथी से सुख कम प्राप्त हो सकती है और यदि मंगल अशुभ है, तो तलाक की भी संभावना बन सकती है।

बारहवें भाव में स्थित मंगल के उपाय और सावधानियाँ

१-बारह मंगलवार दूध में शहद या गुड़ डालकर वृद्ध ब्राहम्ण को पीलायें।
२-बारह मंगलवार धर्मस्थान में बताशे दान करें।
३-घर में किसी प्रकार का कुन्द हथियार न रखें।
४-पानी में गुड़ डालकर सूर्य को अर्ध्य दें।
५-सिर पर चोटी रखें।
६-चांदी की डिब्बी में चावल अपने पास

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

रखें।
७-मीठा खायें, और खिलायें।
८-मंगलवार के दिन हनुमान मंदिर में लड्डू बांटे।
९-बड़े भाई की सेवा करें।
१0-सुबह-सुबह शहद का सेवन करें।
११-लाल रंग की टोपी पहने।
१२-पीले वस्त्र धारण करें।
१३-खाने के बाद मेहमानों को मिस्री खिलायें।
१४-लाल मुंगा पहनें।

बारहवें भाव में स्थित बुध का फल

लाल किताब के अनुसार, यदि आपकी बहन, बुआ अथवा लड़की और मौसी आपके घर हमेशा के लिए रहने लगें, तो इन लोगों पर बुध का बुरा असर हो सकता है।

आप अपने मतलब के लिए फरेब कर सकते हैं या झूठ बोल सकते हैं। कई बार आप अपने किये हुए वादों से मुकर सकते हैं। आप अपने दिमाग में किसी भी कार्य को करने के लिए पूरी शक्ति लगा देंगे। आप यह नहीं सोचेंगे कि इस कार्य का फल शुभ होगा या अशुभ होगा। यदि आप शराब पीना शुरू करतेहैं, तो यह बुध मंदे होने की पहली निशानी होगी।

यदि आपके जीवनसाथी की कुण्डली में भी बुध बारहवें भाव में स्थित है, तो लाल किताब के अनुसार, आपकी आर्थिक स्थिति बहुत खराब हो सकती है। आपको सट्टे, हवाई कार्यों एवं प्रिटिंग प्रेस जैसे कार्यों से नुकसान हो सकता है।

यदि आप २५वें वर्ष की उम्र में विवाह करें, तो आपके जीवनसाथी और पिता के लिए बुध का असर अशुभ हो जायेगा।

यदि आप अपने साले का आशीर्वाद लें या उसे कुछ भेंट करें, तो बुध का असर शुभ हो जाता है। आपको दूसरे व्यक्तियों से सलाह-मसविरा लेना चाहिए।

बारहवें भाव में स्थित बुध के असर को शुभ करने के लिए लिए नाक छेदन करवाना सर्वोत्तम उपाय है। आपको सोना पहनना चाहिए।

आप अपने जीवन में आये हुए शुभ अवसरों को गवां सकते हैं। आप हमेशा ऐसा सोच सकते हैं कि भाग्य आपका साथ नहीं दे रहा है और यह नकारात्मक सोच जीवन में लगातार ३४ वर्ष तक चलती रह सकती है। आप स्वप्नावस्था में कई बार अनजानी मृत आत्माओं या धर्म-स्थान को देख सकते हैं। आपको हमेशा सिर में दर्द रह सकता है, परन्तु आप सिद्ध पुरूषों में विश्वास रख सकते

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

हैं।

आपकी कुण्डली में दूसरा भाव खाली है। लाल किताब के अनुसार, आप बहुत जल्दबाज होंगे। यदि आपरोजाना मंदिर में जायें, तो बुध का असर शुभ हो सकता है।

आपकी कुण्डली में चंद्रमा छठे भाव में स्थित है। लाल किताब अनुसार, आपकी माता के लिए यह अशुभ स्थिति हो सकती है। उनका स्वास्थ्य गड़बड़ हो सकता है।

बारहवें भाव में स्थित बुध के उपाय और सावधानियाँ

१-आपके दांतो की संख्या ३0 और ३२ नहीं होनी चाहिए।
२-नाक छेदन अवश्य करवायें। १00 दिनों तक उसमें चांदी पहनें।
३-घर में काला कुत्ता पालें।
४-गले में सोना पहनें।
५-बारह खाली घड़े बुधवार के दिन बहते पानी में बहायें।
६-चने की दाल, केसर और हल्दी धार्मिक स्थान पर ४३ दिन दान करें।
७-गणेश जी की पूजा करें।
८-अण्डा जल में प्रवाहित करें।
९-अंगुली में स्टील की अंगुठी पहनें।
१0-धार्मिक स्थानों की यात्रा करें।
११-केसर का तिलक लगायें।
१२-कोई भी कार्य करने से पहले दूसरों से सलाह मसविरा करें।
१३-कुआरी कन्याओं का आशिर्वाद लें।
१४-दूर्गा पूजा करें।
१५-अपने किये हुए वादों को निभायें।
१६-लड़ाई-झगड़ा न करें।
१७-गुस्से पर काबु रखें।
१८-झूठ न बोलें।
१९-बुधवार का व्रत रखें।
२0-अपने घर में बिजली की वस्तुओं को ठीक रखें।

दसवें भाव में स्थित शनि का फल

लाल किताब में दसवें भाव में स्थित शनि को "किस्मत को जगाने वाला" कहा गया है। आप अपना भाग्य खुद बनायेंगे। लाल किताब के अनुसार, आपके पिता कम से कम अपकी उम्र के ४८ साल तक आपका साथ जरूर देंगे। आपको १५वे, २१वें, ३३वें, ३९वें, ४५वें और ५७वें साल में खूब इज़्जत और शोहरत

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

मिलेगी।

दसवें भाव में शनि के होते हुए यदि आप दूसरों की भलाई करें, दिल से धर्मात्मा हों या रहमदिल हों, तोयहां बैठा हुआ शनि आपको बर्बाद कर सकता है।

लाल किताब के अनुसार, आपकी हर तरफ इज़्जत होगी। यदि आप शराब न पीयें, तो शनि का फल और भी शुभ हो जायेगा। आपको अपना मकान ४८ साल की उम्र के बाद बनाना चाहिए, नहीं तो आपका धन बर्बाद हो सकता है।

यदि आपको किसी भी तरीके से शनि का अशुभ फल मिल रहा है, तो घर में पीतल के बर्तन में गंगाजलडालकर रखना चाहिए।

आपको एक जगह बैठकर काम करना चाहिए।

आपकी कुण्डली में शनि अकेला बैठा हुआ है। आपकी उम्र का हर तीसरा साल उत्तम होगा।

आपकी कुण्डली में दूसरा भाव खाली है। लाल किताब के अनुसार, इस स्थिति में शनि का फल और भीअशुभ हो जायेगा।

दसवें भाव में स्थित शनि के उपाय और सावधानियाँ

१-पीतल के बर्तन में गंगाजल डालकर उसे घर में रखें।
२-दूसरों का सम्मान करें।
३-मांस-मदिरा का सेवन न करें।
४-चाचा की सेवा करें।
५-४३ दिन तक लगातार चने की दाल बहते हुए पानी में बहायें।
६-धार्मिक स्थानों की यात्रा करें।
७-दस अंधों को खाना खिलायें।
८-४८ साल से पहले मकान न बनावायें।
९-जीव हत्या न करें।
१०-अपने पास हथियार न रखें।
११-भाग-दौड़ वाले काम न करें।
१२-भैरो मंदिर में शराब का दान न करें।
१३-रोटी पर सरसों का तेल लगाकर कौओं और कुत्तों को खिलायें।
१४-मजदूरों का पैसा अपने पास न रखें।

ग्यारहवें भाव में स्थित राहु का फल

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

ग्यारहवें भाव में स्थित राहु के फल को आमतौर पर बुरा ही बताया गया है। आपके जन्म से ही घर की संपत्ति बर्बाद होनी शुरू हो सकती है। आपकी उम्र जब ११ माह, ११ वर्ष या २१ वर्ष की होगी, तो पिता का धन नष्ट हो सकता है। आप प्राय: फिजूलखर्च हो सकते हैं। ससुराल की हालत ज़्यादा बढ़िया नहीं हो सकती है।

ग्यारहवें भाव में स्थित राहु के अशुभ फल को दूर करने के लिए सोना धारण करना चाहिए और भंगी को कभी-कभी सामान दान करना चाहिए।

आपके लड़के के कान में तकलीफ हो सकती है और आपकी टांगों और रीढ़ की हड्डी में दर्द हो सकता है। आपको यात्रा करते समय सावधानी बरतने की जरूरत होगी, अन्यथा आपको नुकसान हो सकता है।

ग्यारहवें भाव में स्थित राहु के उपाय और सावधानियाँ

१-सोना पहने।
२-केसर का तिलक लगायें।
३-चांदी के गिलास में पानी पियें।
४-बृहस्पतिवार के दिन चने की दाल पीले कपड़े में बांधकर दान करें।
५-बृहस्पतिवार के दिन प्याज लहसुन न खायें।
६-भेंट में इलेक्ट्रानिक का सामान दें।
७-हाथी के शक्ल के खिलौने न खरीदें।
८-चांदी की नली में सिगरेट पीयें। (अगर आप पीते हों तब)
९-अपने घर के बिजली का सामान ठीक रखें।
१0-नीलम की अंगुठी न पहनें।
११-नीले कपड़े न पहनें।
१२-घर में या पास में हथियार न रखें।
१३-चार किलो सिक्का नदी में प्रवाहित करें।
१४-दहेज में बिजली का सामान न लें।
१५-बिना इस्तेमाल किये हुए बर्तनो को ढ़क कर न रखें।

पांचवें भाव में स्थित केतु का फल

यदि आप युवावस्था के दौरान अपना चाल-चलन ठीक रखें, तो केतु का फल शुभ हो जायेगा। आपके पुत्रों और पौत्रों के लिए भी केतु शुभ फल देगा।

पांचवें भाव में स्थित केतु के उपाय और सावधानियाँ

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

१-चावल, दूध, गुड़ इत्यादि का दान करें।
२-तील, नींबू, केला आदि का दान करें, या जल में प्रवाह करें।
३-खटाई वाले चीजें नौ वर्ष से छोटी कन्याओं को खिलायें।

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

ग्रहफल लाल–किताब

(सभी भविष्यफल लाल किताब कुण्डली पर आधारित हैं)

सूर्य द्वादश भाव में

आपकी कुण्डली में सूर्य बारहवें भाव में स्थित है। आप अवश्य सम्पन्न होंगे। आप बड़े उपक्रमोंके द्वारा धन कमायेंगे। यदि आप डाक्टर या दवा विक्रेता हैं तो आपको लाभ प्राप्त होगा। आटे या आटा मिल का व्यवसाय भी आपके लिये लाभकारी होगा। आप तनाव मुक्त होंगे और आपको मानसिक शांति प्राप्त होगी। आपको अपने व्यवसाय में शुभ परिणाम प्राप्त होंगे। आपका पारिवारिक जीवन खुशहाल होगा और आपको अपने से बड़ों का आशीर्वाद प्राप्तहोगा। आपका घर खुशियों से पूर्ण होगा। आप आध्यात्म और ध्यान के क्षेत्र में सफलता प्राप्त करेंगे। आपको गूढ़ विज्ञान में रूचि होगी। आप विदेशी मामलों से लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप विदेश में निवास कर सकते हैं। आपकी वृद्धावस्था सुखों से पूर्ण होगी।

यदि आप बिना आंगन वाले घर में निवास करते हैं, विधवा स्त्री या निम्न स्तर की महिला के साथ आपके अनैतिक सम्बन्ध हैं या दूसरों के सुख में बाधा उत्पन्न करते हैं या बिजली का सामान बिना मोल दिये लेते हैं तो आपका सूर्य कमजोर हो सकता है। यदि आपका सूर्य किसीकारणवश कमजोर हो जाता है तो आप ऑख और दिमाग सम्बन्धित रोगों से ग्रस्त हो सकते हैं। आप बहुत क्रोधी स्वभाव के हो सकते हैं। आप दुष्ट स्वभाव के हो सकते हैं।

आपको लकड़ी और बिजली से संबधित व्यवसाय में हानि हो सकती है। मशीनी कार्यों में भी आपको हानि हो सकती है। आपको लोहे, तेल, अनाज, कच्चा कोयला और घर निर्माण के व्यवसाय में हानि हो सकती है। यदि आपने विधवा स्त्री या निम्न स्तर की महिला के साथ अनैतिक सम्बन्ध रखा तो आपकी पैतृक सम्पत्ति नष्ट हो सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1– बिजली का सामना बिना मोल दिये न लें।
2– दूसरों की शांति में बाधा न डालें।

उपाय :

1– जल में चीनी मिलाकर सूर्य को अर्पण करें।
2– चीटियों को त्रिचूली खिलायें।

चन्द्रमा षष्ठ भाव में

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

आपकी कुण्डली में चन्द्रमा छठे भाव में स्थित है। आपकी पुत्रियों की संख्या पुत्रों से अधिक होसकती है। आप बुद्धिमान होंगे और बड़ी बुद्धिमानी के साथ योजना बनायेंगे। मुकदमों में आपको सफलता प्राप्त होगी। आपको अपने ननिहाल से लाभ और सहयोग प्राप्त होगा। आपको एक कहावत सदैव याद रखनी चाहिये – जैसा आप बोयेंगे, वैसा ही काटेंगे। आपकी बहन, बुआ और पुत्री का जीवन समृद्धिपूर्ण और आनन्द से भरा होगा। आप अपना व्यवसाय बदल सकते हैं या आपका स्थानांतरण बार–बार हो सकता है। आप बहुत दयालु व परोपकारीहोंगे और सदैव लोगों की मदद करेंगे। आपको किसी प्रकार की आर्थिक तंगी का सामना नहीं करना पड़ेगा। आपके शत्रु आपसे डरेंगे।

यदि आप अपनी बहन और पुत्री का धन प्रयोग करते हैं, अपनी गुप्त बातें लोगों को बतायेंगे, सूर्यास्त के बाद दूध पीयेंगे, दूसरों के लिये कुँआ बनवायेंगे या नल लगवायेंगे तो आपका चन्द्रमा कमजोर हो सकता है। यदि आपका चन्द्रमा किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपकी माता के सुख में कमी हो सकती है या आपको अपना बचपन अपनी सौतेली माता के साथ बिताना पड़ सकता है। यदि आप लोगों के लिये 24 साल की आयु के दौरान पानी के स्रोतों का निर्माण करवाते हैं तो इसका बुरा प्रभाव आपकी माता और संतान पर पड़ सकता है।आपके जीवनसाथी नेत्र रोग से पीड़ित हो सकते हैं। आपके ससुराल वालों को हानि हो सकती है। आपको कानूनी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आप चिन्तित रह सकतेहैं। यदि आप कोई काम सोच–समझ कर नहीं करेंगे तो आपको समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आपकी माता को कष्ट हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

परहेज :

1– लोगों के लिये 24 साल की आयु के दौरान पानी के स्रोतों का निर्माण न करवायें।
2– अपने राज दूसरों को न बतायें।
3– सूर्यास्त के बाद दूध न पियें।

उपाय :

1– पानी के स्रोतों का निर्माण किसी अस्पताल या श्मशान में करवाना शुभ होगा।
2– जब आपकी माता को कष्ट हो तो खरगोश की सेवा करें।
3– चन्द्र ग्रहण के समय चार सूखे नारियल पानी में प्रवाहित करें।

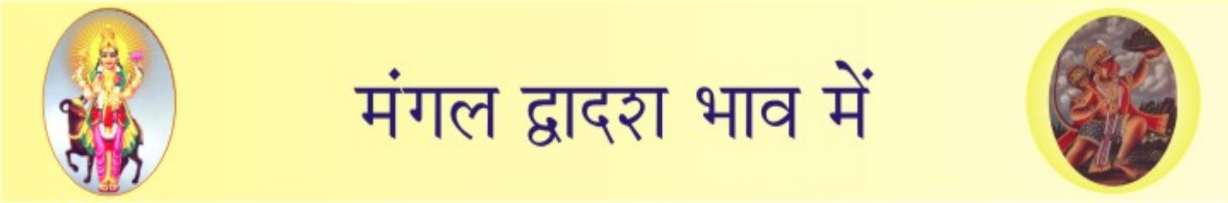

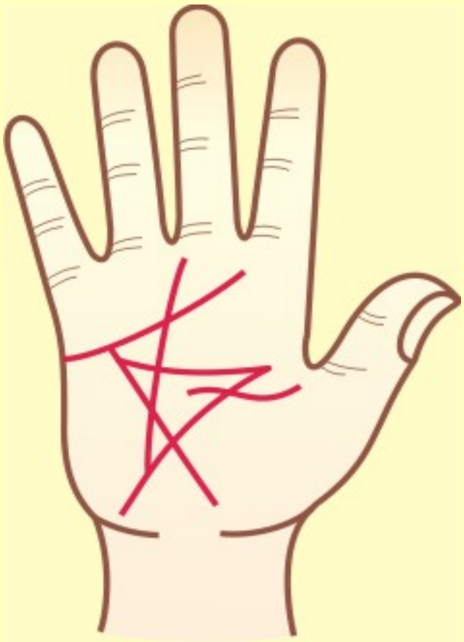

आपकी कुण्डली में मंगल बारहवें भाव में स्थित है। आपको मंगल के शुभ परिणाम प्राप्त होंगे।आपकी आवाज जोरदार होगी। आपको धन और सम्पत्ति मिलेगी। आपको 24 साल की आयु में पुत्र की प्राप्ति होगी। आपके पुत्र के जन्म के बाद आपका भाग्य चमकेगा। आपके शत्रुआपसे डरेंगे। आप कोधी स्वभाव के होंगे। आपको स्वतंत्रता प्रिय होगी और आप जो

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

करना चाहेंगे, वह करेंगे। आप मुश्किलों पर विजय प्राप्त करेंगे। आपकी रोगों से रक्षा होगी। आपका जन्म बहुत धनी परिवार में हुआ होगा या आपके जन्म के बाद आपका परिवार धनी होगया होगा। आपको अपने ससुराल से आर्थिक लाभ प्राप्त होगा। आप गुरू और ब्राह्मण कीसेवा करेंगे। आप परोपकारी होंगे और गरीबों तथा बुजुर्गों की सहायता करेंगे। आपको धन का सुख प्राप्त होगा। आपका वैवाहिक जीवन खुशहाल होगा।

यदि आप अपने पास हथियार रखेंगे, नमक या नमकीन चीजे सुबह उठते ही खायेंगे, अपने परिवार के लोगों को परेशान करेंगे, किसी का अहसान नहीं मानेंगे तो आपका मंगल कमजोर हो सकता है। यदि आपका मंगल किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आप नीच प्रकृति के हो सकते हैं। आपके बारे में अफवाह फैल सकती है। अपने जीवनसाथी के साथ आपके संबंध मधुर नहीं हो सकते हैं या आपको उनका सुख कम मिल सकता है। बुरी संगति के कारण आपको परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आप अपनी मूर्खता के कारण अपना व्यवसाय बर्बाद कर सकते हैं। आपको नेत्र रोग हो सकता है। आप विकलांग हो सकते हैं या आपकी बॉह में चोट लग सकती है। आपको रक्त विकार हो सकता है। आपको चोरी और चोट से सावधान रहना चाहिये। यदि आपके बड़े भाई जीवित हैं तो वह 28 साल तक सबकुछ खो सकते हैं। वह आत्महत्या करने के बारे में भी सोच सकते हैं।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1– अपने घर पर जंग लगा हथियार न रखें।
2– किसी का विश्वास न करें।

उपाय :

1– मीठी रोटी या हलवा खायें।
2– सुबह उठकर शहद का सेवन करें।

बुध द्वादश भाव में

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

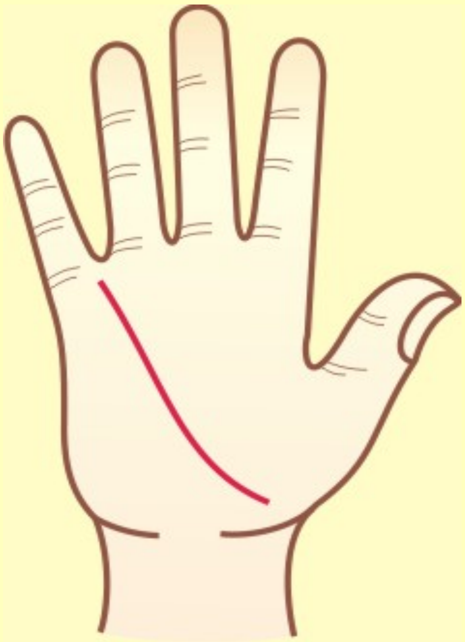

आपकी कुण्डली में बुध बारहवें भाव में स्थित है। आपकी स्थिति में सुधार होगा। आपको धन और सम्पत्ति प्राप्त होगी, लेकिन आपके खर्चे अचानक बढ़ सकते हैं। आप बुद्धिमानी के साथ काम करेंगे। आपकी बहन और पुत्री अपने जीवनसाथी के साथ सुखपूर्वक जीवन व्यतीत करेंगी।आपको ज्योतिष या गूढ़ विषयों में रूचि होगी।

यदि आप झूठा वादा करेंगे, नशीलें पदार्थों का सेवन करेंगे, अपने साथ हुयी धोखाधड़ी के बारेमें हर समय बात करेंगे तो आपका बुध कमजोर हो सकता है। यदि आपका बुध किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपकी मानसिक स्थिति अच्छी नहीं हो सकती है। आपके सिर में दर्द हो सकता है। आपको अच्छी तरह से नींद नहीं आ सकती है। आपकी बहन और पुत्री अपने–अपने घर पर दुःखी रह सकती हैं। आपको सट्टे, लॉटरी या दलाली के काम में हानि हो सकती है। आप धनी होंगे, लेकिन आप खुश नहीं रह सकते हैं। आपके पिता की आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। कभी–कभी आपको जानकारी के अभाव या शक के कारण हानि हो सकती है। आपके भाई को जीवन में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप 25 साल की आयु में विवाह करते हैं तो यह आपके पिता के लिये अच्छा नहीं हो सकता है। आपकी पत्नी के भाग्य में कमी हो सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1– अपना वादा पूरा करें।
2– क्रोध न करें।

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

उपाय :

1– अपने बांयें हाथ में जोड़रहित स्टील की अंगूठी पहनें।
2– मिट्‌टी का खाली बर्तन ढ़क्कन सहित पानी में प्रवाहित करें।

आपकी कुण्डली में बृहस्पति नौवें भाव में स्थित है। आप भाग्यशाली और धनी होंगे। 36 सालकी आयु में आपका भाग्य चमकेगा और आप धन प्राप्त करेंगे। आपको जीवन में धन का अभाव कभी नहीं होगा। आप वचन के पक्के होंगे और अपने सिद्धान्तों से कभी भी समझौता नहीं करेंगे। सोने, चांदी, रत्नों से संबंधित कोई भी व्यवसाय आपके लिये लाभकारी होगा। आपके परिवार का मान बना रहेगा। आप तीर्थस्थानों की यात्रा करना पसन्द करेंगे। आप सद्‌गुणी और ज्ञानी व्यक्ति होंगे। आपको ज्योतिष और चिकित्सा विज्ञान का ज्ञान होगा। आपअपने पूर्वजों की मदद से प्रगति करेंगे। आपका परिवार धनी, सम्मानित और कुलीन होगा।आप परिश्रम के द्वारा धन कमायेंगे। आप एक राजा की तरह व्यवहार करेंगे। आपका स्वास्थ्य अच्छा होगा। आप 16वें, 19वें, 33वें, 49वें साल में बहुत धन कमायेंगे। आप अपने भाग्यके रचयिता स्वयं होंगे। आपको वैवाहिक जीवन के सुख प्राप्त होते रहेंगे। आपके परिवार को शुभ परिणाम प्राप्त होंगे।

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

यदि आप धर्म के मार्ग से भटकेंगे, अधार्मिक कार्य करेंगे, अपना वादा पूरा नहीं करेंगे तो आपका बृहस्पति कमजोर हो सकता है। यदि आपका बृहस्पति किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आप अपनी संतान के कारण दुःखी रह सकते हैं। आपको दिल का रोग हो सकताहै। आप आलसी हो सकते हैं और इस कारण से आप अपने काम पूरे कर पाने में असमर्थ हो सकते हैं। यदि आपका सोना चोरी हो जाता है या खो जाता है या आप बेच देते है तो आपको अशुभ परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। आपको जीवन में प्रतिकूल समय का सामना करना पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1– अपना वादा पूरा करें।
2– अपने सोने की रक्षा करें।

उपाय :

1– लगातार 9 माह तक हर महीने गंगा में स्नान करें।
2– धर्म का पालन करें।

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

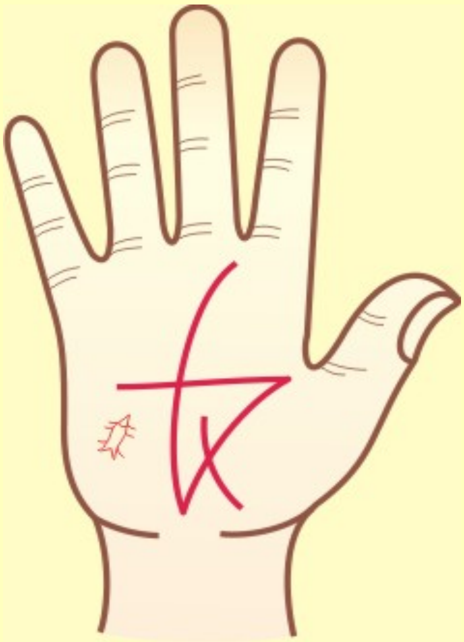

आपकी कुण्डली में शुक्र बारहवें भाव में स्थित है। आपको ज्योतिष और गूढ़ विषयों में रूचि हो सकती है। आप अपने परिवार का पालन पोषण करेंगे। आपको सरकार से उत्तम लाभ प्राप्त होगा। आप एक सुखी और खुशहाल जीवन व्यतीत करेंगे। जो काम आपकी पत्नी द्वारा पूरे होंगे, वे लाभप्रद होंगे। आपको अपने प्रयासों के निश्चित परिणाम प्राप्त होंगे। आपकी पत्नीबुरे समय में आपकी मदद करेंगी। वे आपकी प्रगति का मार्ग प्रशस्त करेंगी। यदि आप अपनी पत्नी का सम्मान करेंगे तो आपको उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे। विवाह के बाद आपको पर्याप्त धन मिलेगा। आपका वैवाहिक जीवन आनन्दपूर्ण और खुशियों से भरा होगा। आप परोपकारी होंगे और हमेशा दूसरों की मदद करने को उत्सुक रहेंगे। आपका प्रारम्भिक जीवन सुखों से भरा होगा। आपके दिमाग में कुछ संशय हो सकता है। आपको चित्रकारी या गायन पसन्द होगा। आप सद्मार्ग का अनुसरण करेंगे और आपको शुभ परिणाम प्राप्त होंगे। आपको खेती से लाभ प्राप्त होगा। आप निर्दयी हो सकते हैं, लेकिन आपका सम्मान कम नहीं होगा। आपके पास काफी सम्पत्ति होगी।

यदि अपनी पत्नी के साथ आपके मधुर संबंध नहीं हुये, उनके अस्वस्थ होने पर आपने उनकी देखभाल नहीं की, पराई औरतों के साथ आपके अनैतिक संबंध हुये तो आपका शुक्र कमजोर हो सकता है। यदि आपका शुक्र किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपका भाग्य आपका साथ नहीं देगा। आपकी पत्नी बीमार रह सकती हैं। आप अपनी वृद्धावस्था के दौरान अपने अतीत के बारे में बात करके अपना समय बर्बाद कर सकते हैं। आपके जीवन पर आपकी पुत्री का बुरा प्रभाव हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

परहेज :

1– अपनी पत्नी के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।
2– सद्मार्ग से न हटें।

उपाय :

1– गाय दान करें।
2– घी का दीपक जलायें।

शनि दशम भाव में

आपकी कुण्डली में शनि दसवें भाव में स्थित है। आप महत्वाकांक्षी होंगे। आपको सरकार से लाभ प्राप्त होगा। यदि आप दूसरों का आदर करेंगे तो आपको भी सम्मान मिलेगा। प्रत्येक 7 साल की अवधि के बाद आपका धन बढ़ेगा। आपकी आयु के प्रत्येक 3 साल आपके लिये लाभकरी होंगे। आप धार्मिक और सद्गुणी व्यक्ति होंगे, लेकिन अपनी वृद्धावस्था के दौरान आप निकम्मे हो सकते हैं। आपके ससुराल वालों का धन भी बढ़ेगा। आपको उत्तम वाहन का सुख प्राप्त होगा। यदि आप अपना व्यवसाय एक स्थान पर करते हैं तो आपको लाभ प्राप्त

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

होगा। आप मेहनती होंगे और अपना भाग्य स्वयं लिखेंगे। आप 39 साल की आयु तक पिता का उत्तम सुख प्राप्त करेंगे। 3रा, 4था, 9वॉ, 21वॉ, 33वॉ, 40वॉ और 57वॉ साल आपके जीवन का बहुत लाभकरी होगा। आपका धन, प्रगति और सम्मान इन सालों में 10 गुना बढ़ेगा।

यदि आप 48 साल की आयु के पहले घर बनाते हैं, मांस–मदिरा का सेवन करेंगे, अपना चरित्रखराब करेंगे, यात्रा वाला व्यवसाय करेंगे तो आपका शनि कमजोर हो सकता है। यदि आपका शनि किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपके माता–पिता, जीवनसाथी और ससुराल वालों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आपको हानि हो सकती है या आपकी प्रगति रूक सकती है। आपका धन और सम्मान लुप्त हो सकता है। आपके जीवन का 27वॉ साल अशुभ हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1– मांस–मदिरा का सेवन न करें।
2– भाग–दौड़ के काम न करें।

उपाय :

1– अपने पास हथियार न रखें।
2– अपने मस्तक पर केसर का तिलक लगायें।

राहु एकादश भाव में

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

आपकी कुण्डली में राहु ग्यारहवें भाव में स्थित है। आपका बचपन खुशहाल होगा। आपको एकउच्च शैक्षणिक संस्थान में पढ़ने का अवसर प्राप्त होगा। आपको अपने पिता से सुख प्राप्त होगा। आप अपने जीवन में अपने माता–पिता की सहायता के बिना प्रगति करेंगे। आप मजबूतऔर न्यायप्रिय होंगे। आप अपनी आय के द्वारा अपना जीवन व्यतीत करेंगे। अपने माता–पिता के साथ आपके मधुर संबंध कटु हो सकते हैं। आप विदेश यात्रा से धन प्राप्त करेंगे। यदि आपने दूसरों पर विश्वास किया तो आपको धोखा मिल सकता है।

यदि आपने अपने पास पिस्तौल रखी, नीलम पहना, घर पर गैरजरूरत का बिजली का सामान या तार रखा, तिजोरी या दराज खाली रखी तो आपका राहु कमजोर हो सकता है। यदि आपका राहु किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपके पिता को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अपने पिता की मृत्यु के बाद आपको हानि हो सकती है। आप बुरे लोगोंकी संगति कर सकते हैं। आप गलत तरीकों से धन कमायेंगे। गुप्तांगों में रोग के कारण आपकी समस्यायें बढ़ सकती हैं। आपकी संतान कमजोर और अपाहिज हो सकती है। आपको युवावस्था में गरीबी का सामना करना पड़ सकता है। अपने दादा और पिता के साथ आपके संबंध मधुर नहीं हो सकते हैं। आपके जन्म के बाद आपके पिता की आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। आप अपने काम में निपुण होंगे और चालाक लोगों की संगति करेंगे। आप बेकार केझगड़ों में पड़ सकते हैं। आपको धन हानि हो सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

1– नीलम न पहनें।
2– घर पर पिस्तौल न रखें।
3– बिजली का सामान सही हालत में रखें।

उपाय :

1– अपना सिर ढक कर रखें।
2– पानी में 4 सूखे नारियल और 4 किलोग्राम सिक्कों से बना चौरस टुकड़ा प्रवाहित करें।
3– यदि आप सिगरेट पीते हैं तो चांदी का पाइप लगाकर पियें।

आपकी कुण्डली में केतु पॉचवें भाव में स्थित है। आपको अचानक धन प्राप्त हो सकता है। आपके पास अद्‌भुत अलौकिक शक्ति होगी। आप अपने गुरू के भक्त होंगे। 24 साल की आयुके बाद आपको उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे। आपको 34 साल के दौरान अपने पुत्र और उसके बाद पौत्र से सुख प्राप्त होगा। आपको 48वें साल की आयु तक अपनी माता का सुख प्राप्त होगा। अपने जीवनसाथी के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। आप जीवन में सद्‌मार्ग का अनुसरण करके खुश रहेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी होगी। आपके पुत्र के जन्म के बाद आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आपको अपनी इच्छा के अनुसार संतान प्राप्त होगी।

यदि आपने अपना चरित्र खराब किया, अपने या किसी और के पुत्र के लिये परेशानी पैदा की,कुत्ते को मारा तो आपका केतु कमजोर हो सकता है। यदि आपका केतु किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपको अपने पुत्र का बहुत सुख प्राप्त नहीं हो सकता है। आपका समय आपकी 45 साल की आयु तक उत्तम नहीं हो सकता है। आपकी संतान को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आपको दमा या श्वसन संबंधित कोई रोग हो सकता है। आपको बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। आप बुरे लोगों की संगति में पड़ सकते हैं। आपका पुत्र आपकी माता के लिये अशुभ हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1– बुरे लोगों का साथ न करें।
2– लोहे के सन्दूक में ताला न लगायें। उसे जब तब खोलते रहें।

उपाय :

1– दादा, पिता और गुरू की सेवा करें।
2– सूर्य को चीनी मिलाकर जल अर्पित करें।

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

लाल किताब से जीवन के विभिन्न पहलुओ से संबंधित कारण और उपाय

(सभी भविष्यफल लाल किताब कुण्डली पर आधारित हैं)

शिक्षा से संबंधित भविष्यवाणी और लाल किताब के उपाय -

यदि आप परीक्षा में लाल रंग का पेन जिसका कैप सुनहरा हो, जिसमें किसी भी रंग की स्याही भरी हो, उसका इस्तेमाल करेगें, तो परीक्षा में अवश्य उत्तीर्ण होगें।

जेहि पर कृपा करहि जनु जानी। कबि उर अजिर नचावहि बानी।
मोरि सुधारिहि सो सब भांती। जासु कृपा नहिं कृपा अघाती।

इस चौपाई का १०८ बार प्रतिदिन प्रातः काल जप करें।

ॐ माँनिसाद प्रतिष्ठां त्वमगमः शाश्वतोः समाः।
यत् क्रौञ्चमिथुना देकमवधीः काममोहितम् ।।

इस मंत्र का प्रतिदिन प्रातःकाल जागते ही बिना किसी से बोले तीन बार जप करने से उत्तम विद्या की प्राप्ति होती है।

जनक सुता जग जननी जानकी।
अतिसय प्रिय करूनानिधान की॥
ताके जुग पद कमल मनावउँ।
जासुकृपा निर्मल मति पावउँ।।

श्री जानकी अथवा श्री सीता राम जी के चित्रपट का पूजन करके इस मंत्र का १०८ बार प्रतिदिन जाप करने से उत्तम विद्या की प्राप्ति होती है।

बुद्धिहीन तनु जानि के, सुमिरौ पवन कुमार।
बल बुद्धि विद्यादेहु मोहिं हरहु कलेस विकार।।

श्री हनुमान जी की पूजा करके उपयुक्त दोहे का एक माला(१०८) बार प्रतिदिन जाप करें। इससे बुद्धि एवंस्मरण शक्ति में वृद्धि होगी।

गुरु ग्रह गये पढ़न रघुराई।
अल्प काल विद्या सब आई।।

इस चौपाई का प्रतिदिन एक माला(१०८) जाप करके विद्यालय जाने से निश्चय ही परीक्षा में सफलता प्राप्त

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

होगी।

लाल किताब के अनुसार, जो लड़के पढ़ने में कमजोर हैं उन्हे हरे रंग की तुरमली चांदी की अंगुठी या नेकलेस में पहनने से लाभ हो सकता है।

बृहस्पतिवार को पीले कपड़े में ७ हल्दी की गॉठें और बेसन की लड्डू बांधकर नदी में प्रवाहित करने से परीक्षा में अवश्य सफलता प्राप्त होगी।

शुक्ल पक्ष के सोमवार को ''ॐ नमः शिवाय'' का जाप करके लाल धागे में दो पांच मुखी रूद्राक्ष के बीच में एक छेद मुखी रूद्राक्ष को शिवलिंग से स्पर्श कराके धारण करें।

''ॐ गंग गणपते: नम्:'' नामक मंत्र को ग्यारह बार परीक्षा आरम्भ होने से पूर्व जाप करें, परिणाम आपके पक्ष में होगा।

परीक्षा देने जाते समय किसी धार्मिक स्थान में आधा लीटर दूध दान करना उयोगी साबित हो सकता है।

लाल किताब के अनुसार, यदि आपका संतान पढ़ने में कतरा रहा हो, या स्कूल न जाने के लिए बहाने बनाता हो, या हठ करता हो, तो तांबे का एक चौकोर टुकड़ा सफेद धागे में बांधकर उसके गले में पहनायें।

योगेश्वर ''श्री कृष्ण प्रसंग'' नामक मंत्र को पूष्य नक्षत्र या किसी शुभ दिन को लाल कलम से १७ बार सफेद पन्ने पर लिखकर परीक्षा के दौरान अपने जेब में रखें।

स्वास्थ्य से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण योग और उपाय -

आपकी कुण्डली में राहु ग्यारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको कान से कम सुनाई देगा।

आपकी कुण्डली में मंगल अपने शत्रु ग्रहों के साथ बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपकी पीठ पर फोड़ा हो सकता है।

आपकी कुण्डली में सूर्य और शुक्र या बुध और बृहस्पति अथवा राहु और बृहस्पति एक साथ स्थित हैं।लाल किताब के अनुसार, आपको खून की खराबी, दमा अथवा तपेदिक (टीबी.) की शिकायत हो सकती है। आपको राहु का उपाय करना चाहिए।

आपकी कुण्डली में शुक्र बारहवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपकी जीवनसाथी के

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

स्वास्थ्य पर इसका बुरा असर हो सकता है। उपाय के तौर पर आपको अपनी जीवनसाथी के वजन के बराबर जानवरों के लिए चारे का दान करना चाहिए। आपको निम्न उपाय करने से भी फायदा होगा- अपनी जीवनसाथी के हाथों गुड़ और जौ वीराने में दबवायें। आपकी जीवनसाथी को चाहिए कि पांच बजें संध्या को ४३ नीले फूल वीराने में दबायें।

आपकी कुण्डली में शुक्र और अशुभ मंगल एक साथ स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, यदि आपकी जीवनसाथी को कोई गंभीर बीमारी होती है, तो मंगल का उपाय करें।

आपकी कुण्डली में सूर्य, बुध और शुक्र एक साथ स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, आपके जुबान मेंतुतलापन आ सकता है। दवा के रूप में शराब का सेवन करें।

आपकी कुण्डली में सूर्य और बुध एक साथ बारहवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपकोमिर्गी, बेहोशी जैसे रोग होने की संभावना हो सकती है।

आपकी कुण्डली में बृहस्पति नवें भाव में बैठा हुआ है, और पहले भाव में कोई भी ग्रह नहीं है। लाल किताब के अनुसार, आपको दिल की बीमारी होने की ज़्यादा संभावना होगी।

आपकी कुण्डली में सूर्य और बुध एक साथ बारहवें भाव में स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, आपकोनाड़ीयों से संबंधित रोग अथवा बेहोशी की शिकायत हो सकती है।यदि आपके घर में कोई न कोई हमेशा रोग ग्रस्त रह रहा है, बिमारी जाने का नाम ही नहीं ले रहा है तो-आपके घर में जितनी रोटी बनती हैं, उसमें चार मीठी रोटी जोड़कर महीने में एक बार अमावस्या या सक्रांति के दिन काले कौए, काली गाय या कुत्ते को खिलाना चाहिए, अथवा महीने में एक बार अन्दर से खोखले कद्दू (कोंहड़ा) कोकिसी धार्मिक स्थल पर दान करना चाहिए, अथवा रात को रोगी के सिरहाने एक, दो या पांच रूपये का सिक्का रखकर प्रातः काल सफाई कर्मचारी को दान करें, अथवा यदि आप श्मसान से गुजर रहे हैं, तो एकेया दो रूपये के सिक्के वहां जरूर फेकें।

धन, व्यापार, रोजगार से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण योग और उपाय -

आपकी कुण्डली में सूर्य बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको राहु और शनिसे संबंधित कारोबार नही करना चाहिए। आपके लिए सौन्दर्य प्रसाधन से संबंधित कारोबार लाभदायक होगा।

आपकी कुण्डली में शनि दसवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको बृहस्पति से संबंधितवस्तुओं के कारोबार से लाभ होगा।

आपकी कुण्डली में सूर्य बारहवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको शनि से संबंधित

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

व्यापार जैसे- लोहा, कोयला और मशीनरी के कार्य करने से धन हानि हो सकती है।

आपकी कुण्डली में बुध बारहवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको लाटरी, सट्टा, लेखन कार्य, प्रिटिंग-प्रेस, वायुयान से संबंधित नौकरी नहीं करना चाहिए।

आपकी कुण्डली में सूर्य और राहु अथवा सूर्य, बुध या राहु छठे, आठवें या बारहवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको बड़ी कठिनाई से नौकरी प्राप्त होगी और आप किसी भी नौकरी से संतुष्ट नहीं होगें।

आपकी कुण्डली में शनि से अगले भाव में राहु स्थित है। और इन दोनों ग्रहों के बीच में कोई भी ग्रह नहीं है। लाल किताब के अनुसार, आप ४0 वर्ष की उम्र तक स्थाई रुप से कोई भी कार्य नहीं कर पायेगें, और धन कमाने में प्राय: असफल रहेगें।

आपकी कुण्डली में बुध, मंगल या शनि या राहु एक साथ स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, आपके व्यापार में घाटा एवं चोरी हो सकती है।

आपकी कुण्डली में सूर्य बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपके पास धन की कभी कमी नहीं होगी।

आपकी कुण्डली में बृहस्पति नवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपकी आर्थिक स्थिती उतार-चढ़ाव से भरपूर होगी।

आपकी कुण्डली में सूर्य बारहवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको आटा(गेंहू) पीसनेकी चक्की या फ्लोर मिल आदि के कार्यो से लाभ प्राप्त होगा।

आपकी कुण्डली में चंद्रमा छठे भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको यात्रा में काम आने वाली वस्तुओं के व्यापार, ट्रेवल ऐजेन्सी के कार्य से लाभ होगा।

आपकी कुण्डली में शनि दसवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, यदि आप शनि से संबंधित वस्तुओं(लोहा, कोयला आदि का कार्य करते हैं) तो लाभान्वित होगें।

आपकी कुण्डली में राहु ग्यारहवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, एल्युमीनीयम से बने हुए वस्तुओं का व्यापार करते हैं, तो आपके लिए लाभप्रद रहेगा।

लाल किताब से मकान से संबंधित योग सावधानिया एवं नियम -

आपकी कुण्डली में सूर्य बारहवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, यदि आपके घर में आंगन नहीं हैं, तो आपका संतान पक्ष कमजोर हो सकता

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

है।

यदि आपके मकान का मुख्य दरवाजा दक्षिण की तरफ है, और मकान से बाहर निकलते समय सीधे हाथ पर रसोई और सामने स्नानघर या पानी का स्थान हो तो आपको कोई-न-कोई कष्ट हो सकता है। धन हानि की भी संभावना है।

यदि आपके मकान पर किसी पेड़ की छाया पड़ रही हैं, तो यह मंगल के शुभ प्रभाव को नष्ट कर देता है।

यदि आपके मकान की दिवार के पास कटा और सुखा पीपल का पेड़ है, तो आपके परिवार और धन संम्पत्ति पर इसका बुरा असर पड़ेगा। मंगल का प्रभाव अशुभ हो जायेगा।

आपकी कुण्डली में शनि दसवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, यदि आप अपनी उम्र के ४८वें वर्ष से पहले मकान बनवाते या खरीदते हैं, तो मकान के मूल्य के बराबर धन हानि होगी, और आगे से धन बढ़ोत्तरी भी नहीं होगी।

यदि आपका मकान बंद गली के अन्तिम सिरे पर स्थित है, और उसमें हवा सीधे आती है, तो आपके संतान पर इसका बुरा प्रभाव हो सकता है। ऐसे मकान में कभी न रहें।

यदि आपके मकान पर किसी धार्मिक स्थल(मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा) आदि की छाया पड़ रही है, तो घर में बिमारीयां परेशान करती रहेगी।

रसोई घर में खाना बनाने का चुल्हा और बर्तन धोने का स्थान एक ही प्लेटफार्म पर नहीं होना चाहिए, अन्यथा घर में कलह होती रहेगी। उपाय के तौर पर इन दोनों स्थानों के मध्य में पंचमुखी हनुमान का चित्र लगायें।

घर के अन्दर यदि लोहे की चरपाई हो, तो पूर्व-दक्षिण दिशा में बिछायें।

घर के मालिक को दक्षिण-पश्चिम के कोने में सोना चाहिए।

यदि आपके मकान का मुख्य द्वार दक्षिण दिशा में है, तो वास्तु शास्त्र के हिसाब से स्त्रियों के लिए हानिकारक होगा। ऐसे मकान में केवल विधुर पुरूष ही सुख पूर्वक रह सकते हैं। यदि आप मुख्य द्वार परतांबे की कील गाड़े, तो स्थिति सुखद हो सकती है। चांदी की चौड़ी पत्ती दरवाजा के एक कोने से दूसरे कोने तक बिछा सकते हैं। घर पर मिट्टी का बंदर रखें, जिसका मुंह दक्षिण दिशा की ओर हो। बकरी का दान करें। दिन के दो बजे के बाद साबूत मूंग की दाल किसी धार्मिक स्थल पर दान करें।

यदि आपके मकान में कोई मिट्टी वाला स्थान नहीं है, तो यह परिवार के स्त्रियों के लिए हानिकारक हो सकता है, और धन सम्पत्ति पर भी बुरा असर हो सकता है। निम्न उपाय करने से स्थिति सुखद हो सकतीहैं। मिट्टी की बनी हुई औरत की मूर्ति घर में रखें। सफेद रूमाल में कपूर की टिकिया, देशी घी

और रूई बांधकर रखें। घर में छोटे-मोटे कार्य करने के लिए नौकरानी रखें।

यदि आपके मकान में धन रखने के लिए तिजोरी, आला या तहखाना बना हुआ है, तो उसे खाली बिल्कुल न रखें। बादाम अथवा छुआरे रख सकते हैं।

यदि आपके मकान में कोई अंधेरी कोठरी है, तो उसमें रोशनी के लिए रोशनदान न खोलें।

यदि आपको अपने घर की छत बदलनी है, तो पहले एक अस्थायी छत पुरानी छत के उपर बनायें।

लाल किताब के अनुसार, घर के मुख्य द्वार से बाहर निकलते समय सीधे हाथ की तरफ पानी का स्थान और उलटे हाथ की तरफ या पीठ की तरफ रसोई होना उत्तम होता है।

यदि आपके मकान पर पीपल इत्यादि की छाया पड़ रही है, तो यह आपके तरक्की के लिए नुकसानदायक हैं। आपको उस पीपल की जड़ में जल चढ़ाना चाहिए।

यदि आपके मकान के आस-पास कुआं है, तो उसमें भूलकर भी कुड़ा-करकट न डालें। प्रतिदिन उसमें दूध डालने से आपकी उन्नति होगी।

घर के अन्दर किकर का पेड़ न लगायें।

मकान या प्लाट का मुख्य द्वार उत्तर-पूर्व या पूर्व दिशा में होना चाहिए।

आपकी चन्द्र राशि- मेष, सिंह या धनु है। लाल किताब के अनुसार, मकान का मुख्य द्वार पूर्व दिशा में होना चाहिए।

लाल किताब के अनुसार, सफेद रंग या पेन्ट का प्रयोग मकान में सभी जगह किया जा सकता है। नीले रंगया पेन्ट का प्रयोग शयन कक्ष या कान्फ्रेंस हॉल में करें।

हरे या क्रीम रंग का प्रयोग अध्ययन कक्ष में करें।

गुलाबी या संतरे रंग का प्रयोग भोजनालय में करें। पुलिस या मिलीट्री के स्थान पर लाल रंग का प्रयोग करें।

यदि आपके मकान का मुख्य पूर्व दिशा की ओर है, तो उसमें सफेद रंग का प्रयोग करें।

यदि आपके मकान का मुख्य द्वार दक्षिण दिशा में है, तो उसमें लाल, गुलाबी या संतरे रंग का प्रयोग करें।

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

यदि आपके मकान का मुख्य द्वार उत्तर दिशा में है, तो उसमें हरे या पीले रंग का प्रयोग करें।

यदि आपके मकान का मुख्य द्वार पश्चिम दिशा में है, तो उसमें नीले या हल्के नीले रंग का प्रयोग करें।

यदि आपके मकान का मुख्य द्वार दक्षिण-पूर्व दिशा में है, तो मकान में हरे रंग का प्रयोग करें।

यदि आपके मकान का मुख्य द्वार दक्षिण-पश्चिम दिशा में है, तो मकान में हरे रंग का प्रयोग करें।

यदि आपके मकान के मुख्य द्वार उत्तर-पश्चिम दिशा में है, तो आपको अपने मकान में सफेद रंग का प्रयोग करना चाहिए।

आपको अपने मकान का मुख्य द्वार मकान के कम चौड़ाई वाले हिस्से में रखना चाहिए। यदि आपके मकान का मुख्य द्वार दो पलो का है, तो यह आपको अधिक लाभकारी होगा। यदि मुख्य द्वार अन्दर की तरफ खुलता है, तो यह अधिक लाभकारी होगा।

आपको अपने मकान के उत्तर और पूर्व दिशा में दक्षिण और पश्चिम दिशा से अधिक खुला स्थान रखना चाहिए।

आपको अपने मकान की दक्षिण और पश्चिम की दिवारें ज़्यादा मोटी और ज़्यादा ऊंची रखनी चाहिए।

मकान की छत की ढलान उत्तर, पूर्व या उत्तर-पूर्व में होनी चाहिए।

अपने घर के प्रत्येक कमरे का उत्तर-पूर्व वाला कोना खाली रखें।

मकान में बरामदा और खुली छत उत्तर और पूर्व में होनी चाहिए।

मकान में बालकनी उत्तर और पूर्व में होना चाहिए। बेसमेन्ट (तहखाना) उत्तर-पूर्वी भाग में होनी चाहिए।

यदि मकान में पत्थर की मूर्ती लगा रहे हैं, तो उसे दक्षिण-पश्चिम दिशा में लगायें।

मकान के दक्षिण-पश्चिम वाले हिस्से में सम संख्या में वृक्ष लगायें।

मकान में तुलसी जी का पौधा पूर्व उत्तर या उत्तर-पूर्व में लगायें।

मकान में खिड़कीयों की संख्या उत्तर और पूर्व दिशा में अधिक होनी चाहिए। दरवाजे और खिड़कियों

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

की संख्या सम होनी चाहिए, परन्तु संख्या का अन्त १0, २0 इत्यादि से नहीं होना चाहिए।

मकान में सीढ़ियां दक्षिण पश्चिम या ईशान कोण को छोड़कर कही भी बनाई जा सकती हैं। सीढ़ियों की संख्या विषम होनी चाहिए। सीढ़ियों का घुमाव दक्षिणावर्ती होना चाहिए।

यदि आप अपने मकान में पानी का हौज बनवा रहे हैं, तो उसे उत्तर-पूर्व में बनवायें, यह काफी लाभदायक होगा।

यदि आप छत पर पानी की टंकी रखवा रहे हैं, तो उसे उत्तर-पश्चिम दिशा में रखवायें। टंकी का रंग काला अथवा नीला हो तो बढ़िया रहेगा।

मकान में पूजा का स्थान ईशान, पूर्व या उत्तर दिशा में होना चाहिए। भगवान की मूर्ती का मुख उत्तर या पूर्व की ओर रखें। पूजा घर का आकार पिरामिड जैसा रखें। पूजा घर के फर्श का रंग सफेद या हल्का पीला होना चाहिए। पूजा घर के दिवारों का रंग क्रीम, सफेद या हल्का नीला रखें।

मकान में रसोई घर दक्षिण-पूर्व दिशा में होना चाहिए। खाना बनाते समय अपना मुख पूर्व की ओर रखें।रसोई घर की खिड़कियाँ पूर्व और दक्षिण दिशा में होनी चाहिए।

मकान में भोजनकक्ष पश्चिम दिशा में रखें। खाने की मेज आयताकार या वर्गाकार होनी चाहिए।

मकान में स्नानागार पूर्व, उत्तर या उत्तर-पश्चिम भाग में रखें।

मकान में शौचालय दक्षिण दिशा में होना चाहिए।

आपकी कुण्डली में शनि दसवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, यदि आप मकान बनवाते हैं, या खरीदते हैं, तो धन की हानि निश्चित होगी।

विवाह, स्त्री और गृहस्थ-सुख से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण योग और उपाय -

आपकी कुण्डली में चंद्रमा छठे भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, २४वें और २५वें वर्ष में विवाह न करें, अन्यथा आपकी माता और जीवनसाथी में हमेशा अनबन रहेगी।

आपकी कुण्डली में बुध बारहवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको २५वें वर्ष से पहलेविवाह नहीं करना चाहिए, अन्यथा आपके माता-पिता दु:खी रहेगें।

आपकी कुण्डली में सूर्य और शुक्र एक साथ स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको २२ से २५ वर्षके बीच में विवाह नहीं करना चाहिए, अन्यथा बुरे परिणाम हो सकते हैं।

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

आपकी कुण्डली में बुध नीचस्थ है। लाल किताब के अनुसार, आपको २७ वर्ष से पहले विवाह कर लेनाचाहिए, अन्यथा आपको कई मुसिबतों का सामना करना पड़ सकता है।

आपकी कुण्डली में सूर्य शुभ भावों में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपकी स्त्री सुन्दर, सुघड़ और शिक्षित होगी।

आपकी कुण्डली में सूर्य, शुक्र एवं बुध एक साथ स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, स्त्री के गर्भावस्थाके दौरान आपको उनके साथ मधुर व्यवहार करना चाहिए, उनसे लड़ाई-झगड़ा आपके लिए अहितकर होगा।

आपकी कुण्डली में राहु पहले, तीसरे, सातवें या ग्यारहवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपका अपनी जीवनसाथी के साथ मनमुटाव रहेगा। उपाय के तौर पर कन्या के पिता को चाहिए कि कन्यादान के समय अपनी पुत्री को चांदी की ईंट भेंट करें, और कन्या उसे अपने पास हमेशा रखें।

आपकी कुण्डली में शुक्र पर उसके शत्रु ग्रह की दृष्टि पड़ रही है। लाल किताब के अनुसार, आपकी उम्र लंबी होगी।

आपकी कुण्डली में शुक्र ३रे, ४थे, ५वें ६ठें, ९वें या बारहवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार,आपकी उम्र लंबी होगी।

आपकी कुण्डली में सूर्य और शुक्र एक साथ स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, यदि आप अन्य स्त्रीयोंसे संबंध बनायें तो आपको भारी नुकसान हो सकता है। (धन और स्वास्थ्य दोनों के लिए)

आपकी कुण्डली में सूर्य-शुक्र, बृहस्पति-शुक्र, मंगल-चंद्रमा या मंगल-शुक्र की युति दूसरे भाव में हैं। लाल किताब के अनुसार, किसी स्त्री के कारण आपका धन नष्ट हो सकता है।

आपकी कुण्डली में सूर्य और शुक्र या राहु और शुक्र एक साथ स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, सातसोमवार लगातार धुपदीप जलाकर वटवृक्ष की पूजा करें।

आपकी कुण्डली में शुक्र अपने शत्रु ग्रहों के साथ बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, शीघ्र विवाह हेतु ४३ दिन तक लगातार दही मिला आलू किसी काली गाय को खिलायें।

शीघ्र विवाह हेतु- मंगल-पार्वती स्त्रोत का पाठ प्रतिदिन करें।

शीघ्र विवाह हेतु-स्नान के पश्चात् कांसे की कटोरी में सरसों का तेल भरकर मुहुर्त देखकर छाया पात्र

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

निकालें।

शीघ्र विवाह हेतु-पीले वस्त्र में चने की दाल बांधकर बृहस्पतिवार के दिन किसी मन्दिर में दान करें।

यदि विवाह में अत्यधिक विलम्ब हो रहा है, तो वाल्मिकी रामायण के बाल-काण्ड के सर्ग ७३ का ४३ दिनतक लगातार पाठ करें।

शीघ्र विवाह हेतु दुर्गा सप्तसती के श्लोकों का पाठ ४३ दिन तक लगातार करें।

शीघ्र विवाह हेतु सात सोमवार शिवलिंग पर दूध चढ़ायें।

संतान से संबंधित भविष्यवाणी और लाल किताब के उपाय -

आपकी कुण्डली में सूर्य और शुक्र एक साथ स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, यदि आपको संतान प्राप्ति में विलम्ब हो रहा है, तो अपनी जीवनसाथी के बाजू में सोने का कड़ा पहनायें, अथवा बछड़े वाली गाय का दान करें।

आपकी कुण्डली में सूर्य बारहवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको बिना आंगन वाले मकान में नहीं रहना चाहिए, अन्यथा आपको संतान प्राप्ति में कठिनाई हो सकती है।

आपकी कुण्डली में सूर्य और शुक्र एक साथ स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, आपको संतान की प्राप्ति में बाधा आ सकती है। उपाय के तौर पर आपको अपनी स्त्री को बिना जोड़ की सोने की चूड़ी पहनाना चाहिए।

आपकी कुण्डली में बुध बारहवें भाव में, एवम् चन्द्रमा छठे भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको अपनी माता का सुख कम ही प्राप्त होगा।

आपकी कुण्डली मे शनि दसवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपके पिता की आयु लम्बीहोगी।

आपकी कुण्डली में चन्द्रमा पहले से छठे भाव के बीच स्थित है, एवम् बृहस्पति सातवें से बारहवें भाव के बीच स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको अपनी माता का पूर्ण सुख प्राप्त होगा, एवम् उनकी आयु लम्बी होगी। (यदि आप माता-पिता की प्रथम संतान हो तो)

आपके जन्म कुण्डली में चन्द्रमा छठे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको कन्या संतान ज़्यादा

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

होंगी।

आपकी कुण्डली में चन्द्रमा और शुक्र आमने-सामने स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, इस स्थिति में संतान की प्राप्ति में कठिनाई आ सकती है।

आपकी कुण्डली में मंगल और बुध एक साथ छठे, आठवें या बारहवें भाव में स्थित हैं। लाल किताब केअनुसार, आपकी स्त्री को गर्भावस्था के दौरान बहुत ही सावधान और सचेत रहने की आवश्यकता है, अन्यथा गर्भपात हो सकता है।

यदि आप बन्द गली के मकान में रहते है, तो आपको संतान संबंधी परेशानियों का सामना करना पर सकता है, और नर संतान की प्राप्ति में बिलम्ब हो सकता है। उपाय के तौर पर आपको बृहस्पतिवार से लगातार ४३ दिन तक प्रतिदिन केसर का तिलक लगाना चाहिए।

यदि आप संतान संबंधी समस्या से ग्रस्त हैं, तो आपको अपने घर में हरिवंश पुराण या महाभारत का पाठकरना चाहिए।

यदि आप कुत्ते के नर संतान को अपने घर में रखते हैं, तो आपको संतान अवश्य होगी ।

संतान की प्राप्ति के लिए गणेश जी की पूजा करना लाभदायक होता है।

यदि आपको संतान संबंधी कोई समस्या है, तो काले कुत्ते की सेवा करना या उसे अपने घर पर रख कर खाना खिलाना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

यदि स्त्री को संतान हो परन्तु जीवित न रहे, तो लाल किताब में ऐसी स्थिति से बचाव के लिए बहुत ही साधारण और सफल उपाय बताया गया है- स्त्री के गर्भवती होने पर उसके बाजु पर लाल धगा बांध दें, और संतान होने के पश्चात उस धागे को नवजात शिशु के बाजु पर बांध दें, और स्त्री को नया लाल धागा पुन: बांधे। स्त्री के बाजु पर १८ महीने तक बंधा रहना चाहिए।

लाल किताब के अनुसार, यदि किसी स्त्री को बार-बार गर्भपात होता हो, तो काला धागा उसकी कमर में बांधें और संतान के जन्म के बाद यह धागा संतान के बाजु पर बांधें।

लाल किताब के अनुसार, यदि किसी की संतान जीवित नहीं रहती है, तो संतान के जन्मदिन पर मिठाई की जगह नमकीन खाद्य पदार्थ वितरण करना चाहिए।

लाल किताब के अनुसार, प्रसव के समय स्त्री को शारिरिक कष्ट से बचाने और नवजात शिशु के स्वास्थ्यके लिए प्रसव पीड़ा के समय दो पीतल के बर्तन लेकर एक में मीठी वस्तु और दूसरे में दूध भर के स्त्री के हाथ से स्पर्श कराके रखना चाहिए, और शिशु के जन्म के बाद उसे किसी धार्मिक स्थान में दान करना

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

चाहिए।

लाल किताब के अनुसार, यदि किसी की नर संतान जीवित न रहता हो, तो उन्हे किसी धार्मिक स्थान में शिशु को जन्म देना चाहिए।

लाल किताब के अनुसार, यदि संतान को कष्ट हो, तो गाय, कौए अथवा कुत्तों को अपने भोजन का एक हिस्सा दें।

लाल किताब के अनुसार, यदि आपके घर में छत को ढ़क कर मकान बनाया गया हो, तो संतान होने की संभावना क्षीण होगी।

लाल किताब के अनुसार, यदि आपके घर में कुंए को ढक कर मकान बनाया गया हो, तो संतान होने की संभावना क्षीण होगी।

जन्म कुण्डली में यात्रा से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण योग और उपाय -

लाल किताब से जितने भी योग हम इस साफ्टवेयर में प्रयोग कर रहे हैं, उनमें से कोइ भी इस कुण्डली मेंलागु नहीं हुआ है। जिसकी वज़ह से यह साफ्टवेयर कोई भी निर्णय नहीं कर पाया है।

लाल किताब से एक साथ बैठे ग्रहों का फल

(सभी भविष्यफल लाल किताब कुण्डली पर आधारित हैं)

आपकी कुण्डली में, सूर्य और मंगल बारहवें भाव में एक साथ स्थित हैं। ये दोनों अग्नि ग्रह हैं। लाल किताब के अनुसार, ये दोनों आत्म-शुद्धिकरण कर प्रगति के पथ पर अग्रसर करने वाले ग्रह हैं। ये दोनों उत्तम फल प्रदान करते हैं। जन्मकुण्डली में सूर्य और मंगल की एक ही भाव में स्थिति चन्द्रमा के शुभ परिणामों को अप्रभावी बना देती है।

आपकी कुण्डली में सूर्य और बुध एक साथ बारहवें भाव में स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, यह युति बृहस्पति के परिणाम प्रदान करती है। इन परिणामों का लाभ आपको अपनी आयु के ३६वें वर्ष तक प्राप्त होगा। बुध की अपेक्षा सूर्य आपको अधिक परिणाम प्रदान करेगा, जो प्राय: अशुभ नहीं होंगे। इस युति में बुध कमजोर रहता है। बुध से जुड़ी हुई चीजें सूर्य की सहायता करती हैं। अगर आप स्वयं पर यकीन रख कर आत्म-विश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे, तो आपको सफलता और लाभ प्राप्त होंगे। युवावस्था में आपका भाग्योदय होगा। यदि आपके पिता के घर पर सुशील, उदार, सदाचारी और धार्मिक लोग निवास करते हैं, तो आपके भाग्य में और अधिक वृद्धि होगी। आप बिना किसी सहारे के आगे बढ़ेंगे। आपकी जीवनसाथी दृढ़ मनोशक्तिवाली होंगी। उनके चेहरे पर कोई निशान हो सकता है। इस युति में दोनों ग्रहों के पृथक-पृथक परिणाम होते हैं। बुध सूर्य पर अशुभ प्रभाव नहीं डालता है। सरकारीनौकरी में या शरीर पर पड़ने वाले अशुभ परिणामों से बचने के लिये आपको शरीर पर सोना और गले में ताँबें का सिक्का धारण करना चाहिये। परिवार के संदर्भ में बुध से संबंधित सभी प्रकार की वस्तुओं, संबंधियों और व्यापार के बेकार के खर्च का बोझ आप पर पड़ सकता है। आपका स्वास्थ्य उत्तम नहीं हो सकता है। आपको नसों से संबंधित कोई रोग हो सकता है। इस युति में बुध छठे भाव में स्थित ग्रहों को कमजोर कर देता है।

आपकी कुण्डली में सूर्य और शुक्र एक साथ बारहवें भाव में स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, यह युति उस पुष्प के समान है, जिसे फल प्राप्त होने के बारे में निश्चित तौर पर कुछ भी नहीं कहा जा सकता है। सूर्य और शुक्र के एक साथ होने की दशा में इन दोनों में से केवल एक ही ग्रह के परिणाम प्राप्त होते हैं। आपके लिये २२ से २५ वर्ष की आयु में विवाह न करना श्रेष्ठ होगा। आपके जीवनसाथी की ज़बान पर मानो सरस्वती का निवास होगा, जिससे उसका हर कथन अक्षरश: सत्य हो सकता है। सूर्य और शुक्र की युति संतान प्राप्ति में आने वाली हर बाधा को दूर करेगी, लेकिन पिता की आयु के बारे मेंसंशय हो सकता है।

आपकी कुण्डली में मंगल और बुध एक साथ बारहवें भाव में स्थित हैं। आप नेत्र रोग से ग्रसित हो सकते हैं। आपके जीवन में शनि और बृहस्पति का प्रभाव मंदा हो सकता है। आपको धन-सम्पत्ति की हानि हो सकती है। यदि यह युति शुभ है तो आपको बृहस्पति-चंद्रमा के शुभ परिणाम प्राप्त होंगे। मंगलके अशुभ होने पर आपको आग से भय हो सकता है। आपकी प्रतिष्ठा धूमिल हो सकती है। आपकोपितृ सुख नहीं मिल सकता है। उपाय - बुध के अशुभ प्रभाव को दूर करने के लिये आप प्रात: थोड़े से गंगाजल का सेवन करें। नित्य प्रात: आप पहले पानी से दांत साफ करें। कांच की बरनी में

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

शक्कर भरकर उसे किसी सुनसान जगह में गड्ढा खोदकर उसमें दबा दें। उसके आस पास पलाश के पत्ते भी गड्ढ़े में रख दें। सोने की अंगूठी धारण करें।

आपकी कुण्डली में मंगल और शुक्र एक साथ बारहवें भाव में स्थित हैं। इस युति के कारण आपको धनऔर जीवनसाथी दोनों का सुख मिलेगा। आपको अपनी और अपने जीवनसाथी की संयुक्तआयु तक आर्थिक और पारिवारिक सुख प्राप्त होंगे। यह युति चन्द्रमा के समान फल प्रदान करती है। बुध के अशुभ परिणाम आपको प्राप्त नहीं होंगे। यदि आपको अशुभ फल प्राप्त हो, तो उन्हें दूर करने के लिये आपको मंगल के उपाय करने चाहिये।

आपकी कुण्डली में बुध और शुक्र एक साथ बारहवें भाव में स्थित हैं। आप समृद्धशाली होंगे। यदि इसयुति पर अन्य ग्रहों की दृष्टि नहीं पड़ रही है तो आपको शुक्र का शुभ फल मिलेगा। इन दोनों ग्रहों की अवधि समान होती है और ये दोनों शक्तिशाली ग्रह हैं। ये दोनों ४४ वर्ष की आयु तक साथ रहते हैं। आप धनी होंगे, लेकिन आपकी सरकारी नौकरी में स्थिरता का अभाव हो सकता है। आप अर्ध सरकारी नौकरी कर सकते हैं। आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। इस भाव में यह युति उत्तम फल देने वाली होगी। यदि यह युति अशुभ है तो आपको बर्बादी की तरफ ले जा सकती है। आपका वैवाहिक जीवन सुखमय और शांत नहीं हो सकता है। आपका स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

आपकी जन्मकुण्डली में सूर्य, बुध और मंगल की त्रिग्रही युति किसी भी भाव में है, आप भलाई करें याबुराई आपकी शक्तिआपका साथ देगी।

आपकी जन्मकुण्डली में शुक्र, मंगल और बुध की त्रिग्रही युति किसी भी भाव में है, आपको विवाह, संतान और आयु के संबंध में अशुभ परिणाम प्राप्त होंगे।

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

लाल किताब से गोचर शनि (शनि साढ़ेसाती) का फल और उपाय

द्वादशे जन्मगे राशौ द्वितीये च शनैश्चर।

सार्धानि सप्त वर्षाणि तथा दुखैर्युतो भवेत।।

(गोचर में जब शनि ग्रह, जन्म चन्द्र से बारहवें, पहले और दूसरे भाव में भ्रमण करता है, उस समय (लगभग साढ़े सात वर्ष तक) को शनि साढ़ेसाती के नाम से जाना जाता है।)

(आमतौर पर यह माना जाता है कि शनि की साढ़ेसाती के दौरान जातक मानसिक कष्ट, शारीरिक कष्ट एवं आर्थिक संकट से गुजरता है। साढ़ेसाती से लोग चिंतित हो जाते है एवं उनके मन में एक अनजाना सा डर बना रहता है। जातक में असंतोष, निराशा, आलस्य, तनाव, रोगों से हानि, चोरी या आगजनी से हानि, घर में विवाद या किसी पारिवारिक सदस्य की मृत्यु आदि जैसे फल प्राप्त होने का डर बना रहता है। लेकिन हकीकत में साढ़ेसाती के किसी चरण का पूरा समय - साढ़े-सात साल - ऐसा नहीं होता है। काफी शुभ फल जैसे विवाह, संतानोत्पत्ति, नौकरी या व्यवसाय में उन्नति, विदेश यात्रा, भूमि, भवन या वाहन का क्रय, कर्ज से मुक्ति, ऊँचे तबके के लोगों से संपर्क और उनसे लाभ, धार्मिक स्थलों की यात्रा या धार्मिक कार्यों का आयोजन, संतानों से सुख एवं खुशी की प्राप्ति आदि भी प्राप्त होते हैं।)

शनि साढ़ेसाती के पहले चक्र का विवरण

प्रथम ढ़ैया (जन्म चन्द्र से बारहवें) का फल

गोचर राशि -मीन

Start -02:06:1995

End -10:08:1995

Duration -0 y.2 m.8 d.

शनि के वक्री होने के कारण आगे दिए हुए समय में भी शनि साढ़ेसाती का प्रभाव रहेगा।

Start -16:02:1996

End -17:04:1998

Duration -2 y.1 m.29 d.

आपको पहले ढैय्या के दौरान आर्थिक हानि हो सकती है। बने-बनाये कार्यों में बेकार की बाधायें आ सकती हैं। यदि आप खुद का कोई व्यापार करते हैं तो परिवार के लोगों के साथ झगड़े के कारण व्यापार में हानि हो सकती है। आपकी सुख-शांति में काफी कमी हो सकती है।

उपाय -

१. आपको मांस-मदिरा का सेवन नहीं करना चाहिए।
२. अपने मकान का दरवाजा दक्षिण की तरफ न रखें।
३. अपने मकान के अंतिम कमरे में १२ बादाम काले कपड़े में बांधकर लोहे के बर्त्तन में दक्षिण-पूर्व कोनेमें रखें।

द्वितिय ढ़ैया (जन्म चन्द्र से पहले) का फल

गोचर राशि -मेष

Start -17:04:1998

End -07:06:2000

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

Duration -2 y.1 m.21 d.

आपको दूसरे ढैय्या के दौरान नौकरी के क्षेत्र में परेशानी हो सकती है। आपका तबादला भी हो सकता है।अपने जीवनसाथी के साथ मतभेद हो सकता है। यदि आप खुद का कोई व्यवसाय करते हैं तो उसमें हानि हो सकती है, जिससे आपको किसी वित्तीय संस्था से कर्ज भी लेना पड़ सकता है। आप पर कोई सरकारी दण्ड भी लग सकता है। आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं हो सकता है। आपकी शिक्षा में रूकावट आ सकती है।

उपाय -

१. बन्दरों को गुड़ खिलायें।
२. ६0 ग्राम काला सुरमा शनिवार को जंगल में दबायें।
३. वट वृक्ष की जड़ में मीठा दूध डालकर उसकी गीली मिट्टी का ४३ दिन लगातार अपनी नाभि के चारोओर तिलक लगायें।

तृतिय ढ़ैया (जन्म चन्द्र से दूसरे) का फल

गोचर राशि -वृष

Start -07:06:2000

End -23:07:2002

Duration -2 y.1 m.15 d.

शनि के वक्री होने के कारण आगे दिए हुए समय में भी शनि साढ़ेसाती का प्रभाव रहेगा।

Start -08:01:2003

End -07:04:2003

Duration -0 y.2 m.28 d.

आपको तीसरे ढैय्या के दौरान अपने संचित धन में कमी आ सकती है। जायदाद के लिए परिवार में झगड़ा हो सकता है। कोई भी वाहन चलाते समय सावधान रहें, किसी प्रकार की चोट की संभावना है। किसी भी कारण से अपनी माता से आपका वियोग हो सकता है।

उपाय -

१. काले घोड़े की नाल की अंगूठी पहनें।
२. शनिवार को नंगे पैर हनुमान मंदिर जाकर हनुमान चालीसा का पाठ करें।
३. सॉप को दूध पिलायें या नारियल का तेल शनिवार को मंदिर में रखें।

कंटक शनि (जन्म चन्द्र से चौथे) का फल

गोचर राशि -कर्क

Start -06:09:2004

End -13:01:2005

Duration -0 y.4 m.7 d.

शनि के वक्री होने के कारण आगे दिए हुए समय में भी शनि साढ़ेसाती का प्रभाव रहेगा।

Start -26:05:2005

End -01:11:2006

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

Duration -1 y.5 m.7 d.

यदि कंटक शनि के दौरान आपको किसी प्रकार की कोई परेशानी या हानि होती है, तो नीचे लिखे उपाय करना लाभदायक होगा।

उपाय –

१. महामृत्युंजय मंत्र का जप करें।
२. साँप को दूध पिलायें।
३. मंगलवार एवं शनिवार को हनुमान जी को सिंदूर अर्पित करें।
४. चावल पीसकर उसकी गोली बनाकर काली मछलियों को डालें।

अष्टम शनि (जन्म चन्द्र से आठवें) का फल

गोचर राशि –वृश्चिक

Start -02:11:2014

End -26:01:2017

Duration -2 y.2 m.24 d.

शनि के वक्री होने के कारण आगे दिए हुए समय में भी शनि साढ़ेसाती का प्रभाव रहेगा।

Start -21:06:2017

End -26:10:2017

Duration -0 y.4 m.5 d.

यदि अष्टम शनि के दौरान आपको किसी प्रकार की कोई परेशानी या हानि होती है, तो नीचे लिखे उपाय करना लाभदायक होगा।

उपाय –

१. मांस-मदिरा का सेवन न करें।
२. शनिवार को हनुमान चालीसा का पाठ करें।
३. लोहे का सामान, चिमटा एवं अंगीठी दान करें।
४. मंदिर में नारियल एवं बादाम रखें।

शनि साढ़ेसाती के दूसरे चक्र का विवरण

प्रथम ढ़ैया (जन्म चन्द्र से बारहवें) का फल

गोचर राशि –मीन

Start -29:03:2025

End -03:06:2027

Duration -2 y.2 m.5 d.

शनि के वक्री होने के कारण आगे दिए हुए समय में भी शनि साढ़ेसाती का प्रभाव रहेगा।

Start -20:10:2027

End -23:02:2028

Duration -0 y.4 m.4 d.

आपको पहले ढैय्या के दौरान आर्थिक हानि हो सकती है। बने-बनाये कार्यों में बेकार की बाधायें आ

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

सकती हैं। यदि आप खुद का कोई व्यापार करते हैं तो परिवार के लोगों के साथ झगड़े के कारण व्यापार में हानि हो सकती है। आपकी सुख-शांति में काफी कमी हो सकती है।

उपाय -

१. आपको मांस-मदिरा का सेवन नहीं करना चाहिए।
२. अपने मकान का दरवाजा दक्षिण की तरफ न रखें।
३. अपने मकान के अंतिम कमरे में १२ बादाम काले कपड़े में बांधकर लोहे के बर्त्तन में दक्षिण-पूर्व कोनेमें रखें।

द्वितिय ढ़ैया (जन्म चन्द्र से पहले) का फल

गोचर राशि -मेष

Start -03:06:2027

End -20:10:2027

Duration -0 y.4 m.17 d.

शनि के वक्री होने के कारण आगे दिए हुए समय में भी शनि साढ़ेसाती का प्रभाव रहेगा।

Start -23:02:2028

End -08:08:2029

Duration -1 y.5 m.14 d.

आपको दूसरे ढैय्या के दौरान नौकरी के क्षेत्र में परेशानी हो सकती है। आपका तबादला भी हो सकता है।अपने जीवनसाथी के साथ मतभेद हो सकता है। यदि आप खुद का कोई व्यवसाय करते हैं तो उसमें हानि हो सकती है, जिससे आपको किसी वित्तीय संस्था से कर्ज भी लेना पड़ सकता है। आप पर कोई सरकारी दण्ड भी लग सकता है। आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं हो सकता है। आपकी शिक्षा में रूकावट आ सकती है।

उपाय -

१. बन्दरों को गुड़ खिलायें।
२. ६0 ग्राम काला सुरमा शनिवार को जंगल में दबायें।
३. वट वृक्ष की जड़ में मीठा दूध डालकर उसकी गीली मिट्टी का ४३ दिन लगातार अपनी नाभि के चारोओर तिलक लगायें।

तृतिय ढ़ैया (जन्म चन्द्र से दूसरे) का फल

गोचर राशि -वृष

Start -08:08:2029

End -05:10:2029

Duration -0 y.1 m.27 d.

शनि के वक्री होने के कारण आगे दिए हुए समय में भी शनि साढ़ेसाती का प्रभाव रहेगा।

Start -17:04:2030

End -31:05:2032

Duration -2 y.1 m.14 d.

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

आपको तीसरे ढैय्या के दौरान अपने संचित धन में कमी आ सकती है। जायदाद के लिए परिवार में झगड़ा हो सकता है। कोई भी वाहन चलाते समय सावधान रहें, किसी प्रकार की चोट की संभावना है। किसी भी कारण से अपनी माता से आपका वियोग हो सकता है।

उपाय -

१. काले घोड़े की नाल की अंगूठी पहनें।
२. शनिवार को नंगे पैर हनुमान मंदिर जाकर हनुमान चालीसा का पाठ करें।
३. सॉप को दूध पिलायें या नारियल का तेल शनिवार को मंदिर में रखें।

कंटक शनि (जन्म चन्द्र से चौथे) का फल

गोचर राशि -कर्क

Start -13:07:2034

End -27:08:2036

Duration -2 y.1 m.15 d.

यदि कंटक शनि के दौरान आपको किसी प्रकार की कोई परेशानी या हानि होती है, तो नीचे लिखे उपाय करना लाभदायक होगा।

उपाय -

१. महामृत्युंजय मंत्र का जप करें।
२. सॉप को दूध पिलायें।
३. मंगलवार एवं शनिवार को हनुमान जी को सिंदूर अर्पित करें।
४. चावल पीसकर उसकी गोली बनाकर काली मछलियों को डालें।

अष्टम शनि (जन्म चन्द्र से आठवें) का फल

गोचर राशि -वृश्चिक

Start -12:12:2043

End -23:06:2044

Duration -0 y.6 m.11 d.

शनि के वक्री होने के कारण आगे दिए हुए समय में भी शनि साढ़ेसाती का प्रभाव रहेगा।

Start -30:08:2044

End -08:12:2046

Duration -2 y.3 m.8 d.

यदि अष्टम शनि के दौरान आपको किसी प्रकार की कोई परेशानी या हानि होती है, तो नीचे लिखे उपाय करना लाभदायक होगा।

उपाय -

१. मांस-मदिरा का सेवन न करें।
२. शनिवार को हनुमान चालीसा का पाठ करें।
३. लोहे का सामान, चिमटा एवं अंगीठी दान करें।
४. मंदिर में नारियल एवं बादाम रखें।

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

शनि साढ़ेसाती के तीसरे चक्र का विवरण

प्रथम ढ़ैया (जन्म चन्द्र से बारहवें) का फल

गोचर राशि -मीन

Start -14:05:2054

End -02:09:2054

Duration -0 y.3 m.19 d.

शनि के वक्री होने के कारण आगे दिए हुए समय में भी शनि साढ़ेसाती का प्रभाव रहेगा।

Start -05:02:2055

End -07:04:2057

Duration -2 y.2 m.0 d.

आपको पहले ढैय्या के दौरान आर्थिक हानि हो सकती है। बने-बनाये कार्यों में बेकार की बाधायें आ सकती हैं। यदि आप खुद का कोई व्यापार करते हैं तो परिवार के लोगों के साथ झगड़े के कारण व्यापार में हानि हो सकती है। आपकी सुख-शांति में काफी कमी हो सकती है।

उपाय -

१. आपको मांस-मदिरा का सेवन नहीं करना चाहिए।
२. अपने मकान का दरवाजा दक्षिण की तरफ न रखें।
३. अपने मकान के अंतिम कमरे में १२ बादाम काले कपड़े में बांधकर लोहे के बर्तन में दक्षिण-पूर्व कोनेमें रखें।

द्वितिय ढ़ैया (जन्म चन्द्र से पहले) का फल

गोचर राशि -मेष

Start -07:04:2057

End -28:05:2059

Duration -2 y.1 m.20 d.

आपको दूसरे ढैय्या के दौरान नौकरी के क्षेत्र में परेशानी हो सकती है। आपका तबादला भी हो सकता है।अपने जीवनसाथी के साथ मतभेद हो सकता है। यदि आप खुद का कोई व्यवसाय करते हैं तो उसमें हानि हो सकती है, जिससे आपको किसी वित्तीय संस्था से कर्ज भी लेना पड़ सकता है। आप पर कोई सरकारी दण्ड भी लग सकता है। आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं हो सकता है। आपकी शिक्षा में रूकावट आ सकती है।

उपाय -

१. बन्दरों को गुड़ खिलायें।
२. ६0 ग्राम काला सुरमा शनिवार को जंगल में दबायें।
३. वट वृक्ष की जड़ में मीठा दूध डालकर उसकी गीली मिट्टी का ४३ दिन लगातार अपनी नाभि के चारोओर तिलक लगायें।

तृतिय ढ़ैया (जन्म चन्द्र से दूसरे) का फल

गोचर राशि -वृष

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

Start -28:05:2059

End -11:07:2061

Duration -2 y.1 m.13 d.

शनि के वक्री होने के कारण आगे दिए हुए समय में भी शनि साढ़ेसाती का प्रभाव रहेगा।

Start -13:02:2062

End -07:03:2062

Duration -0 y.0 m.22 d.

आपको तीसरे ढैय्या के दौरान अपने संचित धन में कमी आ सकती है। जायदाद के लिए परिवार में झगड़ा हो सकता है। कोई भी वाहन चलाते समय सावधान रहें, किसी प्रकार की चोट की संभावना है। किसी भी कारण से अपनी माता से आपका वियोग हो सकता है।

उपाय -

१. काले घोड़े की नाल की अंगूठी पहनें।
२. शनिवार को नंगे पैर हनुमान मंदिर जाकर हनुमान चालीसा का पाठ करें।
३. सॉप को दूध पिलायें या नारियल का तेल शनिवार को मंदिर में रखें।

कंटक शनि (जन्म चन्द्र से चौथे) का फल

गोचर राशि -कर्क

Start -24:08:2063

End -06:02:2064

Duration -0 y.5 m.14 d.

शनि के वक्री होने के कारण आगे दिए हुए समय में भी शनि साढ़ेसाती का प्रभाव रहेगा।

Start -09:05:2064

End -13:10:2065

Duration -1 y.5 m.4 d.

यदि कंटक शनि के दौरान आपको किसी प्रकार की कोई परेशानी या हानि होती है, तो नीचे लिखे उपाय करना लाभदायक होगा।

उपाय -

१. महामृत्युंजय मंत्र का जप करें।
२. सॉप को दूध पिलायें।
३. मंगलवार एवं शनिवार को हनुमान जी को सिंदूर अर्पित करें।
४. चावल पीसकर उसकी गोली बनाकर काली मछलियों को डालें।

अष्टम शनि (जन्म चन्द्र से आठवें) का फल

गोचर राशि -वृश्चिक

Start -05:02:2073

End -31:03:2073

Duration -0 y.1 m.23 d.

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

शनि के वक्री होने के कारण आगे दिए हुए समय में भी शनि साढ़ेसाती का प्रभाव रहेगा।

Start -23:10:2073

End -16:01:2076

Duration -2 y.2 m.24 d.

यदि अष्टम शनि के दौरान आपको किसी प्रकार की कोई परेशानी या हानि होती है, तो नीचे लिखे उपाय करना लाभदायक होगा।

उपाय -

१. मांस-मदिरा का सेवन न करें।
२. शनिवार को हनुमान चालीसा का पाठ करें।
३. लोहे का सामान, चिमटा एवं अंगीठी दान करें।
४. मंदिर में नारियल एवं बादाम रखें।

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

लाल किताब में विमशोत्तरी दशा से भविष्यफल और उपाय

शुक्र दशा (18:10:1978 से 13:10:1980)

वर्त्तमान में आप शुक्र की महादशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या जीवनसाथी, संतान, धन-संपत्ति, मित्र आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए।

उपाय–

१. चॉदी के चौरस टुकड़े पर शुक्र यंत्र बनाकर अपने पास रखें।
२. दुर्गा पाठ करें।
३. सफेद वस्तुओं का दान करें।

बुध अर्न्तदशा (18:10:1978 से 13:08:1979)

वर्त्तमान में आप शुक्र की महादशा में बुध की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आपकिसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या धन-संपत्ति, मान-सम्मान, संबंधी, व्यापार, जीवनसाथी आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. बकरी का दान करें।
२. रोज विष्णुसहस्त्रनाम का पाठ करें।
३. शालिग्राम की पूजा करें एवं तुलसी के तीन या छ: पत्ते खायें।

केतु अर्न्तदशा (13:08:1979 से 13:10:1980)

वर्त्तमान में आप शुक्र की महादशा में केतु की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आपकिसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या चोरी, स्थान परिवर्त्तन, जीवनसाथी,संतान, यात्रा, आमदनी, पिता आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. काले कुत्ते की सेवा करें।
२. मृत्युंजय जप करें।
३. दुर्गासप्तशती का पाठ करें।

सूर्य दशा (13:10:1980 से 13:10:1986)

वर्त्तमान में आप सूर्य की महादशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या भाई-बंधु, जीवनसाथी, पुत्र, पिता आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए।

उपाय–

१. सुबह में तांबे के बर्त्तन से सूर्य को अर्घ्य

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

दें।

२. अशुभ फल प्राप्ति के समय सोने का कमल दान करें।

३. सूर्य के बीज मंत्र का सात हजार जप करें।

सूर्य अर्न्तदशा (13:10:1980 से 31:01:1981)

वर्त्तमान में आप सूर्य की महादशा में सूर्य की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आपकिसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. महामृत्युंजय मंत्र का पाठ करें।

२. लगातार ४३ दिन जल में लाल फूल डालकर सूर्य को अर्घ्य दें।

३. सूर्य के बीज मंत्र का सात हजार जप करें।

चन्द्रमा अर्न्तदशा (31:01:1981 से 01:08:1981)

वर्त्तमान में आप सूर्य की महादशा में चंद्रमा की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या जीवनसाथी, धन-संपत्ति, कर्ज, शत्रु आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. चंद्रमा के बीज मंत्र का ग्यारह हजार जप करें।

२. सफेद गाय का दान करें।

३. दुर्गासप्तशती का पाठ करें या करायें।

मंगल अर्न्तदशा (01:08:1981 से 07:12:1981)

वर्त्तमान में आप सूर्य की महादशा में मंगल की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या धन-संपत्ति, जमीन-जायदाद आदिसे संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. २१ मंगलवार को व्रत रखें एवं मंगल के बीज मंत्र का दस हजार जप करें।

२. किसी ब्राह्मण को सफेद गाय या चॉंदी की गाय दान करें।

३. चामुण्डा देवी की पूजा करें।

राहु अर्न्तदशा (07:12:1981 से 31:10:1982)

वर्त्तमान में आप सूर्य की महादशा में राहु की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या मकान, नौकरी, आग आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. २१ दिनों में राहु के बीज मंत्र का अठारह हजार जप

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

करें।

२. दुर्गासप्तशती का पाठ करें।

३. सात काली गाय या भैंस का दान करें।

गुरू अर्न्तदशा (31:10:1982 से 19:08:1983)

वर्त्तमान में आप सूर्य की महादशा में बृहस्पति की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या जीवनसाथी, संतान, धन-संपत्ति आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी केलिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. भगवान विष्णु के १०८ नामों का जप करें।

२. कपिला गाय का दान करें।

३. चार या पॉच रत्ती का पुखराज धारण करें।

शनि अर्न्तदशा (19:08:1983 से 01:08:1984)

वर्त्तमान में आप सूर्य की महादशा में शनि की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आपकिसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या स्वास्थ्य, संबंधियों, धन-संपत्ति, प्रतिष्ठा आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों मेंकमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. शनि स्तोत्र का पाठ करें।

२. पंचधातु की अंगूठी तथा काली जुराब दान करें।

३. महामृत्युंजय मंत्र का जप एवं हवन करें।

बुध अर्न्तदशा (01:08:1984 से 07:06:1985)

वर्त्तमान में आप सूर्य की महादशा में बुध की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आपकिसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या नौकरी, धन-संपत्ति, जीवनसाथी, संतान आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. २१ दिनों में बुध के बीज मंत्र का नौ हजार जप करें।

२. विष्णुसहस्त्रनाम का पाठ करें।

३. अन्न एवं चॉदी की सूर्य प्रतिमा का दान करें।

केतु अर्न्तदशा (07:06:1985 से 13:10:1985)

वर्त्तमान में आप सूर्य की महादशा में केतु की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आपकिसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या दॉत, पिता, मित्र, परिवारजन आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

१. काले कुत्ते की सेवा करें।
२. गणपतिसहस्त्रनाम का पाठ करें।
३. दुर्गा सूक्त का पाठ करें।

शुक्र अर्न्तदशा (13:10:1985 से 13:10:1986)

वर्त्तमान में आप सूर्य की महादशा में शुक्र की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आपकिसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या जीवनसाथी, संतान, घर-परिवार आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी केलिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. शिवस्तोत्र का पाठ करें।
२. महामृत्युंजय मंत्र का जप एवं हवन करें।
३. सफेद गाय का दान करें।

चन्द्रमा दशा (13:10:1986 से 13:10:1996)

वर्त्तमान में आप चंद्रमा की महादशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या धन-संपत्ति, रोग आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए।

उपाय–

१. चॉदी की अंगूठी में मोती धारण करें।
२. चॉदी का कमल दान करें।
३. महामृत्युंजय मंत्र का जप करें।

चन्द्रमा अर्न्तदशा (13:10:1986 से 13:08:1987)

वर्त्तमान में आप चंद्रमा की महादशा में चंद्रमा की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या नौकरी, धन-संपत्ति, माता, भाई-बंधु, जीवनसाथी आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. चंद्रमा के बीज मंत्र का पाठ करें।
२. सफेद गाय या चॉदी की गाय का दान करें।
३. महामृत्युंजय मंत्र का जप एवं हवन करें।

मंगल अर्न्तदशा (13:08:1987 से 14:03:1988)

वर्त्तमान में आप चंद्रमा की महादशा में मंगल की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या धन हानि, मकान, मुकदमा आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. मंगल के बीज मंत्र का दस हजार जप करें।
२. ब्रह्मचर्य बनकर हनुमान बाहुक का पाठ करें।
३. मूंगा धारण करें।

राहु अर्न्तदशा (14:03:1988 से 13:09:1989)

वर्त्तमान में आप चंद्रमा की महादशा में राहु की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या नौकरी, संतान, कर्ज, धन हानि आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी केलिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. मंगल का व्रत रखें एवं हनुमान जी के चरणों में सिंदूर अर्पित करें।
२. दुर्गासूक्त का पाठ करें।
३. चॉदी का हाथी दान करें।

गुरू अर्न्तदशा (13:09:1989 से 12:01:1991)

वर्त्तमान में आप चंद्रमा की महादशा में बृहस्पति की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या धन-संपत्ति, दुर्घटना आदि सेसंबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. नीलम या इसका उपरत्न धारण करें।
२. काली गाय या भैंस का दान करें।
३. शनि स्तोत्र का पाठ करें।

शनि अर्न्तदशा (12:01:1991 से 13:08:1992)

वर्त्तमान में आप चंद्रमा की महादशा में शनि की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या शत्रु, माता, संबंधी, भाई-बंधु, कर्ज आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. रोज शनि स्तोत्र का पाठ करें।
२. महामृत्युंजय मंत्र का जप एवं हवन करें।
३. सोने की गाय या भैंस का दान करें।

बुध अर्न्तदशा (13:08:1992 से 12:01:1994)

वर्त्तमान में आप चंद्रमा की महादशा में बुध की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या जीवनसाथी, संतान, व्यापार, प्रतिष्ठा, धन-संपत्ति आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

१. दुर्गा की पूजा करें एवं छोटी कन्याओं की सेवा करें।
२. विष्णुसहस्त्रनाम का पाठ करें।
३. बकरी का दान करें।

केतु अन्तर्दशा (12:01:1994 से 13:08:1994)

वर्त्तमान में आप चंद्रमा की महादशा में केतु की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या पिता, रोग, कार्य (नौकरी या व्यवसाय) आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलोंमें कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. केतु के बीज मंत्र का २१ दिनों में सत्तरह हजार जप करें।
२. सर्वसम्पत्प्रदायक मृत्युंजय मंत्र का पाठ करें।
३. गणपति के १०८ नामों का जप करें।

शुक्र अन्तर्दशा (13:08:1994 से 13:04:1996)

वर्त्तमान में आप चंद्रमा की महादशा में शुक्र की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या धन-संपत्ति, सरकारी कार्य, मित्र, परिवारजन आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलोंमें कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. शुक्रवार को एक गड्ढा खोदकर दो सौ ग्राम दही रखकर सफेद कपड़ा से ढक कर राख डालें।
२. दुर्गासूक्त का पाठ करें।
३. चॉदी की दुर्गा-मूर्त्ति दान करें।

सूर्य अन्तर्दशा (13:04:1996 से 13:10:1996)

वर्त्तमान में आप चंद्रमा की महादशा में सूर्य की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या धन-संपत्ति, पिता, जन्मस्थान, ऑख आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. जल में चीनी एवं लाल फूल डालकर सूर्य को अर्घ्य दें।
२. भगवान् शिव की पूजा करें।
३. आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें।

मंगल दशा (13:10:1996 से 13:10:2003)

वर्त्तमान में आप मंगल की महादशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या धन-संपत्ति, रक्त, परिवार, जीवनसाथी, संतान आदि सेसंबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए।

उपाय–

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

१. तांबे का कड़ा पहनें।
२. तांबे का कमल दान करें।
३. मंगलवार का व्रत करें।

मंगल अर्न्तदशा (13:10:1996 से 11:03:1997)

वर्त्तमान में आप मंगल की महादशा में मंगल की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या खून, वाहन, दुर्घटना, विषैले जीवआदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. ४३ दिनों में मंगल के बीज मंत्र का दस हजार जप करें।
२. शिव चालीसा का पाठ करें।
३. हनुमान चालीसा का पाठ करें।

राहु अर्न्तदशा (11:03:1997 से 30:03:1998)

वर्त्तमान में आप मंगल की महादशा में राहु की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या वाहन दुर्घटना, धन-संपत्ति, कचहरी आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. ११ ब्राह्मणों को मिठाई के साथ भोजन करायें एवं दक्षिणा दें।
२. चॉदी का नाग दान करें।
३. रसोई में बैठकर भोजन करें।

गुरू अर्न्तदशा (30:03:1998 से 05:03:1999)

वर्त्तमान में आप मंगल की महादशा में बृहस्पति की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदिआप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या मुकदमा, सरकारी कार्य, धन-संपत्ति, भाई आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभफलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. रोज बृहस्पति स्तोत्र का पाठ करें।
२. शिवसहस्त्रनाम का पाठ एवं हवन करें।
३. पका हुआ सीताफल - जो अंदर से खोखला हो - किसी मंदिर आदि में रखें।

शनि अर्न्तदशा (05:03:1999 से 13:04:2000)

वर्त्तमान में आप मंगल की महादशा में शनि की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या धन-संपत्ति, पारिवारिक कलह, नौकरी या व्यापार, संतान, व्यसन आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

१. काली गाय दान करें।

२. महामृत्युंजय मंत्र का जप करें।

३. बजरंगबाण सहित हनुमान चालीसा का पाठ करें।

बुध अर्न्तदशा (13:04:2000 से 11:04:2001)

वर्त्तमान में आप मंगल की महादशा में बुध की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या सम्मान, मुकदमा, वाहन दुर्घटना, आग, नौकरी, धन-संपत्ति आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. रोज शिवलिंग पर जल चढ़ायें।

२. चॉदी की घोड़ी दान करें।

३. विष्णुसहस्त्रनाम का पाठ करें।

केतु अर्न्तदशा (11:04:2001 से 07:09:2001)

वर्त्तमान में आप मंगल की महादशा में केतु की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या जीवनसाथी, संतान, खून, धन-संपत्ति, मान-सम्मान आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. केतु स्तोत्र का पाठ करें।

२. महामृत्युंजय मंत्र का जप एवं हवन करें।

शुक्र अर्न्तदशा (07:09:2001 से 07:11:2002)

वर्त्तमान में आप मंगल की महादशा में शुक्र की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या धन-संपत्ति, व्यसन, मान-सम्मान, दोषारोपन आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. सफेद गाय या चॉदी की गाय दान करें।

२. दुर्गासप्तशती का पाठ करें।

३. शुक्रवार को सफेद गायों को चारा डालें।

सूर्य अर्न्तदशा (07:11:2002 से 14:03:2003)

वर्त्तमान में आप मंगल की महादशा में सूर्य की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या नौकरी, व्यापार, धन-हानि, जीवनसाथी, संतान, विषैले जीव, ऑख आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. सूर्य के बीज मंत्र का सात हजार जप

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

करें।
२. आदित्यहृदयस्तोत्र का पाठ करें।
३. तांबे के सात चौरस टुकड़ों पर केसर का तिलक लगाकर गुलाबी रंग के कपड़े में बांध लें और सूर्योदय के बाद पूर्व की ओर मुँह करके जंगल में दबायें।

चन्द्रमा अन्तर्दशा (14:03:2003 से 13:10:2003)

वर्त्तमान में आप मंगल की महादशा में चंद्रमा की अंतर्दशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या नौकरी, व्यापार, धन-संपत्ति, जीवनसाथी, संतान, पालतू पशु आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. सफेद गाय का दान करें।
२. शंख या सीप में २१ चावल के दाने भरकर अमावस्या के दिन नदी में प्रवाहित करें।
३. दुर्गा एवं लक्ष्मी की पूजा करें।

राहु दशा (13:10:2003 से 13:10:2021)

वर्त्तमान में आप राहु की महादशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या धन-संपत्ति, लड़ाई-झगड़ा, विदेश निवास आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए।

उपाय–

१. सप्त धान्य (उड़द, मूंगी, गेहूँ, चना, जौं, चावल, कंगनी) का दान करें।
२. स्वर्ण पात्र या सोने का सांप दान करें।
३. राहु के बीज मंत्र का जप करें।

राहु अन्तर्दशा (13:10:2003 से 26:06:2006)

वर्त्तमान में आप राहु की महादशा में राहु की अंतर्दशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या नौकरी, व्यापार, धन-संपत्ति, मान-सम्मान, कर्ज, परिवारजन, जीवनसाथी आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभफलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. दो नारियल एवं सिक्के के दस टुकड़े नदी में प्रवाहित करें।
२. चाँदी का नाग-नागिन दान करें।
३. नृसिंह कवच का पाठ करें।

गुरू अन्तर्दशा (26:06:2006 से 19:11:2008)

वर्त्तमान में आप राहु की महादशा में बृहस्पति की अंतर्दशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या धन-संपत्ति, जीवनसाथी, संतान, हृदय, वाहन दुर्घटना आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. बृहस्पतिवार से शुरू कर लगातार ४३ दिनों तक अपनी नाभि के चारों ओर केसर का तिलक लगायें।
२. शिवसहस्त्रनाम स्तोत्र का पाठ करें।
३. जल से शिव का रूद्राभिषेक करें।

शनि अर्न्तदशा (19:11:2008 से 25:09:2011)

वर्त्तमान में आप राहु की महादशा में शनि की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आपकिसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या धन-संपत्ति, हृदय, गृहस्थ जीवन आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी केलिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. दुर्गासूक्त का पाठ करें।
२. काली गाय या भैंस का दान करें।
३. शनिस्तोत्र का पाठ करें।

बुध अर्न्तदशा (25:09:2011 से 14:04:2014)

वर्त्तमान में आप राहु की महादशा में बुध की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या व्यापार, जीवनसाथी, सांस आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. गोपालसहस्त्रनाम स्तोत्र का पाठ करें।
२. विष्णुसहस्त्रनाम स्तोत्र का पाठ करें।
३. लगातार ४३ दिन छोटी कन्याओं को मिठाई खिलायें।

केतु अर्न्तदशा (14:04:2014 से 02:05:2015)

वर्त्तमान में आप राहु की महादशा में केतु की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या जीवनसाथी, संतान, माता, पिता, परिवारजन आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलोंमें कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. सर्पाकार चॉदी की अंगूठी पहनें।
२. गणपतिसहस्त्रनाम स्तोत्र का पाठ करें।
३. गणेश चतुर्थी को गणेश जी की पूजा करें।

शुक्र अर्न्तदशा (02:05:2015 से 02:05:2018)

वर्त्तमान में आप राहु की महादशा में शुक्र की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आपकिसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या जीवनसाथी, पिता, नौकरी, मान-सम्मान आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

उपाय–

१. शुक्र के बीज मंत्र का २१ दिनों में सोलह हजार जप करें।
२. श्रीसूक्त का पाठ करें।
३. शुक्रवार को नीम के तने में चांदी के नौ वर्गाकार टुकड़े दबायें।

सूर्य अन्तर्दशा (02:05:2018 से 26:03:2019)

वर्त्तमान में आप राहु की महादशा में सूर्य की अंतर्दशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या आग, वाहन दुर्घटना, जमीन-जायदाद, धन-संपत्ति, व्यापार आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. ११ रविवार को गेहूँ, गुड़ एवं तांबे का टुकड़ा दान करें।
२. महामृत्युंजय मंत्र का जप करें।
३. दो नारियल एवं सौ ग्राम जौ ५ शनिवार को नदी में प्रवाहित करें।

चन्द्रमा अन्तर्दशा (26:03:2019 से 25:09:2020)

वर्त्तमान में आप राहु की महादशा में चंद्रमा की अंतर्दशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या परिवारजन, धन-संपत्ति, व्यापार यानौकरी आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. सोमवार को दूध में सफेद फूल डालकर शिवलिंग पर चढ़ायें।
२. चांदी की गाय का दान करें।
३. दुर्गासप्तशती का पाठ करें।

मंगल अन्तर्दशा (25:09:2020 से 13:10:2021)

वर्त्तमान में आप राहु की महादशा में मंगल की अंतर्दशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या परिवारजन, जीवनसाथी, संतान, नौकरी, व्यापार, दुर्घटना आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवंअशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. ऋणमोचनस्तोत्र का पाठ करें।
२. सुन्दरकांड का पाठ करें।
३. मंगलवार को तंदूर वाली आठ मीठी रोटी कुत्तों को डालें।

गुरू दशा (13:10:2021 से 13:10:2037)

वर्त्तमान में आप बृहस्पति की महादशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या भूमि, वाहन आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए।

उपाय–

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

१. बृहस्पति के बीज मंत्र का जप करें।
२. सोना या पुखराज का दान करें।
३. बृहस्पतिवार बृहस्पति के नक्षत्र में सोने की अंगूठी में पुखराज धारण करें।

गुरू अर्न्तदशा (13:10:2021 से 01:12:2023)

वर्त्तमान में आप बृहस्पति की महादशा में बृहस्पति की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या परिवारजन, जीवनसाथी, संतान, धन-संपत्ति आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. जल से शिव जी का रूद्राभिषेक करें।
२. शिवसहस्त्रनाम का पाठ करें।
३. पूर्णिमा का व्रत रखें एवं सत्यनारायण की कथा करें।

शनि अर्न्तदशा (01:12:2023 से 14:06:2026)

वर्त्तमान में आप बृहस्पति की महादशा में शनि की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या जीवनसाथी, व्यवसाय, भाई-बंधु, धन-संपत्ति आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलोंमें कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. सात शनिवार को सात सौ ग्राम काले चने की दाल काली भैंस को खिलायें।
२. विष्णुसहस्त्रनाम का पाठ करें।
३. काली गाय या भैंस का दान करें।

बुध अर्न्तदशा (14:06:2026 से 19:09:2028)

वर्त्तमान में आप बृहस्पति की महादशा में बुध की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या जीवनसाथी, धन-संपत्ति, साझेदार,व्यवसाय, ऑख आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवंअशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. नाक छेदन करायें।
२. विष्णुसहस्त्रनाम का पाठ करें।
३. काली बकरी का दान करें।

केतु अर्न्तदशा (19:09:2028 से 26:08:2029)

वर्त्तमान में आप बृहस्पति की महादशा में केतु की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या जीवनसाथी, धन-संपत्ति, पिता, परिवारजन आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलोंमें कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

१. रोज केतु के बारह नामों का जप करें।
२. महामृत्युंजय मंत्र का पाठ करें।
३. ११ बृहस्पतिवार को पीपल के पेड़ की प्रदक्षिणा करें।

शुक्र अन्तर्दशा (26:08:2029 से 25:04:2032)

वर्त्तमान में आप बृहस्पति की महादशा में शुक्र की अंतर्दशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या पैतृक संपत्ति, नौकरी, जीवनसाथी,भाई-बंधु, परिवारजन आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. शुक्र के बीज मंत्र का जप करें।
२. सफेद गाय या भैंस का दान करें।
३. दुर्गासूक्त का पाठ करें।

सूर्य अन्तर्दशा (25:04:2032 से 12:02:2033)

वर्त्तमान में आप बृहस्पति की महादशा में सूर्य की अंतर्दशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या ऑख, भाई-बंधु आदि से संबंधितकोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. सूर्य के बीज मंत्र का सात हजार जप करें।
२. आदित्यहृदय स्तोत्र का पाठ करें।
३. जल में लाल फूल डालकर लगातार ४३ दिन सूर्य को चढ़ायें।

चन्द्रमा अन्तर्दशा (12:02:2033 से 14:06:2034)

वर्त्तमान में आप बृहस्पति की महादशा में चंद्रमा की अंतर्दशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या माता, पिता, नौकरी, मान-सम्मान आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. चंद्रमा के बीज मंत्र का ग्यारह हजार जप करें।
२. दुर्गासूक्त का पाठ करें।
३. सोना या चांदी का चंद्रमा दान करें।

मंगल अन्तर्दशा (14:06:2034 से 20:05:2035)

वर्त्तमान में आप बृहस्पति की महादशा में मंगल की अंतर्दशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदिआप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या धन-संपत्ति, घर, जीवनसाथी, खून आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

१. मंगल का व्रत रखें एवं मंगल के बीज मंत्र का २१ दिनों में दस हजार जप करें।
२. हनुमान जी के १०८ नामों का जप करें।
३. रात में अपने सिरहाने तांबे के बर्त्तन में पानी भर कर रखें और सुबह वट वृक्ष में डालें।

राहु अर्न्तदशा (20:05:2035 से 13:10:2037)

वर्त्तमान में आप बृहस्पति की महादशा में राहु की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या पारिवारिक कलह, पैतृक संपत्ति, भाई-बंधु, व्यापार, धन-संपत्ति आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. राहु के नक्षत्र वाले दिन से लगातार ४३ दिन जौ की आटे की गोलियां मछलियों को डालें।
२. महामृत्युंजय मंत्र का जप करें।
३. चाँदी का ५१ ग्राम का हाथी दान करें।

शनि दशा (13:10:2037 से 13:10:2056)

वर्त्तमान में आप शनि की महादशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या धन-संपत्ति, वाहन दुर्घटना, भौतिक सुख आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए।

उपाय–

१. शनि का व्रत रखें एवं शनि स्तोत्र का पाठ करें।
२. नीलम, लोहा, तिल एवं सरसों का तेल दान करें।
३. शनि के बीज मंत्र का जप करें।

शनि अर्न्तदशा (13:10:2037 से 16:10:2040)

वर्त्तमान में आप शनि की महादशा में शनि की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या मान-सम्मान, नौकरी, परिवारजन, जीवनसाथी, कर्ज, धन-संपत्ति आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. २१ शनिवार को सात बादाम एवं सात सौ ग्राम काली उड़द की दाल किसी धर्मस्थल में या माँगने वाले को दान दें।
२. महामृत्युंजय मंत्र का जप एवं हवन करें।
३. रोज शनि स्तोत्र का पाठ करें।

बुध अर्न्तदशा (16:10:2040 से 26:06:2043)

वर्त्तमान में आप शनि की महादशा में बुध की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आपकिसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या जीवनसाथी, संतान, नौकरी या व्यवसाय आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. बुध के बीज मंत्र का १७ दिनों में नौ हजार जप करें।
२. विष्णुसहस्त्रनाम का पाठ करें।
३. बकरी या अन्न का दान करें।

केतु अर्न्तदशा (26:06:2043 से 04:08:2044)

वर्त्तमान में आप शनि की महादशा में केतु की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आपकिसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या जीवनसाथी, संतान, व्यापार, दुर्घटना आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों मेंकमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. आठ सौ ग्राम सफेद तिल एवं आठ सौ ग्राम काला तिल गंगा में प्रवाहित करें।
२. महामृत्युंजय मंत्र का जप करें।
३. काले कुत्ते की सेवा करें।

शुक्र अर्न्तदशा (04:08:2044 से 04:10:2047)

वर्त्तमान में आप शनि की महादशा में शुक्र की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या जीवनसाथी, ऑख, नौकरी, मान-सम्मान, भाई-बंधु आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. शुक्र के बीज मंत्र का सोलह हजार जप करें।
२. दुर्गासूक्त का पाठ करें।
३. सफेद गाय या भैंस का दान करें।

सूर्य अर्न्तदशा (04:10:2047 से 16:09:2048)

वर्त्तमान में आप शनि की महादशा में सूर्य की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आपकिसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या नौकरी, मान-सम्मान, भाई-बंधु, धन-संपत्ति, व्यापार आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. सूर्य के बीज मंत्र का सात हजार जप करें।
२. रविवार का व्रत रखें एवं सूर्य को अर्घ्य दें।
३. अरूणसहस्त्रनाम का पाठ करें।

चन्द्रमा अर्न्तदशा (16:09:2048 से 17:04:2050)

वर्त्तमान में आप शनि की महादशा में चंद्रमा की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या माता, पिता, धन हानि, संतान आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी केलिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

उपाय–

१. तिल से हवन करें तथा गुड़, घी, दही-चावल, सफेद गाय आदि का दान करें।
२. शिव की उपासना करें एवं शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ायें।
३. दुर्गा की पूजा करें।

मंगल अर्न्तदशा (17:04:2050 से 26:05:2051)

वर्त्तमान में आप शनि की महादशा में मंगल की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या धन हानि, कर्ज, नौकरी, जीवनसाथी, भाई-बंधु आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. ऋण के लिए ऋणमोचन स्तोत्र का पाठ करें। सामान्य कष्टों के लिए बजरंग बाण सहित हनुमान चालीसा का पाठ करें।
२. शांति हवन तथा बैल का दान करें।
३. भुजंग स्तोत्र का पाठ करें।

राहु अर्न्तदशा (26:05:2051 से 02:04:2054)

वर्त्तमान में आप शनि की महादशा में राहु की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आपकिसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या परिवार, मित्र, धन-संपत्ति आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. अनुष्ठान सहित राहु के बीज मंत्र का अठ्ठारह हजार जप करें।
२. महामृत्युंजय मंत्र का जप करें।
३. बकरी का दान करें।

गुरू अर्न्तदशा (02:04:2054 से 13:10:2056)

वर्त्तमान में आप शनि की महादशा में बृहस्पति की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या संबंधी, नौकरी, व्यापार, जीवनसाथी, संतान, दुर्घटना आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. सोने का दान करें।
२. शिवसहस्त्रनाम का पाठ करें।
३. भगवान् सत्यनारायण की कथा करें।

बुध दशा (13:10:2056 से 13:10:2073)

वर्त्तमान में आप बुध की महादशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या मित्र, परिवार, धन-संपत्ति, मान-सम्मान, खेती, संतान,विद्या आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ

फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए।

उपाय–

१. बुधवार का व्रत रखें एवं बुध के बीज मंत्र का जप करें।
२. सोने का पात्र दान करें।
३. बुधवार या बुध के नक्षत्र में पन्ना धारण करें।

बुध अन्तर्दशा (13:10:2056 से 11:03:2059)

वर्त्तमान में आप बुध की महादशा में बुध की अंतर्दशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आपकिसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या धन-संपत्ति, नौकरी, व्यापार, परिवारजन, भाई-बंधु आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. बुध स्तोत्र का पाठ करें।
२. बकरी की सेवा करें।
३. विष्णुसहस्त्रनाम का पाठ करें।

केतु अन्तर्दशा (11:03:2059 से 07:03:2060)

वर्त्तमान में आप बुध की महादशा में केतु की अंतर्दशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आपकिसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या जीवनसाथी, संतान, धन-संपत्ति आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी केलिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. केतु के नक्षत्र में लहसुनिया मध्यमा अंगुली में धारण करें।
२. गणपतिस्तोत्र का पाठ करें।
३. काले कुत्ते की सेवा करें।

शुक्र अन्तर्दशा (07:03:2060 से 06:01:2063)

वर्त्तमान में आप बुध की महादशा में शुक्र की अंतर्दशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आपकिसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या जीवनसाथी, मान-सम्मान, भाई-बंधु आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. चॉदी की गाय दान करें।
२. लक्ष्मीनारायण हृदय का पाठ करें।
३. दुर्गा की पूजा करें।

सूर्य अन्तर्दशा (06:01:2063 से 13:11:2063)

वर्त्तमान में आप बुध की महादशा में सूर्य की अंतर्दशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आपकिसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या दुर्घटना, व्यापार, मुकदमा आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. रविवार या सूर्य के नक्षत्र में अनामिका अंगुली में माणिक धारण करें।
२. तांबे की गाय दान करें।
३. लगातार ४३ दिन ठीक १२ बजे लाल फूल एवं जल सूर्य को चढ़ायें।

चन्द्रमा अर्न्तदशा (13:11:2063 से 14:04:2065)

वर्तमान में आप बुध की महादशा में चंद्रमा की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या मित्र, भाई-बंधु, सहकर्मी, व्यापार,नौकरी, जीवनसाथी आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. अनुष्ठान सहित चंद्रमा के बीज मंत्र का जप करें।
२. दुर्गासूक्त का पाठ करें।
३. सफेद वस्त्र दान करें।

मंगल अर्न्तदशा (14:04:2065 से 11:04:2066)

वर्तमान में आप बुध की महादशा में मंगल की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या पैतृक संपत्ति, परिवार, मुकदमा, व्यापार, संतान आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. मंगल स्तोत्र का पाठ करें।
२. महामृत्युंजय मंत्र का जप एवं हवन करें।
३. तांबे का बैल दान करें।

राहु अर्न्तदशा (11:04:2066 से 28:10:2068)

वर्तमान में आप बुध की महादशा में राहु की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या धन-संपत्ति, भाई-बंधु, व्यापार आदि सेसंबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. छोटी कन्याओं को हरे वस्त्र दान करें।
२. दो नारियल एवं दस टुकड़े सिक्के बुधवार को जल में प्रवाहित करें।
३. सिक्के का हाथी बनाकर गंगाजल में डालकर घर पर रखें।

गुरू अर्न्तदशा (28:10:2068 से 03:02:2071)

वर्तमान में आप बुध की महादशा में बृहस्पति की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या दुर्घटना, जीवनसाथी, संतान, गृहस्थ जीवन, धन-संपत्ति, पिता आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. शिवसहस्त्रनाम का पाठ करें।
२. धार्मिक पुस्तकों का दान करें।
३. गाय का दान करें।

शनि अर्न्तदशा (03:02:2071 से 13:10:2073)

वर्त्तमान में आप बुध की महादशा में शनि की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आपकिसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या व्यवसाय, धन हानि, जीवनसाथी, संतान, भाई-बंधु आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभफलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. शनिवार या शनि के नक्षत्र में उड़द की दाल के पकौड़े बनाकर काले कुत्तों को खिलायें।
२. महामृत्युंजय मंत्र का जप करें।
३. काली गाय या भैस का दान करें।

केतु दशा (13:10:2073 से 13:10:2080)

वर्त्तमान में आप केतु की महादशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या मित्र, परिवार, धन-संपत्ति, वाहन, आग, जल, विद्या, जीवनसाथी, संतान आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए।

उपाय–

१. सात अनाज (उड़द, मूंगी, गेहूॅ, चना, जौं, चावल, कंगनी) का दान करें।
२. चॉदी का पात्र दान करें।
३. गणेश चौथ का व्रत रखें।

केतु अर्न्तदशा (13:10:2073 से 11:03:2074)

वर्त्तमान में आप केतु की महादशा में केतु की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आपकिसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या स्थान परिवर्त्तन, आमदनी, कर्ज, मान-सम्मान, जीवनसाथी, संतान, भाई आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. महामृत्युंजय मंत्र का जप करें।
२. संकट चतुर्थी का १८ व्रत रखें।
३. काले कुत्ते की सेवा करें।

शुक्र अर्न्तदशा (11:03:2074 से 11:05:2075)

वर्त्तमान में आप केतु की महादशा में शुक्र की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आपकिसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या नौकरी, व्यापार, आमदनी, धन-संपत्ति, जीवनसाथी, संतान आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. छोटी कन्याओं को गोल-गप्पे खिलायें।
२. दुर्गासप्तशती का पाठ करें।
३. सफेद गाय या चॉदी की गाय दान करें।

सूर्य अन्तर्दशा (11:05:2075 से 16:09:2075)

वर्त्तमान में आप केतु की महादशा में सूर्य की अंतर्दशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आपकिसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या नौकरी, व्यापार, माता, पिता आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. सात रविवार लाल गाय को हरा चारा डालें।
२. तांबे या चॉदी की गाय दान करें।
३. सूर्य स्तोत्र का पाठ करें।

चन्द्रमा अन्तर्दशा (16:09:2075 से 16:04:2076)

वर्त्तमान में आप केतु की महादशा में चंद्रमा की अंतर्दशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या पैतृक संपत्ति, परिवारजन, संबंधी, जीवनसाथी, माता, भाई आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. सफेद गाय का दान करें।
२. दुर्गासूक्त का पाठ करें।
३. चंद्रस्तोत्र का पाठ करें।

मंगल अन्तर्दशा (16:04:2076 से 13:09:2076)

वर्त्तमान में आप केतु की महादशा में मंगल की अंतर्दशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या नौकरी, परिवारजन, कर्ज, गृहस्थ जीवन, जीवनसाथी, संतान आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. चॉदी के बर्त्तन में शहद भरकर मकान की नींव में दबायें।
२. लाल बैल या तांबे का बैल दान करें।
३. महामृत्युंजय मंत्र का पाठ करें।

राहु अन्तर्दशा (13:09:2076 से 01:10:2077)

वर्त्तमान में आप केतु की महादशा में राहु की अंतर्दशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या नौकरी या व्यापार, धन-संपत्ति आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. अनुष्ठान के साथ राहु के बीज मंत्र का जप करें।
२. दुर्गासूक्त का पाठ करें।
३. बुधवार को ग्यारह किलो कचा कोयला नदी में प्रवाहित करें।

गुरू अर्न्तदशा (01:10:2077 से 07:09:2078)

वर्तमान में आप केतु की महादशा में बृहस्पति की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आप किसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या जीवनसाथी, संतान, धन-संपत्ति, व्यवसाय, मान-सम्मान आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. ११ पूर्णिमा को व्रत रखें। व्रत के दौरान पीला वस्त्र पहनें।
२. अनुष्ठान के साथ शिवसहस्त्रनाम का जप करें।
३. शिवसंकल्प का जप करें।

शनि अर्न्तदशा (07:09:2078 से 16:10:2079)

वर्त्तमान में आप केतु की महादशा में शनि की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आपकिसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या कर्ज, व्यापार, नौकरी, संतान आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. महामृत्युंजय मंत्र का जप एवं हवन करें।
२. काली गाय या भैंस का दान करें।
३. शनिस्तोत्र का पाठ करें।

बुध अर्न्तदशा (16:10:2079 से 13:10:2080)

वर्त्तमान में आप केतु की महादशा में बुध की अंर्तदशा से गुजर रहे हैं। इस दशाकाल के दौरान यदि आपकिसी तरह की मानसिक या शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हैं या जीवनसाथी, संतान, व्यापार, नौकरी, संबंधी, धन-संपत्ति आदि से संबंधित कोई अशुभ फल प्राप्त हो रहा है, तो शुभ फलों में वृद्धि एवं अशुभ फलों में कमी के लिए आपको निम्न उपाय करने चाहिए-

उपाय–

१. महासुदर्शन मंत्र का जप करें।
२. अनुष्ठान के साथ विष्णुसहस्त्रनाम का पाठ करें।
३. बकरी दान करें।

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

क्या है कालसर्प योग?

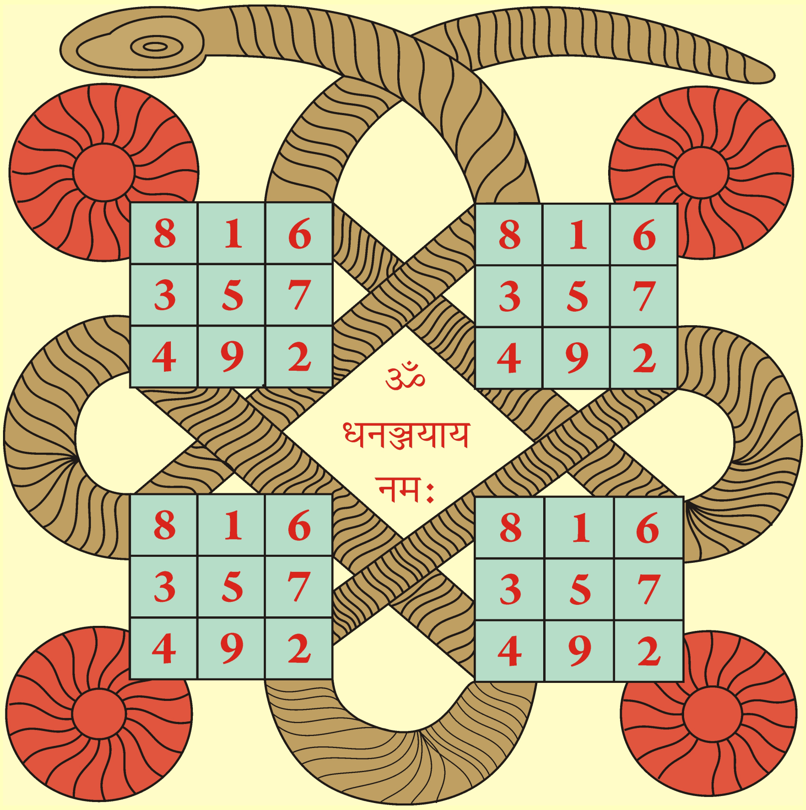

जब कुण्डली में सारे ग्रह राहु और केतु के अंशों के बीच में आ जाते हैं तो कुण्डली को कालसर्प योग से ग्रसित माना जाता है। यदि एक भी ग्रह राहु और केतु के अंशों के बाहर रह जाता है तो पूर्ण कालसर्प योग नहीं माना जाएगा। हालॉकि, सारे ग्रह केतु और राहु के अंशों के बीच में आ जायें तो भी आंशिक कालसर्प योग माना जायेगा।

कालसर्प योग का सामान्य प्रभाव-

१) किसी भी शुभ और महत्त्वपूर्ण कार्य को करते समय परेशानियों का सामना करना ।
२) मानसिक तनाव
३) आत्म विश्वास में कमी
४) स्वास्थ्य संबधी परेशानियां
५) गरीबी और धन की कमी
६) व्यापार में घाटा और नौकरी में परेशानी
७) उत्तेजना और बेकार की चिंतायें
८) मित्रों और शुभचिंतकों से मनमुटाव
९) मित्रों और शुभचिंतकों की तरफ से विश्वासघात
१०) मित्रों, शुभचिंतकों और रिश्तेदारों की ओर से किसी भी तरह का सहयोग नहीं प्राप्त

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

होना

आपकी कुण्डली में कालसर्प योग मौजूद नहीं है।

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

लाल-किताब से आयु निर्णय

हालॉकि, जन्म और मृत्यु मनुष्य के अधिकार क्षेत्र के बाहर की चीज है। परन्तु लाल किताब के लेखक ने मृत्यु का अनुमान लगाने के लिए कुछ तरीके बताये हैं। यह भाग किसी जातक के लिए नहीं है। यह केवल विद्वान ज्योतिषियों के सुविधा के लिए दिया जा रहा है। विद्वान ज्योतिषियों से विनम्र निवेदन है कि इसका कोई भी भाग जातक को नहीं मिलना चाहिए, नहीं तो जिम्मेदारी हमारी नहीं होगी। इस भाग में जो भी सिद्धान्त हैं, वह केवल और केवल लाल किताब पर आधारित हैं। इसके किसी भी परिणाम के लिए हम या हमारी कम्पनी कभी भी उत्तरदायी नहीं होंगे।

आपकी कुण्डली में चंद्रमा तीसरे या छठे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, ऐसा जातक दीर्घायु होता है।

आपकी कुण्डली में सूर्य छठे, आठवें या बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, ऐसे जातक के पिता के सुख में भारी कमी आ सकती है।

आपकी कुण्डली में शुक्र पहले भाव में और सूर्य सातवें भाव में स्थित है या सूर्य और शुक्र एक साथ स्थित हैं। लाल किताब के अनुसार, ऐसे जातक को टी.बी.(तपेदिक) जैसे रोग होने की संभावना ज़्यादा होती है।

आपकी कुण्डली में बृहस्पति नौवें भाव में और लग्न में कोई भी ग्रह नहीं बैठा हुआ है। लाल किताब केअनुसार, ऐसा जातक अल्पायु होता है। ऐसे जातक को दिल की बीमारी भी लग सकती है।

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

Sample

लाल–किताब वर्षफल

(18:10:2012 - 17:10:2013)

Abhimanue Singh

Mindsutra Software Technologies

www.mindsutra.com

www.saarcastro.org

mindsutra@gmail.com

Contact - 09818193410, 09350247058

Sample DOB-18:10:1978 TOB-11:00:00 POB-New Delhi

लाल किताब वर्षफल

वर्षफल कुण्डली –35

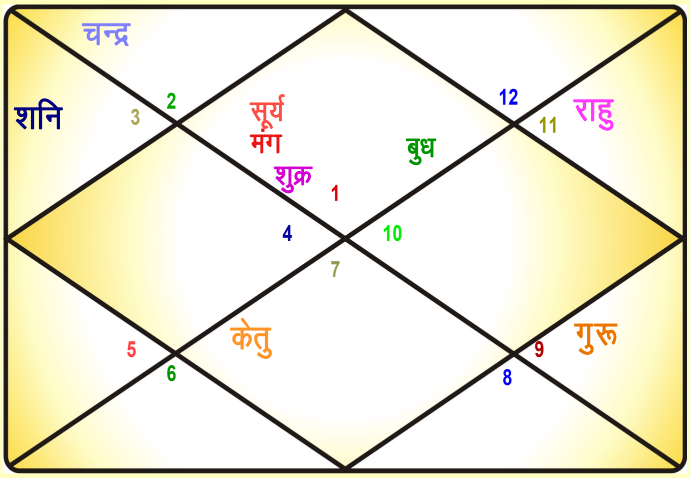

18:10:2012 -- 17:10:2013

लग्न कुण्डली

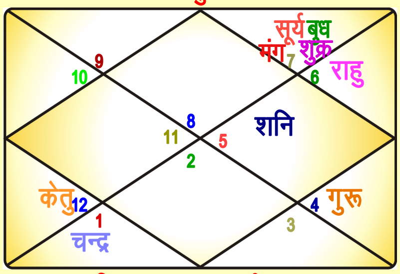

लाल किताब चन्द्र कुण्डली

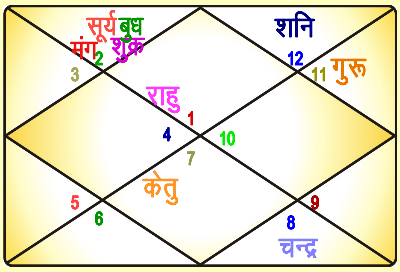

लाल किताब से वर्षफल में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भावस्थ	प्रभाव	पक्का घर	भाग्योदय का ग्रह	साथी ग्रह	कायम ग्रह	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	लग्न	ग्रह	हाँ						शुभ भाव में
चन्द्रमा (बद)	द्वितीय	ग्रह		हाँ		हाँ		हाँ	शुभ भाव में
मंगल	लग्न	ग्रह		हाँ					शुभ भाव में
बुध	लग्न	राशि				हाँ			शुभ भाव में
गुरू	नवम्	ग्रह	हाँ	हाँ		हाँ			शुभ भाव में
शुक्र	लग्न	राशि							अशुभ भाव में
शनि (बद)	तृतीय	राशि				हाँ			शुभ भाव में
राहु	एकादश	राशि						हाँ	अशुभ भाव में
केतु (बद)	सप्तम्	राशि						हाँ	अशुभ भाव में

लाल किताब से वर्षफल में भावों (खानों) की स्थिति

खाना न•	खाना न•	मालिक	पक्का घर	सोया	उच्च	नीच	किस्मत को जगाने
१	सूर्य, मंगल, बुध, शुक्र	मंगल	सूर्य		सूर्य	शनि	मंगल
२	चन्द्रमा	शुक्र	गुरू		चन्द्रमा		चन्द्रमा
३	शनि	बुध	मंगल		राहु	केतु	बुध
४		चन्द्रमा	चन्द्रमा	हाँ	गुरू	मंगल	चन्द्रमा
५		सूर्य	गुरू	हाँ			सूर्य
६		बुध	बुध केतु		बुध राहु	शुक्र केतु	केतु
७	केतु	शुक्र	शुक्र बुध		शनि		शुक्र
८		मंगल	मंगल शनि	हाँ		चन्द्रमा	चन्द्रमा
६	गुरू	गुरू	गुरू		केतु	राहु	शनि
१०		शनि	शनि	हाँ	मंगल	गुरू	शनि
११	राहु	शनि	शनि				गुरू
१२		गुरू	गुरू	हाँ	शुक्र केतु	बुध राहु	राहु

Sample DOB-18:10:1978 TOB-11:00:00 POB-New Delhi

लाल किताब वर्षफल

वर्षफल कुण्डली –35

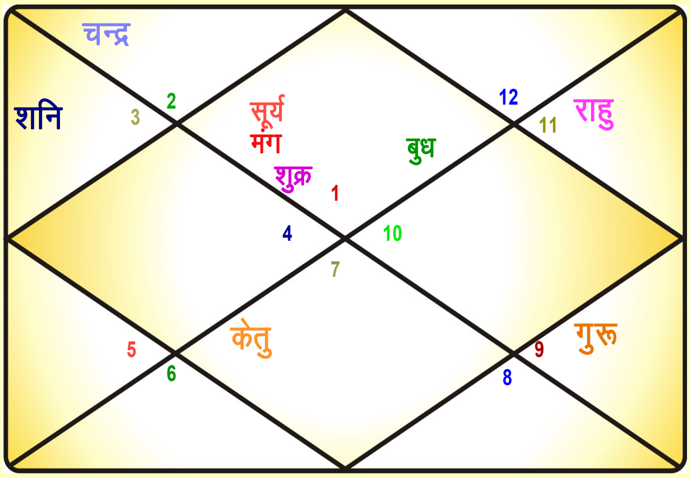

18:10:2012 -- 17:10:2013

लग्न कुण्डली

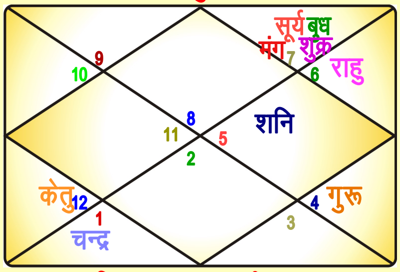

लाल किताब चन्द्र कुण्डली

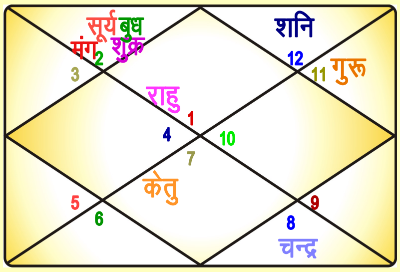

लाल किताब से वर्षफल में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भावस्थ	प्रभाव	पक्का घर	भाग्योदय का ग्रह	साथी ग्रह	कायम ग्रह	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	लग्न	ग्रह	हॉं						शुभ भाव में
चन्द्रमा (बद)	द्वितीय	ग्रह		हॉं		हॉं		हॉं	शुभ भाव में
मंगल	लग्न	ग्रह		हॉं					शुभ भाव में
बुध	लग्न	राशि				हॉं			शुभ भाव में
गुरू	नवम्	ग्रह	हॉं	हॉं		हॉं			शुभ भाव में
शुक्र	लग्न	राशि							अशुभ भाव में
शनि (बद)	तृतीय	राशि				हॉं			शुभ भाव में
राहु	एकादश	राशि						हॉं	अशुभ भाव में
केतु (बद)	सप्तम्	राशि						हॉं	अशुभ भाव में

लाल-किताब वर्षफल के उपाय

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

Sample DOB-18:10:1978 TOB-11:00:00 POB-New Delhi

लाल किताब वर्षफल

वर्ष पूर्ण– 35

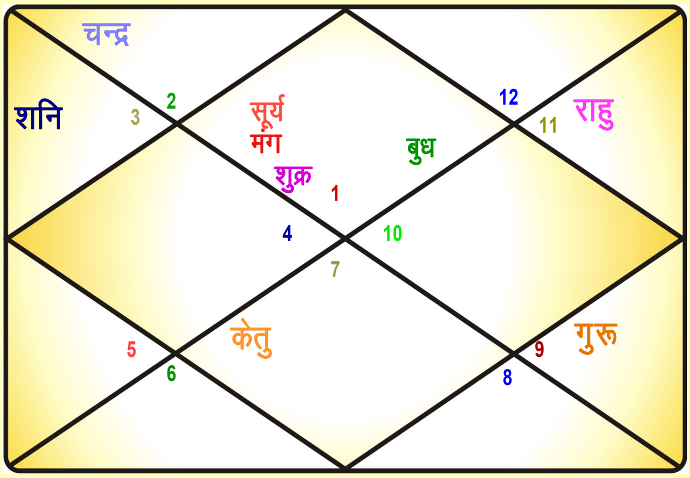

(18:10:2012 - 17:10:2013)

1- (18:10:2012--17:11:2012)

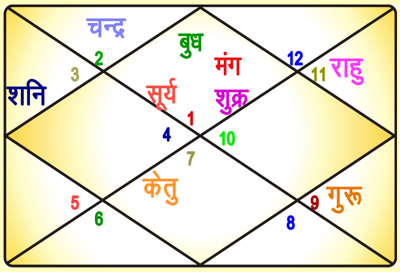

2- (18:11:2012--17:12:2012)

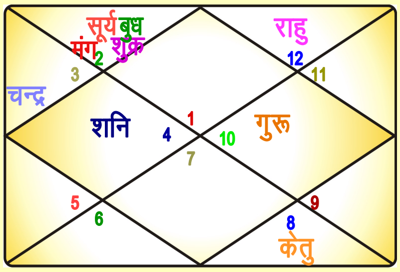

3- (18:12:2012--17:01:2013)

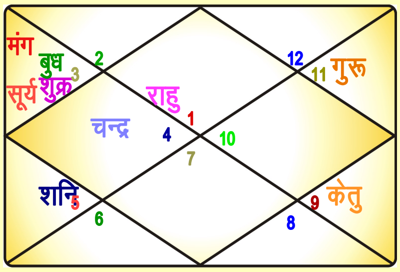

4- (18:01:2013--17:02:2013)

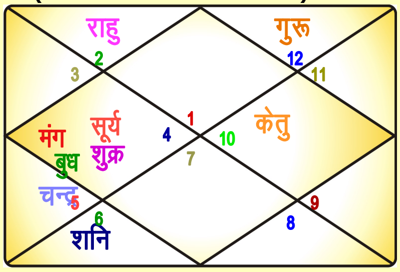

5- (18:02:2013--17:03:2013)

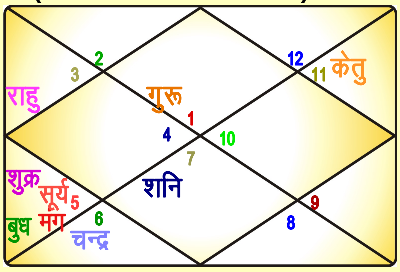

6- (18:03:2013--17:04:2013)

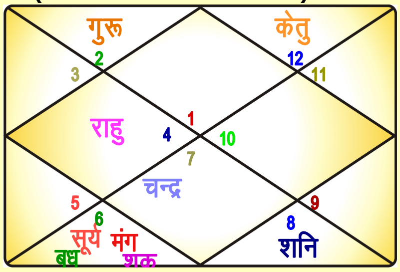

7- (18:04:2013--17:05:2013)

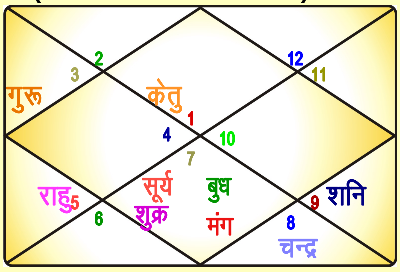

8- (18:05:2013--17:06:2013)

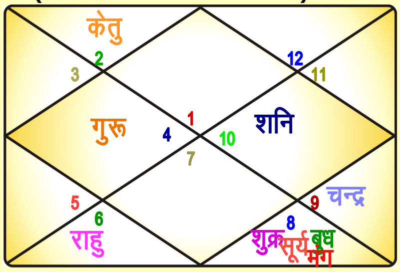

9- (18:06:2013--17:07:2013)

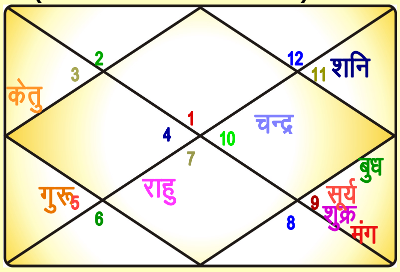

10- (18:07:2013--17:08:2013

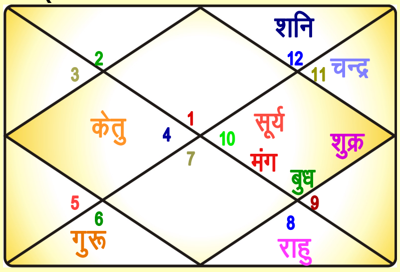

11- (18:08:2013--17:09:2013

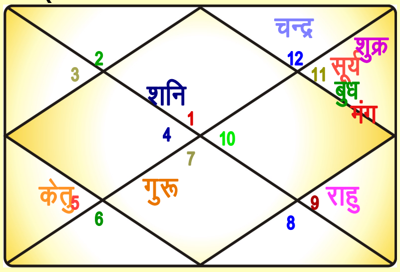

12- (18:09:2013--17:10:2013

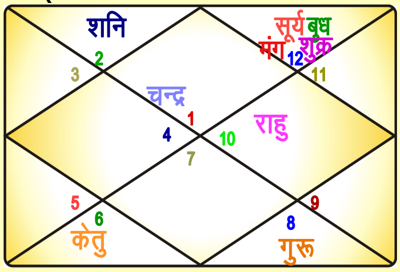

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

Sample DOB-18:10:1978 TOB-11:00:00 POB-New Delhi

वर्षफल (35) में ग्रहों की दृष्टि

18:10:2012 -- 17:10:2013

लाल किताब की सामान्य दृष्टि

	सू0	च0	मं0	बु0	गु0	शु0	श0	रा0	के0
सूर्य									पूर्ण
चन्द्रमा									
मंगल									पूर्ण
बुध									पूर्ण
गुरू									
शुक्र									पूर्ण
शनि					अर्द्ध			अर्द्ध	
राहु									
केतु									

ग्रहों की दृष्टि

	सू0	च0	मं0	बु0	गु0	शु0	श0	रा0	के0
सूर्य									0
चन्द्रमा									
मंगल									
बुध									0
गुरू	0		0	0		0	0		
शुक्र									0
शनि					0				
राहु							0		0
केतु	0		0	0		0	0	0	

लाल किताब में टक्कर की दृष्टि

	सू0	च0	मं0	बु0	गु0	शु0	श0	रा0	के0
सूर्य									
चन्द्रमा					0				
मंगल									
बुध									
गुरू									
शुक्र									
शनि									
राहु									
केतु		0							

लाल किताब में पाये की दृष्टि

	सू0	च0	मं0	बु0	गु0	शु0	श0	रा0	के0
सूर्य					0				
चन्द्रमा									
मंगल					0				
बुध					0				
गुरू									
शुक्र					0				
शनि								0	
राहु									0
केतु							0		

लाल किताब में विश्वासघात की दृष्टि

	सू0	च0	मं0	बु0	गु0	शु0	श0	रा0	के0
सूर्य									
चन्द्रमा								0	
मंगल									
बुध									
गुरू									
शुक्र									
शनि									
राहु									
केतु									

लाल किताब में सहचरी दिवार दृष्टि

	सू0	च0	मं0	बु0	गु0	शु0	श0	रा0	के0
सूर्य									
चन्द्रमा	0		0	0		0			
मंगल									
बुध									
गुरू									
शुक्र									
शनि		0							
राहु									
केतु									

लाल किताब में अचानक प्रहार दृष्टि

	सू0	च0	मं0	बु0	गु0	शु0	श0	रा0	के0
सूर्य							0	0	0
चन्द्रमा									
मंगल							0	0	0
बुध							0	0	0
गुरू									0
शुक्र							0	0	0
शनि	0		0	0		0			
राहु	0		0	0		0			
केतु	0		0	0	0	0			

लाल किताब में परस्पर सहयोग दृष्टि

	सू0	च0	मं0	बु0	गु0	शु0	श0	रा0	के0
सूर्य									
चन्द्रमा									
मंगल									
बुध									
गुरू	0		0	0		0			
शुक्र									
शनि									0
राहु							0		
केतु								0	

Sample DOB-18:10:1978 TOB-11:00:00 POB-New Delhi

लाल किताब वर्षफल

वर्ष पूर्ण– 1
(18:10:1978 - 17:10:1979)

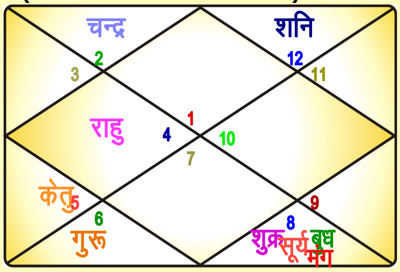

वर्ष पूर्ण– 2
(18:10:1979 - 17:10:1980)

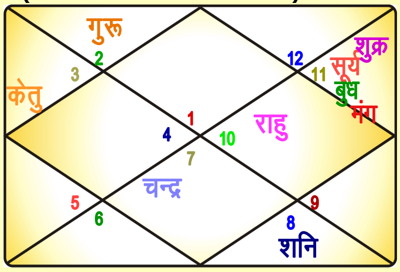

वर्ष पूर्ण– 3
(18:10:1980 - 17:10:1981)

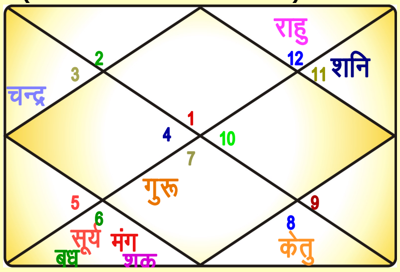

वर्ष पूर्ण– 4
(18:10:1981 - 17:10:1982)

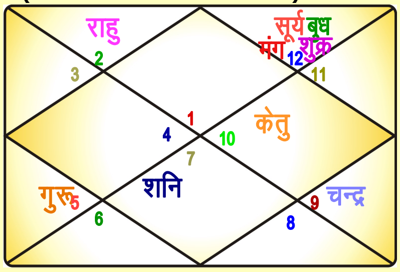

वर्ष पूर्ण– 5
(18:10:1982 - 17:10:1983)

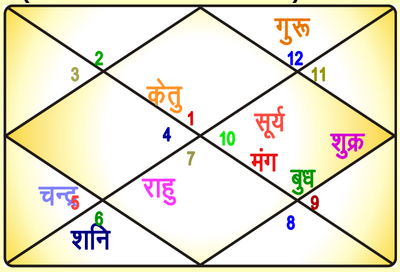

वर्ष पूर्ण– 6
(18:10:1983 - 17:10:1984)

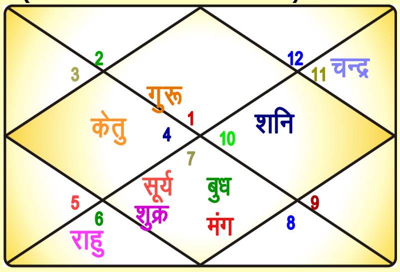

वर्ष पूर्ण– 7
(18:10:1984 - 17:10:1985)

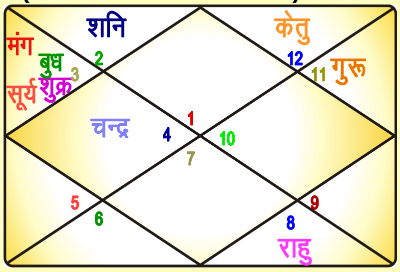

वर्ष पूर्ण– 8
(18:10:1985 - 17:10:1986)

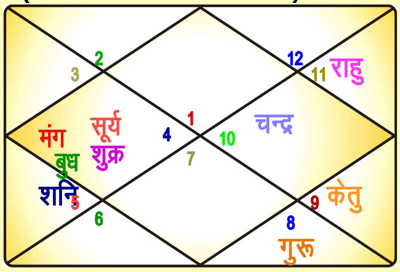

वर्ष पूर्ण– 9
(18:10:1986 - 17:10:1987)

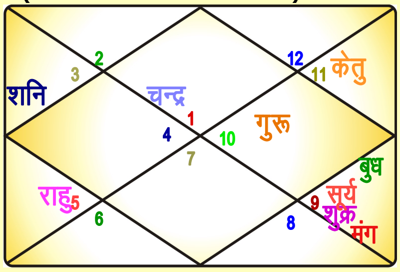

वर्ष पूर्ण– 10
(18:10:1987 - 17:10:1988)

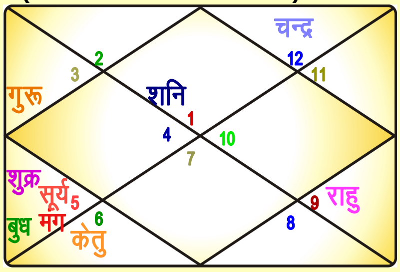

वर्ष पूर्ण– 11
(18:10:1988 - 17:10:1989)

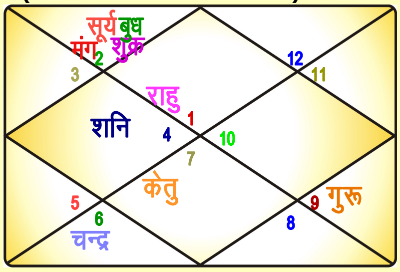

वर्ष पूर्ण– 12
(18:10:1989 - 17:10:1990)

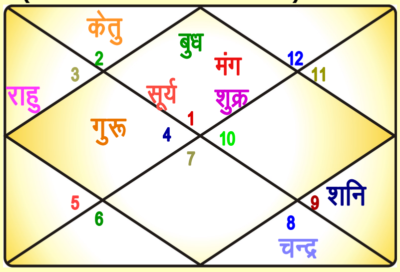

वर्ष पूर्ण– 13
(18:10:1990 - 17:10:1991)

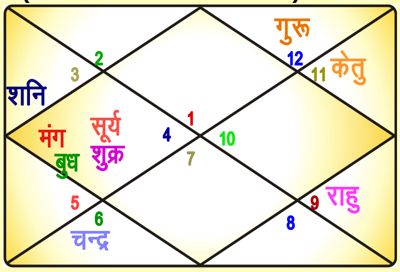

वर्ष पूर्ण– 14
(18:10:1991 - 17:10:1992)

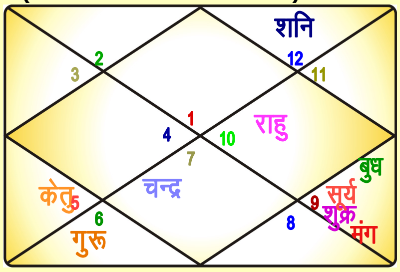

वर्ष पूर्ण– 15
(18:10:1992 - 17:10:1993)

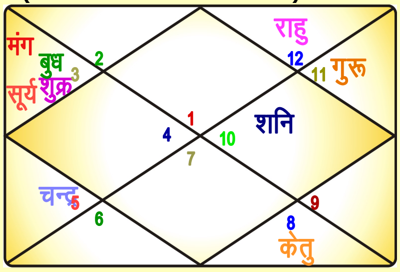

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

Sample DOB-18:10:1978 TOB-11:00:00 POB-New Delhi

लाल किताब वर्षफल

वर्ष पूर्ण– 16
(18:10:1993 - 17:10:1994)

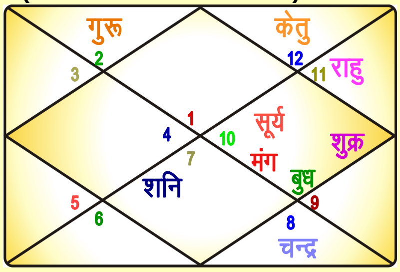

वर्ष पूर्ण– 17
(18:10:1994 - 17:10:1995)

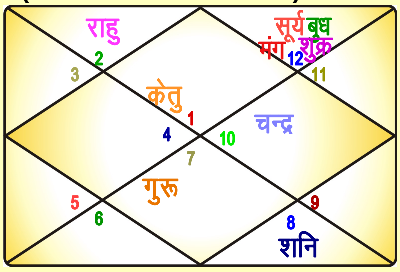

वर्ष पूर्ण– 18
(18:10:1995 - 17:10:1996)

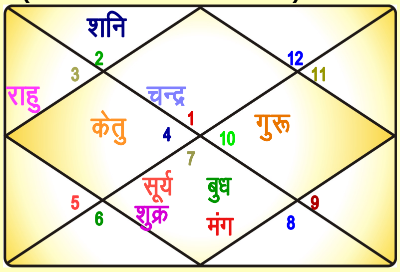

वर्ष पूर्ण– 19
(18:10:1996 - 17:10:1997)

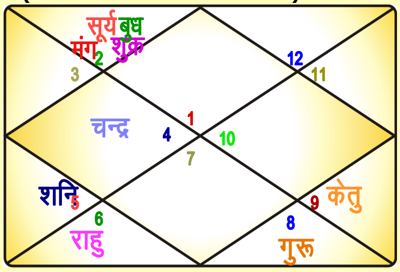

वर्ष पूर्ण– 20
(18:10:1997 - 17:10:1998)

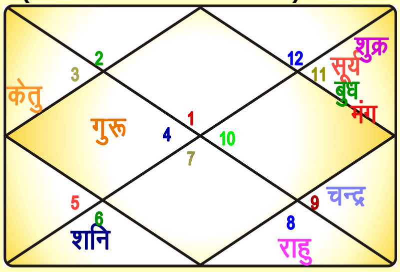

वर्ष पूर्ण– 21
(18:10:1998 - 17:10:1999)

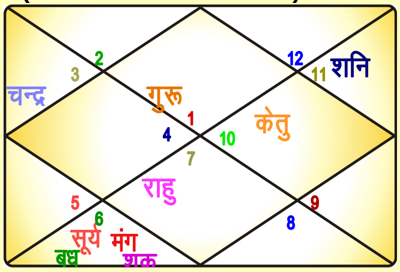

वर्ष पूर्ण– 22
(18:10:1999 - 17:10:2000)

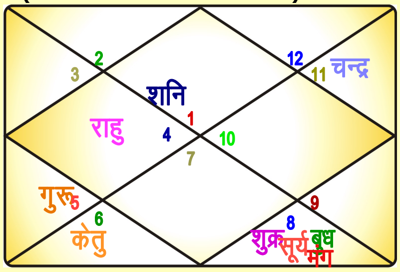

वर्ष पूर्ण– 23
(18:10:2000 - 17:10:2001)

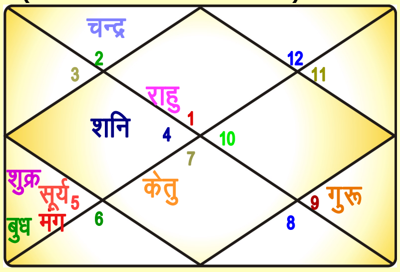

वर्ष पूर्ण– 24
(18:10:2001 - 17:10:2002)

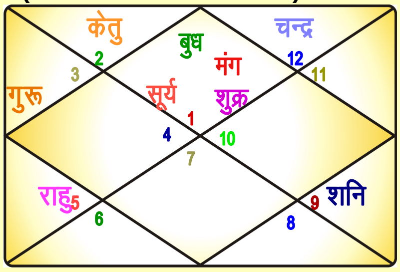

वर्ष पूर्ण– 25
(18:10:2002 - 17:10:2003)

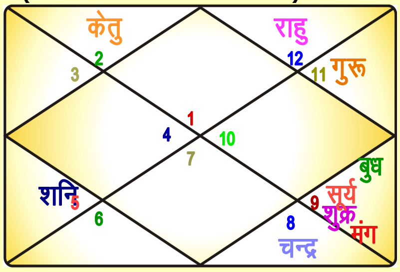

वर्ष पूर्ण– 26
(18:10:2003 - 17:10:2004)

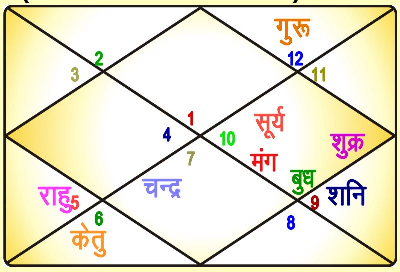

वर्ष पूर्ण– 27
(18:10:2004 - 17:10:2005)

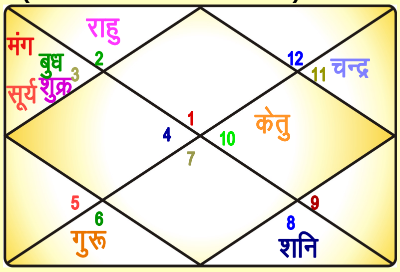

वर्ष पूर्ण– 28
(18:10:2005 - 17:10:2006)

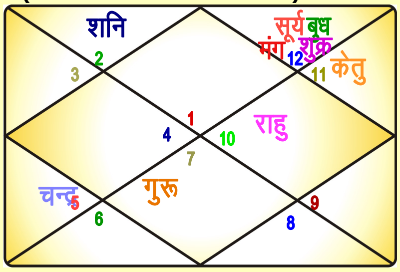

वर्ष पूर्ण– 29
(18:10:2006 - 17:10:2007)

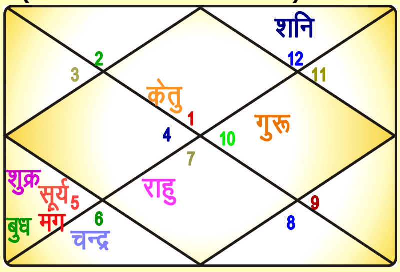

वर्ष पूर्ण– 30
(18:10:2007 - 17:10:2008)

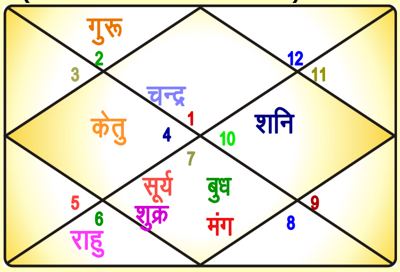

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

लाल किताब वर्षफल

वर्ष पूर्ण– 31
(18:10:2008 - 17:10:2009)

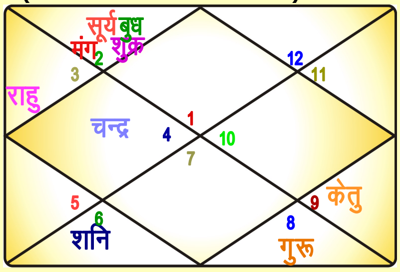

वर्ष पूर्ण– 32
(18:10:2009 - 17:10:2010)

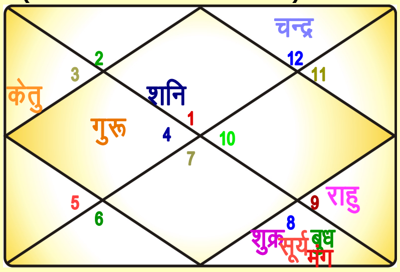

वर्ष पूर्ण– 33
(18:10:2010 - 17:10:2011)

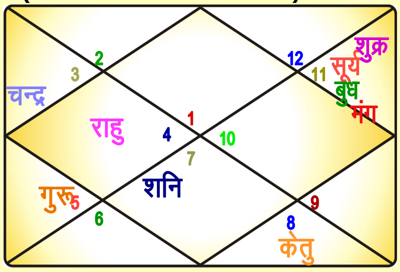

वर्ष पूर्ण– 34
(18:10:2011 - 17:10:2012)

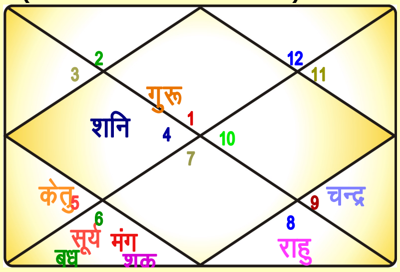

वर्ष पूर्ण– 35
(18:10:2012 - 17:10:2013)

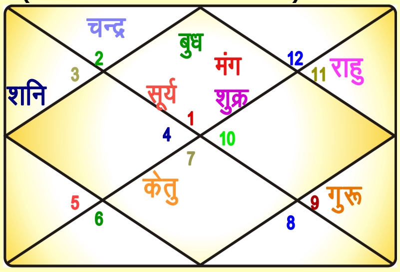

वर्ष पूर्ण– 36
(18:10:2013 - 17:10:2014)

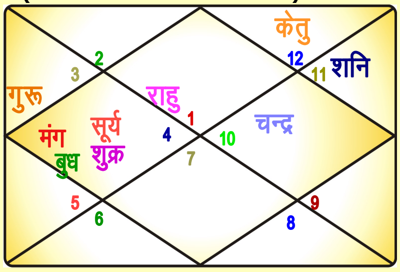

वर्ष पूर्ण– 37
(18:10:2014 - 17:10:2015)

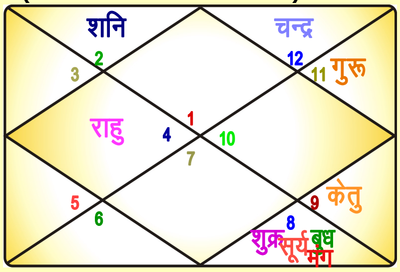

वर्ष पूर्ण– 38
(18:10:2015 - 17:10:2016)

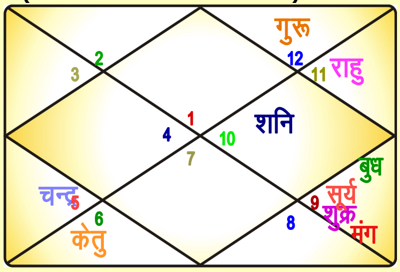

वर्ष पूर्ण– 39
(18:10:2016 - 17:10:2017)

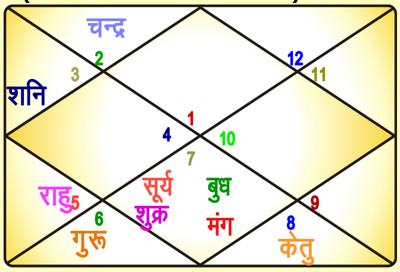

वर्ष पूर्ण– 40
(18:10:2017 - 17:10:2018)

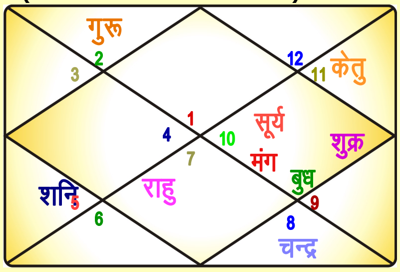

वर्ष पूर्ण– 41
(18:10:2018 - 17:10:2019)

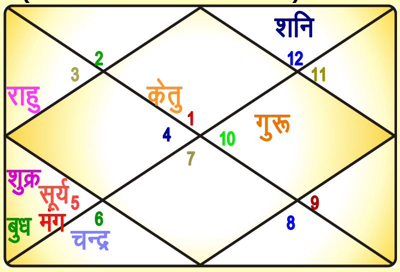

वर्ष पूर्ण– 42
(18:10:2019 - 17:10:2020)

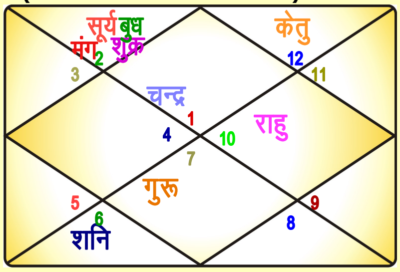

वर्ष पूर्ण– 43
(18:10:2020 - 17:10:2021)

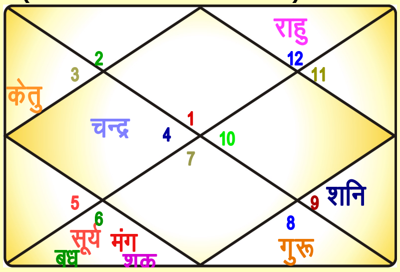

वर्ष पूर्ण– 44
(18:10:2021 - 17:10:2022)

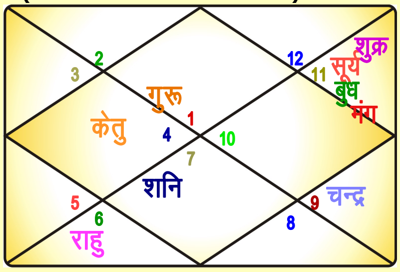

वर्ष पूर्ण– 45
(18:10:2022 - 17:10:2023)

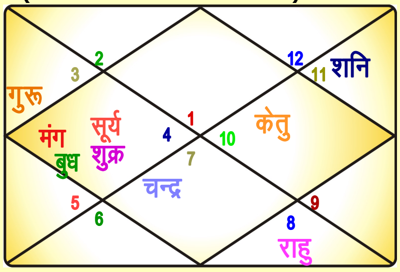

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

लाल किताब वर्षफल

वर्ष पूर्ण– 46
(18:10:2023 - 17:10:2024)

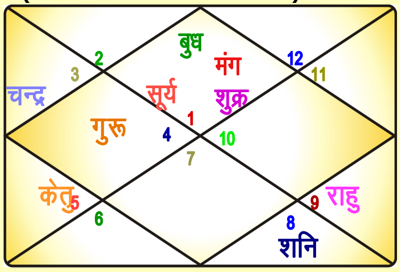

वर्ष पूर्ण– 47
(18:10:2024 - 17:10:2025)

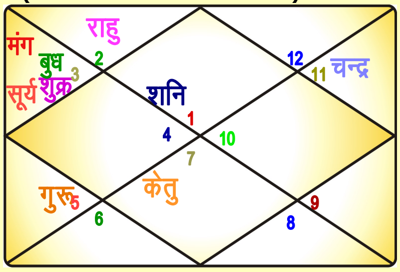

वर्ष पूर्ण– 48
(18:10:2025 - 17:10:2026)

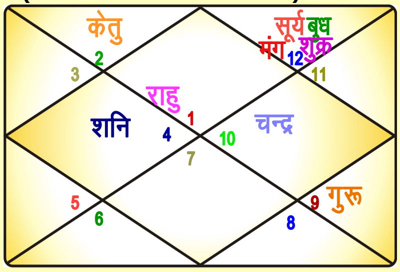

वर्ष पूर्ण– 49
(18:10:2026 - 17:10:2027)

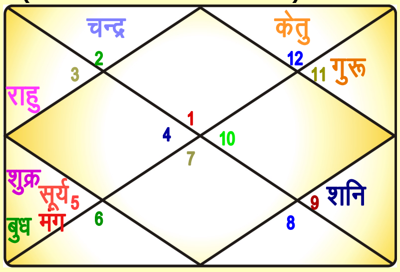

वर्ष पूर्ण– 50
(18:10:2027 - 17:10:2028)

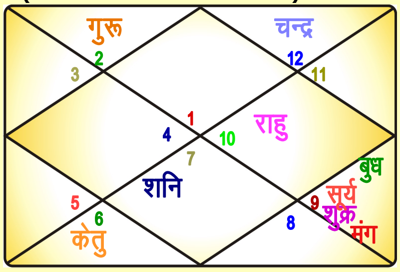

वर्ष पूर्ण– 51
(18:10:2028 - 17:10:2029)

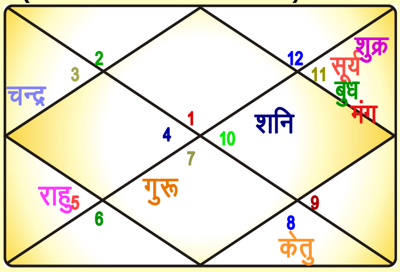

वर्ष पूर्ण– 52
(18:10:2029 - 17:10:2030)

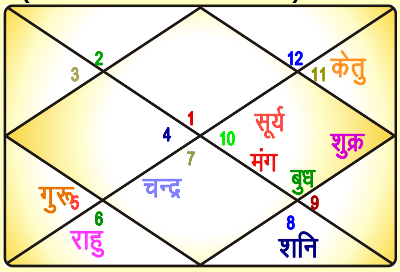

वर्ष पूर्ण– 53
(18:10:2030 - 17:10:2031)

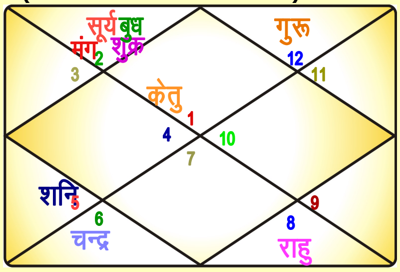

वर्ष पूर्ण– 54
(18:10:2031 - 17:10:2032)

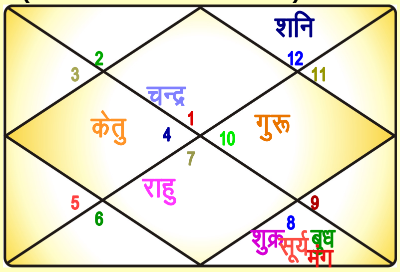

वर्ष पूर्ण– 55
(18:10:2032 - 17:10:2033)

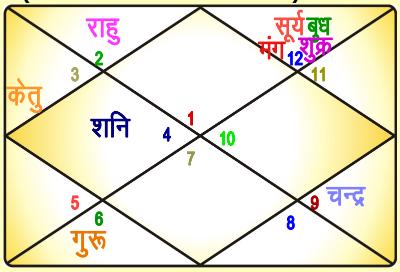

वर्ष पूर्ण– 56
(18:10:2033 - 17:10:2034)

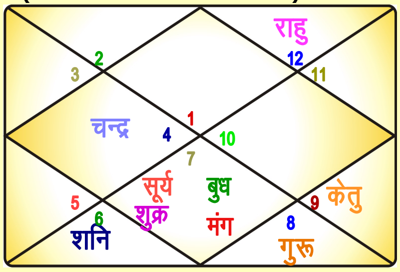

वर्ष पूर्ण– 57
(18:10:2034 - 17:10:2035)

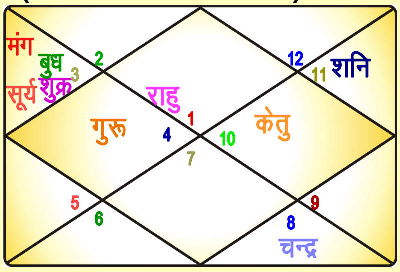

वर्ष पूर्ण– 58
(18:10:2035 - 17:10:2036)

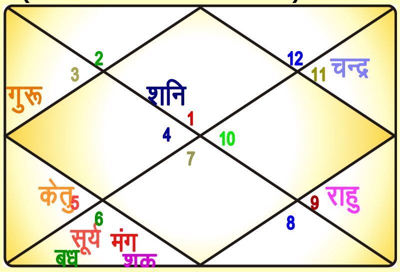

वर्ष पूर्ण– 59
(18:10:2036 - 17:10:2037)

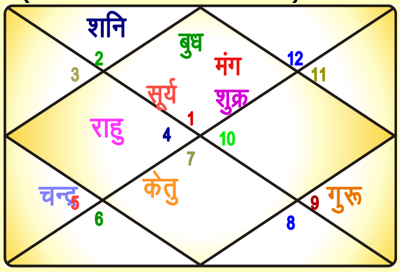

वर्ष पूर्ण– 60
(18:10:2037 - 17:10:2038)

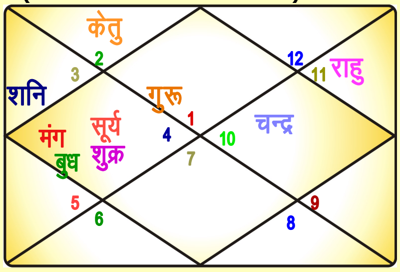

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

Sample DOB-18:10:1978 TOB-11:00:00 POB-New Delhi

लाल किताब वर्षफल

वर्ष पूर्ण– 61
(18:10:2038 - 17:10:2039)

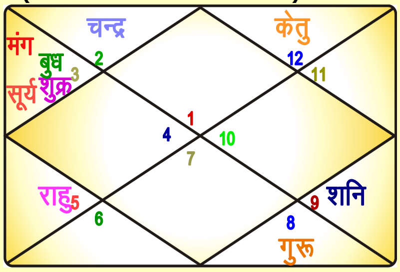

वर्ष पूर्ण– 62
(18:10:2039 - 17:10:2040)

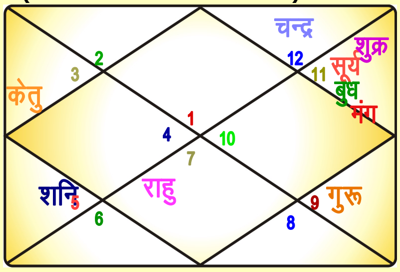

वर्ष पूर्ण– 63
(18:10:2040 - 17:10:2041)

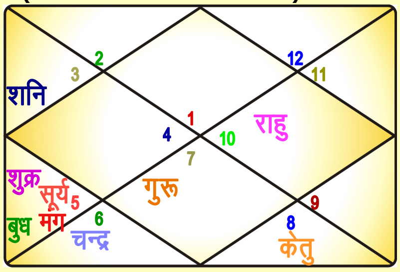

वर्ष पूर्ण– 64
(18:10:2041 - 17:10:2042)

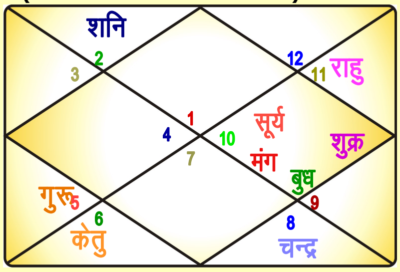

वर्ष पूर्ण– 65
(18:10:2042 - 17:10:2043)

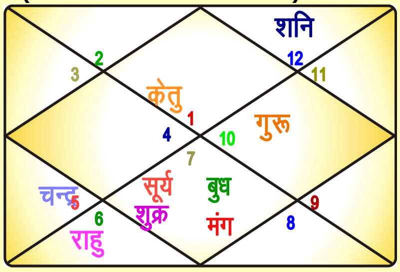

वर्ष पूर्ण– 66
(18:10:2043 - 17:10:2044)

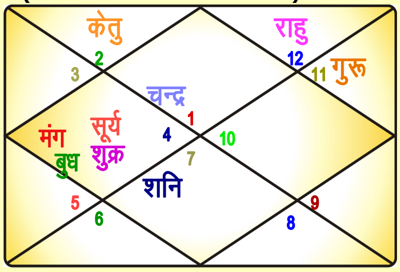

वर्ष पूर्ण– 67
(18:10:2044 - 17:10:2045)

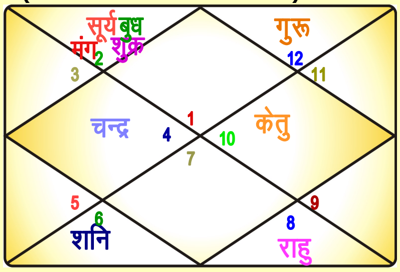

वर्ष पूर्ण– 68
(18:10:2045 - 17:10:2046)

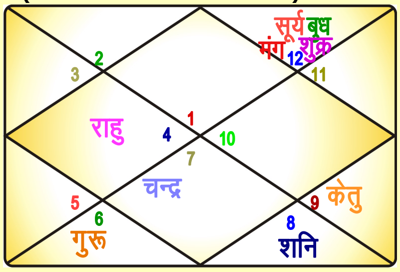

वर्ष पूर्ण– 69
(18:10:2046 - 17:10:2047)

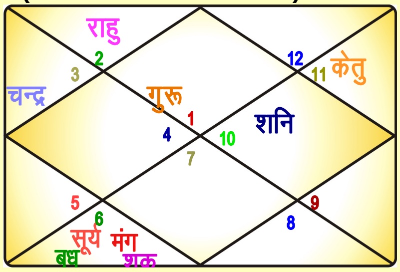

वर्ष पूर्ण– 70
(18:10:2047 - 17:10:2048)

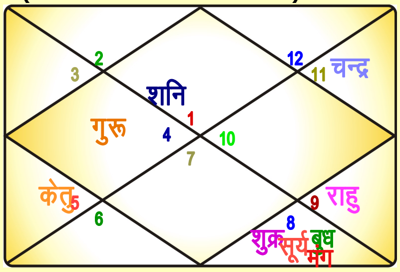

वर्ष पूर्ण– 71
(18:10:2048 - 17:10:2049)

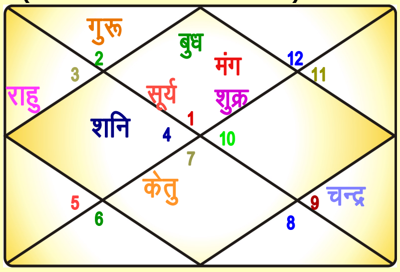

वर्ष पूर्ण– 72
(18:10:2049 - 17:10:2050)

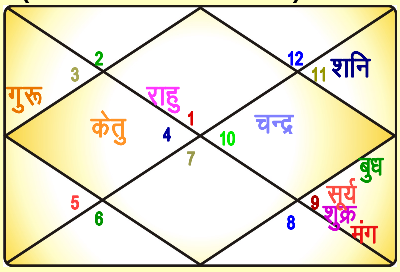

वर्ष पूर्ण– 73
(18:10:2050 - 17:10:2051)

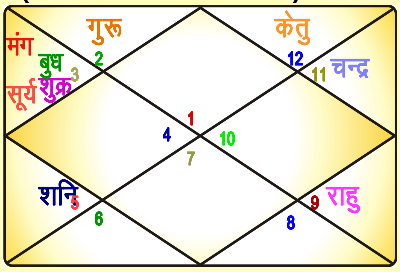

वर्ष पूर्ण– 74
(18:10:2051 - 17:10:2052)

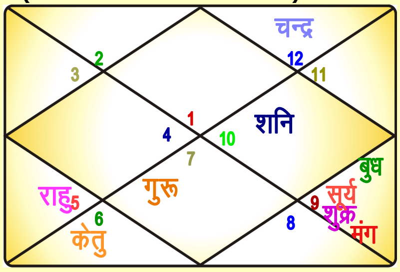

वर्ष पूर्ण– 75
(18:10:2052 - 17:10:2053)

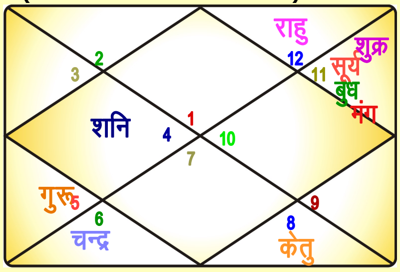

Licensed to - Abhimanue Singh Contact : 09818193410, 09350247058

लाल किताब वर्षफल

वर्ष पूर्ण– 76
(18:10:2053 - 17:10:2054)

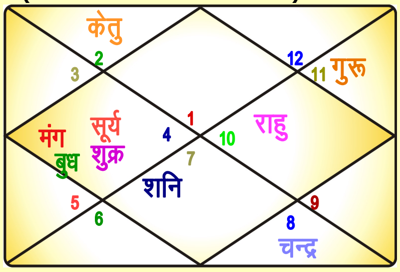

वर्ष पूर्ण– 77
(18:10:2054 - 17:10:2055)

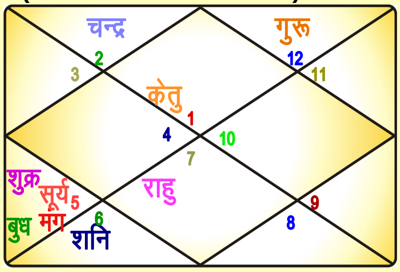

वर्ष पूर्ण– 78
(18:10:2055 - 17:10:2056)

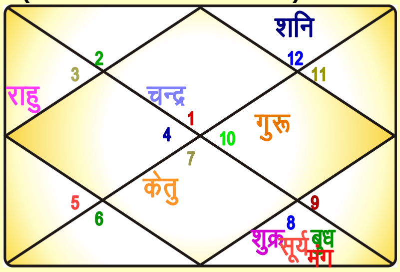

वर्ष पूर्ण– 79
(18:10:2056 - 17:10:2057)

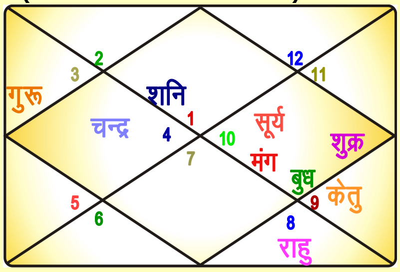

वर्ष पूर्ण– 80
(18:10:2057 - 17:10:2058)

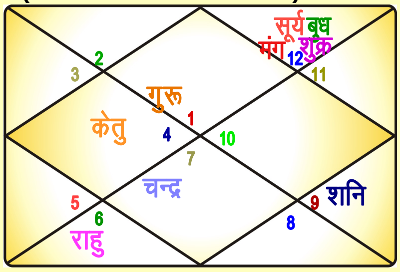

वर्ष पूर्ण– 81
(18:10:2058 - 17:10:2059)

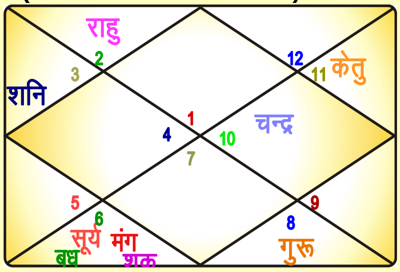

वर्ष पूर्ण– 82
(18:10:2059 - 17:10:2060)

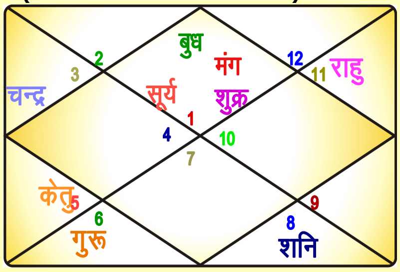

वर्ष पूर्ण– 83
(18:10:2060 - 17:10:2061)

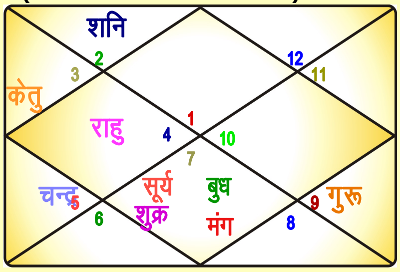

वर्ष पूर्ण– 84
(18:10:2061 - 17:10:2062)

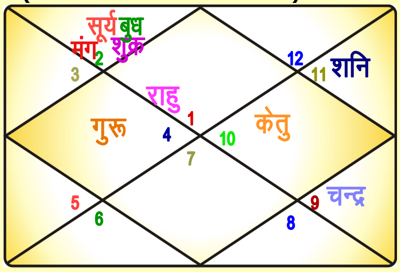

वर्ष पूर्ण– 85
(18:10:2062 - 17:10:2063)

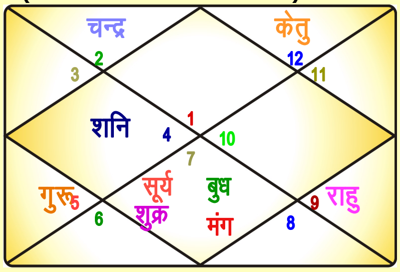

वर्ष पूर्ण– 86
(18:10:2063 - 17:10:2064)

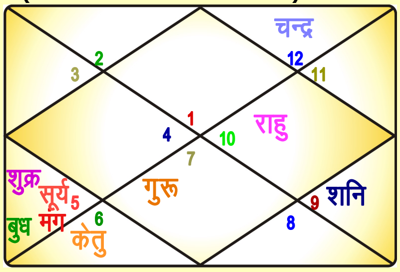

वर्ष पूर्ण– 87
(18:10:2064 - 17:10:2065)

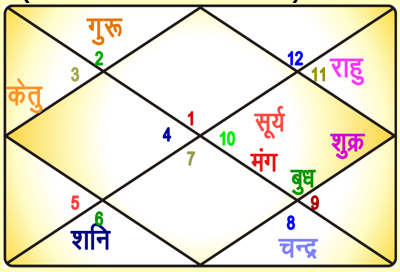

वर्ष पूर्ण– 88
(18:10:2065 - 17:10:2066)

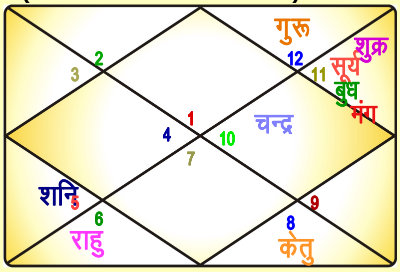

वर्ष पूर्ण– 89
(18:10:2066 - 17:10:2067)

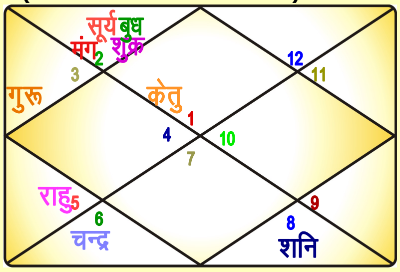

वर्ष पूर्ण– 90
(18:10:2067 - 17:10:2068)

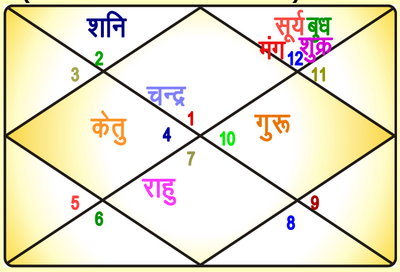

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

लाल किताब वर्षफल

वर्ष पूर्ण– 91
(18:10:2068 - 17:10:2069)

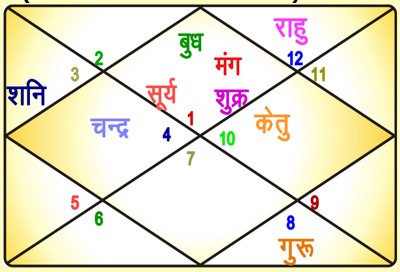

वर्ष पूर्ण– 92
(18:10:2069 - 17:10:2070)

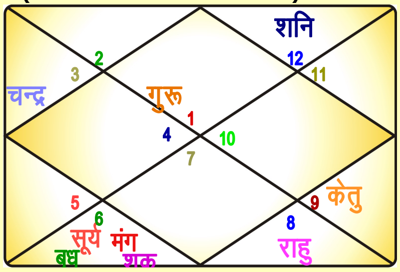

वर्ष पूर्ण– 93
(18:10:2070 - 17:10:2071)

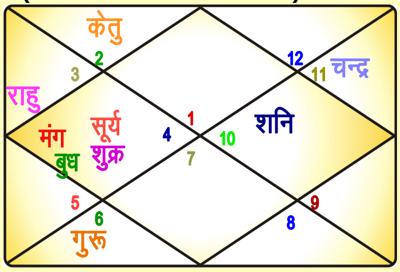

वर्ष पूर्ण– 94
(18:10:2071 - 17:10:2072)

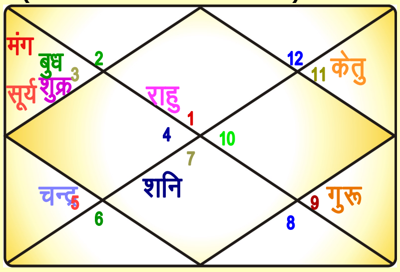

वर्ष पूर्ण– 95
(18:10:2072 - 17:10:2073)

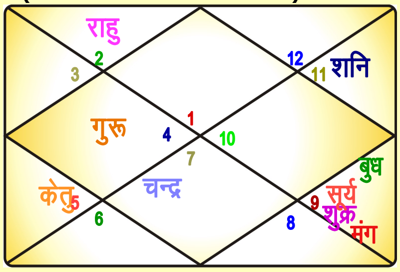

वर्ष पूर्ण– 96
(18:10:2073 - 17:10:2074)

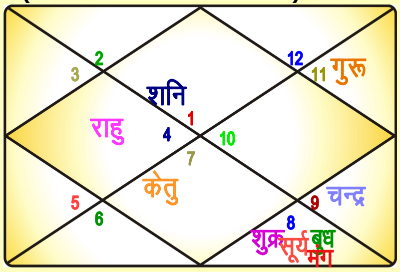

वर्ष पूर्ण– 97
(18:10:2074 - 17:10:2075)

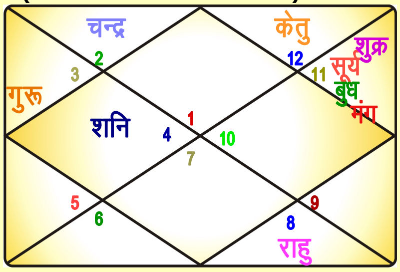

वर्ष पूर्ण– 98
(18:10:2075 - 17:10:2076)

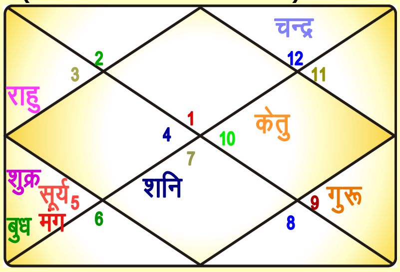

वर्ष पूर्ण– 99
(18:10:2076 - 17:10:2077)

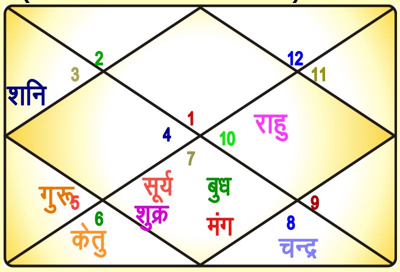

वर्ष पूर्ण– 100
(18:10:2077 - 17:10:2078)

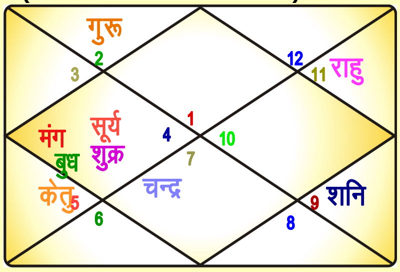

वर्ष पूर्ण– 101
(18:10:2078 - 17:10:2079)

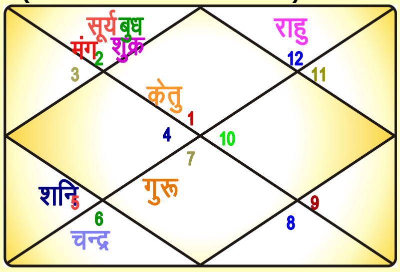

वर्ष पूर्ण– 102
(18:10:2079 - 17:10:2080)

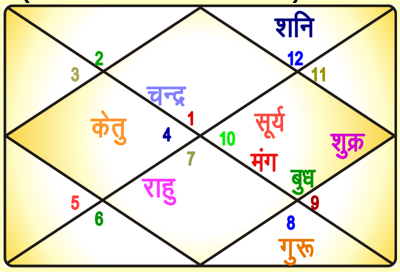

वर्ष पूर्ण– 103
(18:10:2080 - 17:10:2081)

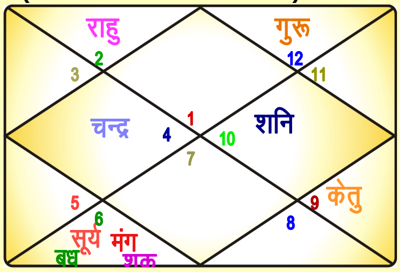

वर्ष पूर्ण– 104
(18:10:2081 - 17:10:2082)

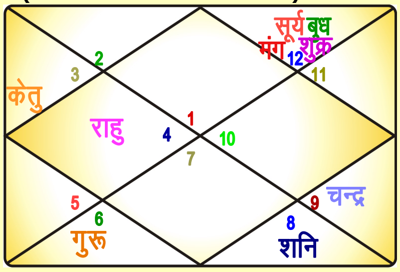

वर्ष पूर्ण– 105
(18:10:2082 - 17:10:2083)

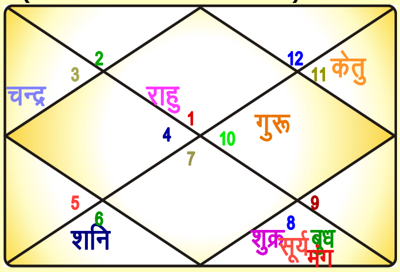

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

लाल किताब वर्षफल

वर्ष पूर्ण– 106
(18:10:2083 - 17:10:2084)

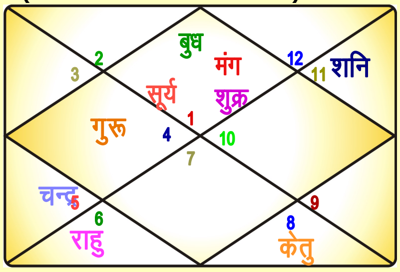

वर्ष पूर्ण– 107
(18:10:2084 - 17:10:2085)

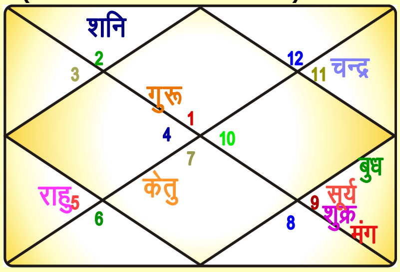

वर्ष पूर्ण– 108
(18:10:2085 - 17:10:2086)

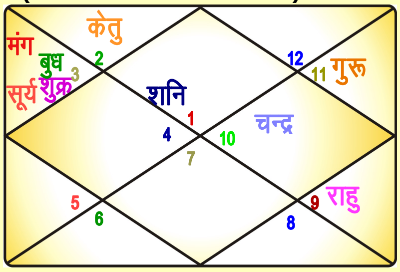

वर्ष पूर्ण– 109
(18:10:2086 - 17:10:2087)

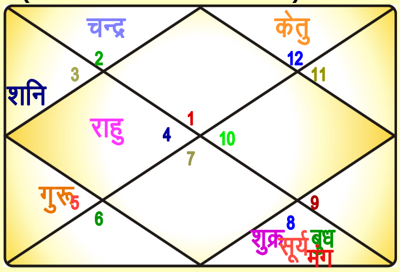

वर्ष पूर्ण– 110
(18:10:2087 - 17:10:2088)

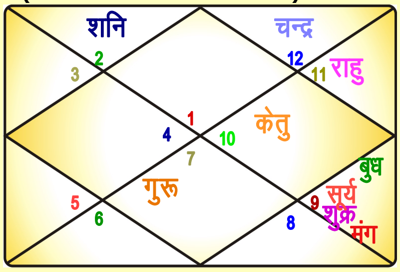

वर्ष पूर्ण– 111
(18:10:2088 - 17:10:2089)

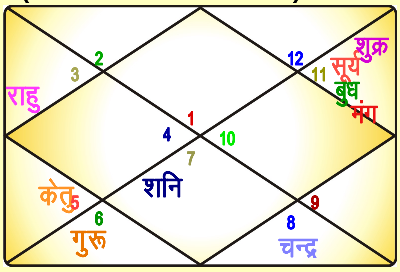

वर्ष पूर्ण– 112
(18:10:2089 - 17:10:2090)

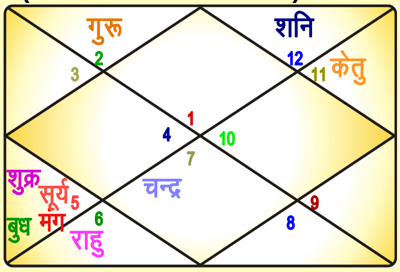

वर्ष पूर्ण– 113
(18:10:2090 - 17:10:2091)

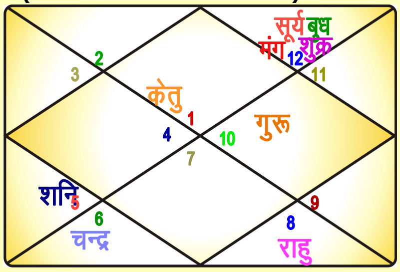

वर्ष पूर्ण– 114
(18:10:2091 - 17:10:2092)

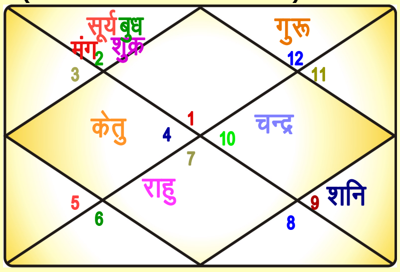

वर्ष पूर्ण– 115
(18:10:2092 - 17:10:2093)

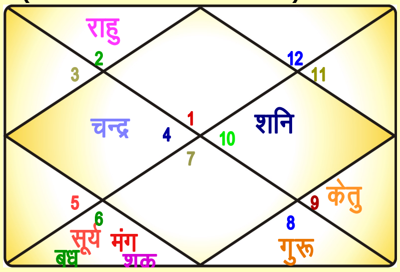

वर्ष पूर्ण– 116
(18:10:2093 - 17:10:2094)

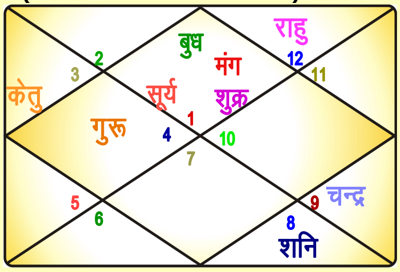

वर्ष पूर्ण– 117
(18:10:2094 - 17:10:2095)

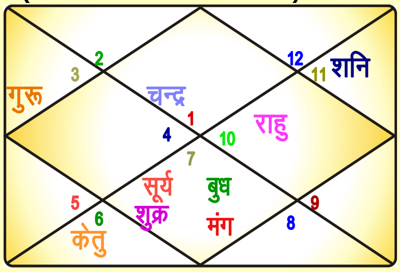

वर्ष पूर्ण– 118
(18:10:2095 - 17:10:2096)

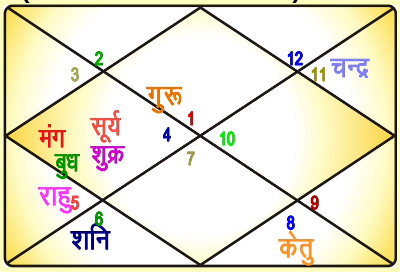

वर्ष पूर्ण– 119
(18:10:2096 - 17:10:2097)

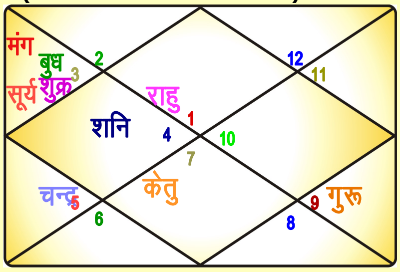

वर्ष पूर्ण– 120
(18:10:2097 - 17:10:2098)

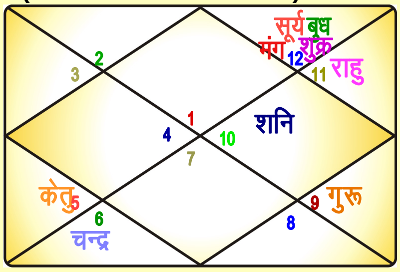

Licensed to - Abhimanue Singh Contact : 09818193410, 09350247058

आपकी कुण्डली में राहु अशुभ भाव में बैठा है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर ग्यारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके पिता से आपका वैचारिक मतभेद हो सकता है और उनका स्वास्थ्य भी आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। इस वर्ष आपको किसी भी प्रकार के विवाद से बचना चाहिए, अन्यथा आप चोटग्रस्त हो सकते हैं। इस वर्ष लाल या नीला कपड़ा पहनना खतरनाक हो सकता है।

वर्षफल में राहु का उपाय

राहु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) नीलम या नीले रंग का कोई भी रत्न इस वर्ष नहीं पहनना है और न ही अपने पास रखना है।
(२) घर में बिजली के खराब उपकरण न रखें।
(३) सिर पर चोटी रखें या सफेद टोपी से सिर ढ़क कर रखें।

सातवें भाव में स्थित केतु का फल

आपके वर्षफल कुण्डली केतु की अशुभता की मात्रा शुभता की मात्रा से अधिक है।

आपके वर्षफल में केतु की शुभता या अशुभता के कारण

आपकी कुण्डली में केतु अशुभ भाव में बैठा है।
आपकी कुण्डली में केतु पर उसके शत्रु ग्रह मंगल की पूर्ण दृटि पड़ रही है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर सातवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको इस वर्ष अपना चाल-चलन और व्यवहार काफी संयमित रखना होगा, अन्यथा हानि की संभावना है। दूसरों से झूठा वायदा न करें। सत्य का पालन करें।

वर्षफल में केतु का उपाय

केतु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) अपना चाल-चलन ठीक रखें।
(२) ४ केले ४ दिन बहते हुए पानी में बहायें।
(३) ४ नींबू ४ दिन तक जल में प्रवाहित करें।

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

लाल किताब से वर्षफल

(सभी भविष्यफल लाल किताब कुण्डली पर आधारित हैं)

वर्ष पूर्ण – 35

(18:10:2012 - 17:10:2013)

पहले भाव में स्थित सूर्य का फल

आपके वर्षफल कुण्डली सूर्य की शुभता की मात्रा अशुभता की मात्रा से अधिक है।

आपके वर्षफल में सूर्य की शुभता या अशुभता के कारण

आपकी कुण्डली में सूर्य पक्के घर का है।
आपकी कुण्डली में सूर्य शुभ भाव में बैठा है।
आपकी कुण्डली में सूर्य अपने मित्र मंगल के साथ बैठा है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य शुभ स्थिति में पहले भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, यह वर्ष आपके लिए भाग्यशाली और सर्वसिद्धिप्रद है। सूर्य के शुभ होने से आपको अनेकानेक शुभ फल प्राप्त होंगे। आपको नौकरी/कारोबार में सफलता और सरकारी कर्मचारियों का सहयोग प्राप्त होगा। आपके पुरूषार्थ में वृद्धि होगी और आपके शत्रुओं का नाश होगा। आपको व्यापारिक गतिविधियों में सफलता प्राप्त होगी। अपने व्यापार में आपको दिल से ज़्यादा दिमाग का उपयोग करना चाहिए। इस वर्ष आप एक से ज़्यादा तीर्थ यात्रायें करेंगे।

वर्षफल में सूर्य का उपाय

सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) मांस मदिरा का सेवन न करें।
(२) अपना चाल-चलन ठीक रखें।
(३) सूर्य को मीठे जल का अर्ध्य दें।

दूसरे भाव में स्थित चन्द्रमा का फल

आपके वर्षफल कुण्डली चन्द्रमा की शुभता की मात्रा अशुभता की मात्रा से अधिक है।

आपके वर्षफल में चन्द्रमा की शुभता या अशुभता के कारण

आपकी कुण्डली में चन्द्रमा कायम है।
आपकी कुण्डली में चन्द्रमा शुभ भाव में बैठा

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में चंद्रमा शुभ स्थिति में दूसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार,इस वर्ष आपको स्त्री पक्ष से विशेष तौर पर सहयोग और सहायता की प्राप्ति होगी। वर्ष भर आपको हर्षदायक समाचारों की प्राप्ति होती रहेगी। अपने अधिकारियों से सहयोग और सहायता मिलेगी। अपने निकट संबंधियों के घरों में होने वाले विवाह आदि समारोहों में जाना पड़ सकता है। धार्मिक स्थानों की यात्रा का योग है। आप तर्कपूर्ण भाषा का प्रयोग करके बहुत सारे फैसले अपने पक्ष में करवा सकते हैं।

वर्षफल में चन्द्रमा का उपाय

चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिएऔर सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) घर के मंदिर में मूर्तियों की स्थापना न करें।
(२) दस वर्ष से कम उम्र की कन्याओं को हरे रंग का कपड़ा दान करें।
(३) बुजुर्ग औरतों का आशिर्वाद लें।
(४) माता से चावल चांदी का दान लेकर अपने पास रखें।

पहले भाव में स्थित मंगल का फल

आपके वर्षफल कुण्डली मंगल की शुभता की मात्रा अशुभता की मात्रा से अधिक है।

आपके वर्षफल में मंगल की शुभता या अशुभता के कारण

आपकी कुण्डली में मंगल अपने घर का है।
आपकी कुण्डली में मंगल शुभ भाव में बैठा है।
आपकी कुण्डली में मंगल अपने मित्र के पक्के घर में बैठा है।
आपकी कुण्डली में मंगल अपने मित्र सूर्य के साथ बैठा है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शुभ स्थिति में पहले भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार,इस वर्ष आपको लोहा, लकड़ी एवं मशीनरी इत्यादि के कारोबार से लाभ प्राप्त होगा। सामाज में आपके मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपमें उत्साह और उत्तेजना की मात्रा ज़्यादा होगी। इस वर्ष आप कोई भी कार्य भव्य तरीके से करेंगे। भाई-बन्धुओं का आपको सहयोग प्राप्त होगा। आपकी बहन के लिएभी यह वर्ष शुभ फलदायी है। आपका व्यवहार बुरे लोगों के साथ भी मधुर रहेगा।

वर्षफल में मंगल का उपाय

मंगल के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

(१) बुरे कार्यों और झुठ बोलने से बचें।
(२) अपनी उम्र के व्यक्ति के साथ साझेदारी का कारोबार करें।
(३) मुफ्त में कोई भी उपहार न लें।
(४) हाथी दांत की वस्तुऐं अपने घर न ले आयें।
(५) यदि आपके बड़े भाई हैं तो लाल रूमाल अपने पास रखें।

पहले भाव में स्थित बुध का फल

आपके वर्षफल कुण्डली बुध की शुभता की मात्रा अशुभता की मात्रा से अधिक है।

आपके वर्षफल में बुध की शुभता या अशुभता के कारण

आपकी कुण्डली में बुध कायम है।
आपकी कुण्डली में बुध शुभ भाव में बैठा है।
आपकी कुण्डली में बुध अपने मित्र के पक्के घर में बैठा है।
आपकी कुण्डली में बुध अपने मित्र सूर्य के साथ बैठा है।
आपकी कुण्डली में बुध अपने मित्र शुक्र के साथ बैठा है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शुभ स्थिति में पहले भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, यह वर्ष आपके लिए शुभ रहेगा। आप इस वर्ष नई व्यवसायिक योजनाओं का आरंभ कर सकते हैं। आपके मन में परोपकार की भावना प्रबल होगी। लोग आपकी बातो को सुनेंगे तथा विदेश यात्रा से आपको लाभ होगा। पारिवारिक झगड़ों को आप अपनी बुद्धि के बल पर सुलझा लेंगे।

वर्षफल में बुध का उपाय

बुध के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) मांस-मदिरा का सेवन न करें।
(२) अपना चाल-चलन ठीक रखें।
(३) मछली का शिकार न करें।
(४) हरे कपड़े से परहेज करें।
(५) अण्डे का सेवन इस वर्ष न करें।
(६) अतिथीयों का सत्कार करें।

नौवें भाव में स्थित गुरू का फल

आपके वर्षफल कुण्डली गुरू की शुभता की मात्रा अशुभता की मात्रा से अधिक है।

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

आपके वर्षफल में गुरू की शुभता या अशुभता के कारण

आपकी कुण्डली में गुरू पक्के घर का है।
आपकी कुण्डली में गुरू अपने घर का है।
आपकी कुण्डली में गुरू कायम है।
आपकी कुण्डली में गुरू शुभ भाव में बैठा है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शुभ स्थिति में नौवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष धार्मिक स्थानों की यात्रा का योग है। धर्म-कर्म के कार्यों में आप बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे। घर के बुजुर्ग सदस्य आपकी सहायता के लिए तत्पर रहेंगे। ज्योतिष और आध्यात्म जैसे विषयों मेंआपकी रूचि बढ़ेगी। सोने-चांदी के व्यापार से विशेष लाभ हो सकता है। आप अपने किए हुए वादों को निभाने की स्थिति में होंगे।

वर्षफल में गुरू का उपाय

गुरू के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) गंगा स्नान करें।
(२) धार्मिक क्रिया-कलापों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें।
(३) अपने किऐ हुए वादों को निभायें।

पहले भाव में स्थित शुक्र का फल

आपके वर्षफल कुण्डली शुक्र की अशुभता की मात्रा शुभता की मात्रा से अधिक है।

आपके वर्षफल में शुक्र की शुभता या अशुभता के कारण

आपकी कुण्डली में शुक्र अशुभ भाव में बैठा है।
आपकी कुण्डली में शुक्र अपने शत्रु के पक्के घर में बैठा है।
आपकी कुण्डली में शुक्र अपने शत्रु सूर्य के साथ बैठा है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर पहले भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, यदि आप अपने परिवार के मुखिया हैं, तो आपको अनेक प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। अपने जीवनसाथी और माता के साथ भी आपके संबंध ठीक नहीं होंगे। इसवर्ष आप नौकरी छोड़ कर व्यापार करने की कोशिश कर सकते हैं, जो कि आपके लिए शुभ फलदायकनहीं होगा। आपको अपने चाल-चलन पर विशेष ध्यान देना होगा, अन्यथा आर्थिक हानि हो सकती है।

वर्षफल में शुक्र का उपाय

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) ससुराल से शुद्ध चांदी लें।
(२) अपना चाल-चलन ठीक रखें।
(३) धार्मिक क्रिया-कलापों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें।
(४) अपने बचे हुए खाने को पक्षियों या जानवरों को खिलायें।
(५) सरसो, जौ अथवा हरा चरा दान करें।

तीसरे भाव में स्थित शनि का फल

आपके वर्षफल कुण्डली शनि की शुभता की मात्रा अशुभता की मात्रा से अधिक है।

आपके वर्षफल में शनि की शुभता या अशुभता के कारण

आपकी कुण्डली में शनि कायम है।
आपकी कुण्डली में शनि शुभ भाव में बैठा है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शुभ स्थिति में होकर तीसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपकी मनोवृति एकाग्र, गंभीर और विचारशील होगी। आपके मन में परोपकार की भावना भी प्रबल होगी। हालॉकि, यह परोपकार आपके व्यवसाय के लिए ठीक नहीं होगा। लोहे के मशीनों का व्यापार लाभदायक होगा। वाहन सुख उत्तम होगा। आप इस वर्ष कोई जोखिम भरे व्यापार में हाथ आजमा सकते हैं। इस वर्ष आपको व्यापार इत्यादि में बहुत सोच-समझ कर पैसा लगाना चाहिए।

वर्षफल में शनि का उपाय

शनि के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) शराब और मछली का सेवन न करें।
(२) घर की छत पर दरवाजे का चौखट न रखें।
(३) घर में बबुल या बेर का पेड़ लगायें।
(४) घर के अंत में एक अंधेरी कोठरी छोड़े।

ग्यारहवें भाव में स्थित राहु का फल

आपके वर्षफल कुण्डली राहु की अशुभता की मात्रा शुभता की मात्रा से अधिक है।

आपके वर्षफल में राहु की शुभता या अशुभता के कारण

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

वर्षफल में लागू महत्वपूर्ण योग :

आपके वर्षफल कुण्डली में बुध पहले भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपकी बदनामी हो सकती है। चांदी या लोहे की गोली पर लाल रंग चढ़ाकर उसे अपने पास रखें।

आपके वर्षफल कुण्डली में राहु ग्यारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष धन हानि होने की संभावना अधिक होगी। उपाय के तौर पर ४३ दिन तक लगातार अपने नाभि के चारो-तरफ केसर का तिलक लगायें।

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

लाल किताब से वर्षफल

(सभी भविष्यफल लाल किताब कुण्डली पर आधारित हैं)

वर्ष पूर्ण – 35

(18:10:2012 - 17:10:2013)

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य ग्रह शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य शुभ स्थिति में पहले भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, यह वर्ष आपके लिए भाग्यशाली और सर्वसिद्धिप्रद है। सूर्य के शुभ होने से आपको अनेकानेक शुभ फल प्राप्त होंगे। आपको नौकरी/कारोबार में सफलता और सरकारी कर्मचारियों का सहयोग प्राप्त होगा। आपके पुरूषार्थ में वृद्धि होगी और आपके शत्रुओं का नाश होगा। आपको व्यापारिक गतिविधियों में सफलता प्राप्त होगी। अपने व्यापार में आपको दिल से ज़्यादा दिमाग का उपयोग करना चाहिए। इस वर्ष आप एक से ज़्यादा तीर्थ यात्रायें करेंगे।

वर्षफल में सूर्य का उपाय

सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) मांस मदिरा का सेवन न करें।
(२) अपना चाल-चलन ठीक रखें।
(३) सूर्य को मीठे जल का अर्ध्य दें।

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

आपकी वर्षफल कुण्डली में चन्द्रमा ग्रह अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में चन्द्रमा ग्रह के अशुभता के कारण -

आपकी वर्षफल कुण्डली में, चंद्रमा दूसरे भाव में स्थित है और नौवें भाव में कोई ग्रह स्थित है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में चंद्रमा शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर दूसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको नजला, मधुमेह तथा गुप्तरोगों का सामना करना पड़ सकता है। आपके मन में मांस-मदिरा और शराब का सेवन करने की तीव्र लालसा हो सकती है। आपकी आर्थिक स्थिति भी गड़बड़ा सकती है तथा पुत्र से मनमुटाव हो सकता है। गलत प्रेम संबंधों के चक्कर में आपकी बदनामी हो सकती है।

वर्षफल में चन्द्रमा का उपाय

चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्नउपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) घर के मंदिर में मूर्तियों की स्थापना न करें।
(२) दस वर्ष से कम उम्र की कन्याओं को हरे रंग का कपड़ा दान करें।
(३) बुजुर्ग औरतों का आशिर्वाद लें।
(४) माता से चावल चांदी का दान लेकर अपने पास रखें।

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल ग्रह शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शुभ स्थिति में पहले भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार,इस वर्ष आपको लोहा, लकड़ी एवं मशीनरी इत्यादि के कारोबार से लाभ प्राप्त होगा। सामाज में आपके मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपमें उत्साह और उत्तेजना की मात्रा ज़्यादा होगी। इस वर्ष आप कोई भी कार्य भव्य तरीके से करेंगे। भाई-बन्धुओं का आपको सहयोग प्राप्त होगा। आपकी बहन के

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

लिए भी यह वर्ष शुभ फलदायी है। आपका व्यवहार बुरे लोगों के साथ भी मधुर रहेगा।

वर्षफल में मंगल का उपाय

मंगल के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) बुरे कार्यो और झुठ बोलने से बचें।
(२) अपनी उम्र के व्यक्ति के साथ साझेदारी का कारोबार करें।
(३) मुफ्त में कोई भी उपहार न लें।
(४) हाथी दांत की वस्तुऐं अपने घर न ले आयें।
(५) यदि आपके बड़े भाई हैं तो लाल रूमाल अपने पास रखें।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध ग्रह शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शुभ स्थिति में पहले भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, यह वर्ष आपके लिए शुभ रहेगा। आप इस वर्ष नई व्यवसायिक योजनाओं का आरंभ कर सकते हैं। आपके मन में परोपकार की भावना प्रबल होगी। लोग आपकी बातो को सुनेंगे तथा विदेश यात्रा से आपको लाभ होगा। पारिवारिक झगड़ों को आप अपनी बुद्धि के बल पर सुलझा लेंगे।

वर्षफल में बुध का उपाय

बुध के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) मांस-मदिरा का सेवन न करें।
(२) अपना चाल-चलन ठीक रखें।
(३) मछली का शिकार न करें।

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

(४) हरे कपड़े से परहेज करें।
(५) अण्डे का सेवन इस वर्ष न करें।
(६) अतिथीयों का सत्कार करें।

बृहस्पति नवम् भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में गुरू ग्रह शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शुभ स्थिति में नौवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष धार्मिक स्थानों की यात्रा का योग है। धर्म-कर्म के कार्यों में आप बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे। घर के बुजुर्ग सदस्य आपकी सहायता के लिए तत्पर रहेंगे। ज्योतिष और आध्यात्म जैसे विषयों मेंआपकी रूचि बढ़ेगी। सोने-चांदी के व्यापार से विशेष लाभ हो सकता है। आप अपने किए हुए वादों को निभाने की स्थिति में होंगे।

वर्षफल में गुरू का उपाय

गुरू के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) गंगा स्नान करें।
(२) धार्मिक क्रिया-कलापों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें।
(३) अपने किऐ हुए वादों को निभायें।

शुक्र प्रथम भाव में

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र ग्रह शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शुभ स्थिति में पहले भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आप अपने कपड़ों और साज-सजावट पर विशेष ध्यान देंगे। आप दूसरों से प्रेमपूर्वक व्यवहार करेंगे। आप अपने हमउम्र लोगों में बहुत ज़्यादा प्रसिद्ध होंगे। इस वर्ष आपको भूमि, भवन इत्यादि की प्राप्ति भी हो सकती है। इस वर्ष आप कोई व्यापारिक योजना की शुरूआत कर सकते हैं।

वर्षफल में शुक्र का उपाय

शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) ससुराल से शुद्ध चांदी लें।
(२) अपना चाल-चलन ठीक रखें।
(३) धार्मिक क्रिया-कलापों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें।
(४) अपने बचे हुए खाने को पक्षियों या जानवरों को खिलायें।
(५) सरसो, जौ अथवा हरा चरा दान करें।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि ग्रह अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि ग्रह के अशुभता के कारण -

आपकी वर्षफल कुण्डली में, शनि तीसरे भाव में स्थित है और सूर्य पहले, तीसरे या पॉचवें भाव में स्थित है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर तीसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको अपने बन्धु-बान्धवों से विरोध का सामाना करना पड़ सकता है। अचानक

धन हानि की भी संभावना है। दूसरों का व्यापार भी आपसे बुरी तरह प्राभावित हो सकता है। भाइयों से अलगाव की भी संभावना है। कुत्ते आदि जानवरों से आपको बचकर रहना चाहिए। आपको गलत तरीकों से धन नहीं कमाना चाहिए। भूमि या भवन से संबंधित किसी परेशानी का भी आपको सामना करना पड़ सकता है।

वर्षफल में शनि का उपाय

शनि के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) शराब और मछली का सेवन न करें।
(२) घर की छत पर दरवाजे का चौखट न रखें।
(३) घर में बबुल या बेर का पेड़ लगायें।
(४) घर के अंत में एक अंधेरी कोठरी छोड़े।

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु ग्रह शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शुभ स्थिति में होकर ग्यारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आप इस वर्ष अपनी बुद्धि और मेहनत से बहुत सारा धन कमायेंगे। आपको दूसरे व्यक्तियों परआंख मूंद कर विश्वास नहीं करना चाहिए, अन्यथा धोखा हो सकता है। इस वर्ष आप अपने पिता से अलग होकर कार्य कर सकते हैं, जिससे आप दोनों को फायदा होगा। इस वर्ष नीले और लाल रंग का प्रयोग बिल्कुल न करें।

वर्षफल में राहु का उपाय

राहु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) नीलम या नीले रंग का कोई भी रत्न इस वर्ष नहीं पहनना है और न ही अपने पास रखना है।
(२) घर में बिजली के खराब उपकरण न रखें।
(३) सिर पर चोटी रखें या सफेद टोपी से सिर ढ़क कर रखें।

केतु सप्तम भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु ग्रह अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु ग्रह के अशुभता के कारण -

आपकी वर्षफल कुण्डली में, केतु सातवें भाव में स्थित है और दूसरे भाव में कोई अन्य ग्रह स्थित है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर सातवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको इस वर्ष अपना चाल-चलन और व्यवहार काफी संयमित रखना होगा, अन्यथा हानि की संभावना है। दूसरों से झूठा वायदा न करें। सत्य का पालन करें।

वर्षफल में केतु का उपाय

केतु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियां बरतनी चाहिए।

(१) अपना चाल-चलन ठीक रखें।
(२) ४ केले ४ दिन बहते हुए पानी में बहायें।
(३) ४ नींबू ४ दिन तक जल में प्रवाहित करें।

वर्षफल में लागू महत्वपूर्ण योग :

आपके वर्षफल कुण्डली में बुध पहले भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपकी

बदनामी हो सकती है। चांदी या लोहे की गोली पर लाल रंग चढ़ाकर उसे अपने पास रखें।

आपके वर्षफल कुण्डली में राहु ग्यारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष धन हानि होने की संभावना अधिक होगी। उपाय के तौर पर ४३ दिन तक लगातार अपने नाभि के चारो-तरफ केसर का तिलक लगायें।

Licensed to - Abhimanue Singh Contact :09818193410, 09350247058